हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 01 जनवरी 2026

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

2026
नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

बरस पूरा हुआ। नया सूरज निकल आया है। उसकी रश्मियाँ उम्मीदों के साथ-साथ हमें यह भी याद दिला रही हैं कि उजाला हमेशा मिलकर रचा जाता है। छत्तीसगढ़ भी ऐसा ही है—यहाँ की पहचान किसी एक नाम, एक वर्ग या एक चेहरे से नहीं, बल्कि उन अनगिनत लोगों से बनी है, जिन्होंने इस धरती को अपना माना और इसके लिए कुछ न कुछ अर्पित किया। राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने कई ऐसे लोगों को देखा, जिन्होंने चुपचाप, बिना किसी शोर के, समाज को मजबूत करने का काम किया। किसी ने शिक्षा के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन दे दी, किसी ने स्वास्थ्य को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया, तो किसी ने भूख से जूझते लोगों के लिए अपनी झोली खोल दी। कोई यहीं का था, कोई दूर से आया था—लेकिन सबकी भावना एक थी: छत्तीसगढ़ और इसके लोग। इन कहानियों में न जाति की दीवार है, न धर्म की सीमा, न भाषा या वेश का भेद। यहाँ सिर्फ़ मनुष्यता है, संवेदना है और इस मिट्टी से जुड़ाव है।

छत्तीसगढ़ की आत्मा में सबका वास ये हैं अद्भुत, अलौकिक... बेहद खास

नए साल में यह जरूरी है कि ऐसी कहानियां सामने आएं, ताकि नई पीढ़ी समझ सके कि छत्तीसगढ़ का विकास साझा प्रयासों से हुआ है। इसी भावना के साथ हरिभूमि उन लोगों तक पहुंचा, जिनका योगदान अक्सर सुर्खियों से दूर रह जाता है। उन्होंने बेहद सहजता और सरलता से अपनी सोच और अपने अनुभव साझा किए। पेश हैं छत्तीसगढ़ की आत्मा को जोड़ने वाली ऐसी ही विभूतियों की कहानियां-नए साल की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...

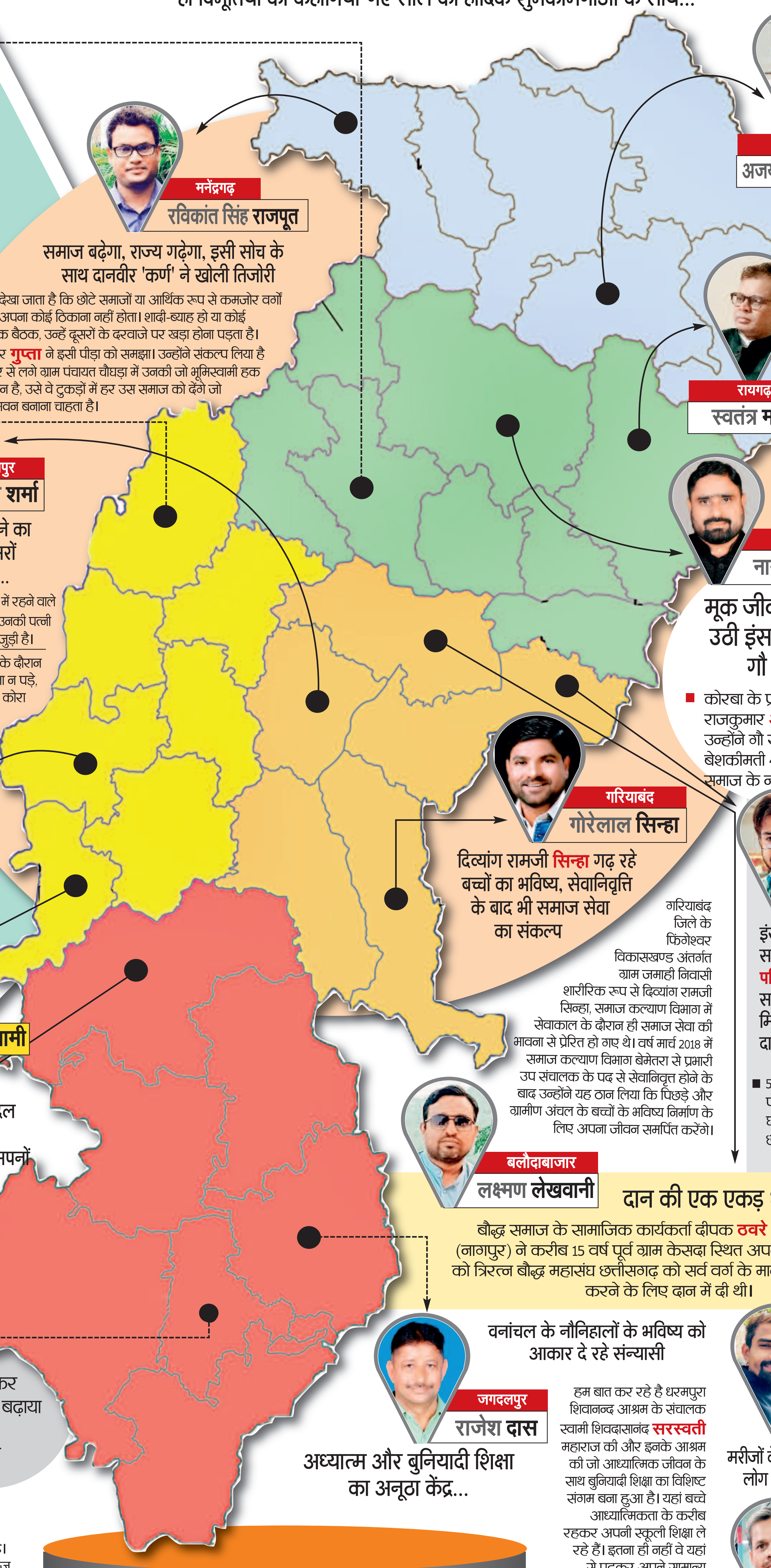

रिपोर्टर
बिलासपुर
विकास चौबे

एक ने दी जमीन, दूसरे ने खोला ज्ञान का आकाश अब 20 गांव के बच्चे भर रहे उड़ान!

- स्कूल में कुल 225 बच्चे पढ़ रहे, इसमें तीन ही सामान्य बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से

भगत **सिंह** मूलतः रायगढ़ जिले के थे लेकिन उन्होंने ध्यान और अध्यात्म के लिए जीपीएम जिले में 18 एकड़ जमीन ली थी। बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए उन्होंने बाद में ढाई एकड़ जमीन 2008 में आचार्य परमानंद गिरी को दी जिन्होंने गुरुकुल की स्थापना की। भगत सिंग साजन हमेशा सबसे और खुद से सवाल करते थे कि वे इस क्षेत्र क्या दे सकते हैं। इसी विचार के बाद उन्होंने गुरुकुल की स्थापना का फैसला लिया।

मनेंद्रगढ़
रविकांत सिंह राजपूत

समाज बढ़ेगा, राज्य गढ़ेगा, इसी सोच के साथ दानवीर 'कर्ण' ने खोली तिजोरी

अक्सर देखा जाता है कि छोटे समाजों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के पास अपना कोई ठिकाना नहीं होता। शादी-ब्याह हो या कोई सामाजिक बैठक, उन्हें दूसरों के दरवाजे पर खड़ा होना पड़ता है। रमाशंकर **गुप्ता** ने इसी पीड़ा को समझा। उन्होंने संकल्प लिया है कि शहर से लगे ग्राम पंचायत चौघड़ा में उनकी जो भूमिस्वामी हक की जमीन है, उसे वे टुकड़ों में हर उस समाज को देंगे जो अपना भवन बनाना चाहता है।

रिपोर्टर
अंबिकापुर
अजय नारायण पांडेय

अस्पताल खोलने सड़क की बेशकीमती जमीन की दान

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के डेढ़ दशक बाद भी जब ग्राम पंचायत जमड़ी में स्कूल एवं अस्पताल की सुविधा नहीं मिली तो ग्रामीणों ने प्रतिष्ठित परिवार के वरिष्ठ सदस्य अरूण प्रताप **सिंहदेव** से अपनी समस्याओं को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने के लिए कारगर पहल करने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने के बाद उन्होंने गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने स्वयं की जमीन उपलब्ध कराई।

रायगढ़
स्वतंत्र महंत

*रायगढ़ के धनंजय **गुप्त** ने अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए महापल्ली में सड़क किनारे आधा एकड़ भूमि बटमूल आश्रम महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए दान कर दी।*

कवर्धा
संजय यादव

दान, त्याग और संकल्प से बनी 'शिक्षा की इमारत'

आज जब जमीन को लेकर विवाद और स्वार्थ की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, ऐसे दौर में कबीरधाम जिले के पिपरिया में शिक्षा के लिए किया गया दान आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गया है। महंत श्री राम जानकी शरण दास **वैष्णव** शासकीय स्नातक महाविद्यालय, पिपरिया केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि समाज, संत और सेवा के संयुक्त संकल्प का जीवंत उदाहरण है।

रायपुर
विकास शर्मा

अपनों को खोने का दर्द बना दूसरों का सहारा...

- यह कहानी रोहिणीपुरम में रहने वाले भारत लाल **वर्मा** और उनकी पत्नी गंगोत्री वर्मा की पीड़ा से जुड़ी है।
- अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों को भटकना न पड़े, इसलिए कराया दाई कोरा अस्थायी ठिकाने का निर्माण।

कोरबा
नागेन्द्र श्रीवास

मूक जीवों के लिए बोल उठी इंसानियत, खोला गौ आश्रय...

- कोरबा के प्रतिष्ठित व्यापारी राजकुमार **अग्रवाल** की जमीन है। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए अपनी बेशकीमती 4 एकड़ जमीन को समाज के नाम कर दिया।

महाराष्ट्र रही जन्मभूमि लेकिन कर्मभूमि छत्तीसगढ़ ....

कहा जाता है कि आदमी जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है। उसके कर्म ही उसे एक अलग पहचान देते हैं। कुछ ऐसा ही काम रविंद्र माधवराव **जगदाले** ने किया है ।

राजनांदगांव
हफीज खान

गरियाबंद
गोरेलाल सिन्हा

दिव्यांग रामजी सिन्हा गढ़ रहे बच्चों का भविष्य, सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा का संकल्प

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जमाही निवासी शारीरिक रूप से दिव्यांग रामजी सिन्हा, समाज कल्याण विभाग में सेवाकाल के दौरान ही समाज सेवा की भावना से प्रेरित हो गए थे। वर्ष मार्च 2018 में समाज कल्याण विभाग बेमेतरा से प्रभारी उप संचालक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने यह ठान लिया कि पिछड़े और ग्रामीण अंचल के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करेंगे।

महासमुंद
मनहरण सोनवानी

इंसानियत की इबादतः सरायपाली के हुसैन परिवार ने पेश की सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल, वृद्धाश्रम के लिए दान की लाखों की जमीन

- 5 डिसमिल कीमती जमीन पर बनेगा 'समर्पण अपना घर' वृद्धाश्रम और छात्रावास।

माँ की दान की जमीन से बना अस्पताल मार्ग

पिता की मृत्यु पश्चात उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए अनमोल जमीन पुत्र प्रेम नारायण **पाण्डेय**, संतोष पांडेय एवं श्रीमती दुर्गा राजेन्द्र पांडेय तथा मनीषा अशोक पांडेय ने दान में दिया।

मोहला
एनिश पुरी गोस्वामी

कांकेर
गौरव श्रीवास्तव

एक एकड़ ज़मीन, और बदल गया बेटियों का भविष्य जब कॉलेज बना, तब खुले सपनों के दरवाज़े

कांकेर जिले का नरहरपुर ब्लॉक जिला मुख्यालय से महज़ 35 किलोमीटर दूर और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां उस दौर में स्कूल के बाद लड़कियों की पढ़ाई लगभग थम जाया करती थी। रोज़मर्रा की बैठकों में जब भी ग्रामीणों से बातचीत होती, बेटियों की पढ़ाई और रिश्तों की चिंता बार-बार सामने आती। यहीं से आनंद **साहू** ने ठान लिया कि क्षेत्र में हर हाल में कॉलेज खुलवाया जाएगा।

बलौदाबाजार
लक्ष्मण लेखवानी

दान की एक एकड़ भूमि में ...

बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक **ठवरे** निवासी गोंदिया (नागपुर) ने करीब 15 वर्ष पूर्व ग्राम केसदा स्थित अपनी एक एकड़ भूमि को त्रिरत्न बौद्ध महासंघ छत्तीसगढ़ को सर्व वर्ग के मानव समाज की सेवा करने के लिए दान में दी थी।

दंतेवाड़ा
सुरेश रावल

- दिल खोलकर किया दान, बढ़ाया छत्तीसगढ़ का सम्मान

ज्ञान के लिए दे दी 22 एकड़ जमीन, अब सेहत सुधारने दान करेंगे 10 एकड़ !

आदिवासी किसान बोमड़ा राम **कोवासी** ने दी साढ़े 22 एकड़ जमीन, संवर रहा 8 हजार गरीब बच्चों का भविष्य

जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा से लगभग 15 किलोमीटर दूर का एक गांव जावंगा शिक्षा के मामलें में काफी चर्चित है। गुरुकुल से शुरू हुआ शिक्षा का यह छोटा सा प्रयास आज विशाल वट वृक्ष की तरह एजुकेशन सिटी के रूप में ख्याति अर्जित कर रहा है। एक ही परिसर में 18 शैक्षिक संस्थाओं में लगभग 8 हजार गरीब बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं। न केवल आदिवासी बल्कि अन्य सभी वर्ग के गरीब बीपीएल परिवार के बच्चों को यहां 12वीं तक की पढ़ाई के लिए निशुल्क शिक्षा दी जाती है।

राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने कई ऐसे लोगों को देखा, जिन्होंने चुपचाप, बिना किसी शोर के, समाज को मजबूत करने का काम किया। तो किसी ने भूख से जूझते लोगों के लिए अपनी झोली खोल दी।

जगदलपुर
राजेश दास

अध्यात्म और बुनियादी शिक्षा का अनूठा केंद्र...

वनांचल के नौनिहालों के भविष्य को आकार दे रहे संन्यासी

हम बात कर रहे है धरमपुरा शिवानन्द आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद **सरस्वती** महाराज की और इनके आश्रम की जो आध्यात्मिक जीवन के साथ बुनियादी शिक्षा का विशिष्ट संगम बना हुआ है। यहां बच्चे आध्यात्मिकता के करीब रहकर अपनी स्कूली शिक्षा ले रहे हैं। इतना ही नहीं वे यहां से पढ़कर अपने सामान्य जीवन में भी सफल हो रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार इन वर्षों में यहां से लगभग 600 से अधिक बच्चे पढ़कर बाहर निकल चुके हैं और वे सफल भी है।

रायपुर
ललित राठोड़

मरीजों के परिजनों का सहारा, 1500 लोग ले रहे दो वक्त का भोजन

वर्ष 2020 में गणेश **भट्टर** और उनके बेटे गौरव भट्टर ने मिलकर शरुआत की। लॉकडाउन में उन्होंने लगातार लोगों को भूख से तड़पते देखा। विशेषकर अस्पताल के बाहर बैठे गरीब परिजन उनके मन को विचलित करते थे। उन्होंने अस्पताल के सामने ही भोजन वितरण करने का निर्णय लिया।

रायपुर
संजय जोशी

समाज ने दिया, अब लौटाने का वक्त आया ....

981-82 बैच के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में करियर की शुरुआत करने वाले रिटायर्ट अपर आयुक्त नगर निगम रायपुर जेआर **सोनी** का यह मानव सेवा का भाव उन विद्यार्थियों के सपने को पंख दे रहा हैं।

पेज-02

पेज-03

पेज-04

पेज-05

पेज-6-7

पेज-10

पेज-11

आधुनिकता और व्यावसायिकता के इस दौर में धर्म, अध्यात्म और सांस्कृतिक की पढ़ाई जहां हो ऐसे संस्थान कम होते जा रहे हैं। इन्हीं के बीच गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के गोरखपुर क्षेत्र में स्थित परमानंद संस्कृत विद्यालय पिछले 15 सालों से गुरु शिष्य की अपनी परंपरा कायम रखे हुए है। स्कूल में बच्चों को संस्कार के साथ-साथ उच्च. गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जाती है। बड़ी बात की इस संस्थान की स्थापना भगत सिंग साजन द्वारा दान की गई ढाई एकड़ जमीन पर हुई है।

एक ने दी जमीन, दूसरे ने खोला ज्ञान का आकाश, अब 20 गांव के बच्चे भर रहे उड़ान!

सुबह प्रार्थना, मंदिर में पूजा-पाठ, योग, आश्रम और गौशाला की सेवा के साथ कक्षाएं लगती हैं

स्कूल में कुल 225 बच्चे पढ़ रहे, इसमें तीन ही सामान्य, बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

भगत सिंह मूलतः रायगढ़ जिले के थे लेकिन उन्होंने ध्यान और अध्यात्म के लिए जीपीएम जिले में 18 एकड़ जमीन ली थी। बच्चों की शिक्षा और संस्कार के लिए उन्होंने बाद में ढाई एकड़ जमीन 2008 में आचार्य परमानंद गिरी को दी, जिन्होंने गुरुकुल की स्थापना की। आचार्य परमानंद गिरि के मुताबिक भगत सिंग साजन हमेशा सबसे और खुद से सवाल करते थे कि वे इस क्षेत्र को क्या दे सकते हैं। इसी विचार के बाद उन्होंने गुरुकुल की स्थापना का फैसला लिया।

इस स्कूल में छग और मध्यप्रदेश के 20 गावों के कुल 225 बच्चे पढ़ रहे हैं जिसमें से 170 बालिकाएं और 55 के करीब छात्र हैं। सबसे खास बात है कि इन बच्चों में सिर्फ तीन ही बच्चे सामान्य वर्ग के हैं बाकी सभी आदिवासी और पिछड़े वर्ग से हैं। संस्था द्वारा इन सभी बच्चों की शिक्षा निशुल्क प्रदान की जाती है और एक रुपए की फीस भी नहीं ली जाती। रहने और खाने की व्यवस्था भी पूरी तरह निशुल्क है। पूरी तरह आवासीय इस स्कूल या कहें कि गुरूकुल में सुबह 5 बजे से शुरू हुई दिनचर्या रात के 10 बजे तक चलती है। इस बीच सुबह प्रार्थना, मंदिर में पूजा पाठ, योग, आश्रम और गौशाला की सेवा के साथ कक्षाएं लगती हैं। शाम को खेलकूद भी होता है। छात्र और शिक्षक संबोधन और अभिवादन के लिए जयश्री राम बोलते हैं।

ऐसा गुरुकुल...जहां शिक्षा के साथ संस्कार भी

वंचित वर्ग के अध्ययन पर खास ध्यान

इस संस्था में संस्कृत स्कूल होने के बावजूद हिंदी माध्यम से सभी कक्षाएं लगाई जाती हैं। संस्कृत के श्लोक को पर खास ध्यान दिया जाता है। वैदिक विधि से भी पढ़ाई कराई जा रही है। आश्रम के संचालक आचार्य परमानंद गिरि ने बताया कि वे 2007 में पेंड्रा रोड आए थे। क्षेत्र में स्कूल और वंचित वर्ग की अध्ययन की कमी को देखते हुए उन्होंने सन 2008 में इस संस्था की स्थापना की, जिसका नाम ओम अखंड राष्ट्र धर्म संस्था है। इसके बाद गोरखपुर में ही परम शांति धाम नामक एक आश्रम की स्थापना की गई। 2010 में परमानंद संस्कृत विद्यालय की स्थापना हुई जिसमें बच्चों का एडमिशन शुरू किया गया।

गुरु शिष्य की परंपरा और वैदिक अध्ययन

शुरुआत में बच्चों की संख्या 30 के करीब थी जो अब जाकर 225 तक पहुंच गई है। करीब ढाई एकड़ में फैले इस आश्रम में मां रेवा बालिका छात्रावास और मारुति बालक छात्रावास भी है, जहां बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं। यह पूरी तरह आवासीय विद्यालय है। स्कूल और संस्था को संभालने के लिए 25 लोगों का स्टाफ है। जिसमें शिक्षक भी शामिल है। शिक्षक पूरी द्वारा क्वालिफाइड और प्रशिक्षित हैं। आचार्य परमानंद गिरि के मुताबिक स्कूल खोलने का मुख्य उद्देश्य गौरेला पेंड्रा मरवाही में आदिवासी बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ते हुए उन्हें गुरु शिष्य की परंपरा और वैदिक अध्ययन से जोड़ना था।

दानदाताओं और समाज सेवकों के फंड से संचालित

आचार्य श्री गिरी ने बताया कि संस्था को सरकार से कुछ खास अनुदान नहीं मिलता। यह पूरी तरह दानदाताओं और समाज सेवकों द्वारा दिए गए फंड से संचालित हो रहा है। इस स्कूल में न सिर्फ गौरेला पेंड्रा मरवाही के छात्र छात्राएं बल्कि कोरबा, अंबिकापुर, मुंगेली और मध्य प्रदेश के डिंडोरी, अनूपपुर जिले के भी बच्चे पढ़ रहे हैं। इन बच्चों के परिजनों को महीने में एक बार इनसे मिलने की अनुमति है। बच्चों की दिनचर्या सुबह 5 बजे शुरू होती है 5:30 बजे प्रार्थना और 6:00 बजे मंदिर की घंटी बजती है। पूजा पाठ के बाद योग और फिर आश्रम की सेवा छात्र-छात्राएं करते हैं। आश्रम में खेती और गौशाला की सेवा भी नियमित दिनचर्या में शामिल हैं। स्नान ध्यान के बाद सुबह 10 से शाम 4 बजे तक विद्यालय लगता है। दोपहर एक बजे भोजन अवकाश होता है। इसमें बच्चे भोजन से पहले भोजन मंत्र का उच्चारण करते हैं।

शहर के एक व्यवसायी ने बेसहारा गायों को आश्रय देने के लिए अपनी 4 एकड़ बेशकीमती जमीन दान कर दी। जिससे गायों को पनाहगाह तो मिला ही अब गोबर से निर्मित कंडों को शहर के मुक्तिधामों में बेचकर उससे एकत्र राशि से ही गौवंशों की सेवा की जा रही है। इस गौधाम में गायों के गोबर से निर्मित खाद भी बाजार में अच्छे दामों पर बेची जा रही है। इस गौधाम में 9 सौ से अधिक बेसहारा गायों की सेवा की जा रही है।

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम कनबेरी में बना गौधाम

दान की जमीन से बदली तस्वीर

मूक जीवों के लिए बोल उठी इंसानियत खोला गौ आश्रय, जहां 900 गायों की हो रही सेवा

नागेन्द्र श्रीवास ▶▶| कोरबा

हम बात कर रहे हैं ऐसे गौधाम की जिसका संचालन अग्रसेन गौ सेवा समिति द्वारा किया जाता है। जहां लाचार बीमार बेसहारा गायों को आश्रय मिलता है। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर सर्वमंगला कनकी मुख्य मार्ग पर सड़क के बाएं ओर ग्राम कनबेरी है। जहां शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी राजकुमार अग्रवाल की जमीन है। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए अपनी बेसकीमती 4 एकड़ जमीन को समाज के नाम कर दिया। इस जमीन पर अग्रसेन सेवा समिति ने 13 जनवरी 2011 को गौधाम तैयार किया। गौधाम के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि इस गौधाम में एक भी दुधारू गाय नहीं रखी गई है। बल्कि जितनी भी गाय हैं बेसहारा असहाय बीमार हैं। मौजूदा स्थिति में यहां 900 से अधिक ऐसी ही गायों का पालन किया जा रहा है। इसके पालन के लिए समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया है। इस गौधाम को संचालित करने के लिए साल में 60 से 70 लाख रुपए खर्च आता है। पूरा खर्च समाज ही उठाता है और समाज के माध्यम से ही इस गौधाम का संचालन किया जा रहा है। गौधाम की गूंज इतनी दूर तक पहुंच चुकी है कि अब बेसहारा गायों के संरक्षण संवर्धन के लिए शहर के सभी समाज के लोग पहुंचते हैं। वहीं यहां लोग अब समय बिताने के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसके अलावा अपने जन्मदिन के साथ-साथ वैवाहिक वर्षगांठ भी मना रहे हैं। गायों के साथ घंटों समय व्यतीत कर अपना मन प्रफुल्लित भी कर रहे हैं।

अंतिम संस्कार के लिए कंडा तो फसल के लिए खाद

अग्रसेन गौ सेवा समिति के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल ने बताया कि गौधाम में लगभग 800 गाय का पालन किया जा रहा है जिनके गोबर से अंतिम संस्कार के लिए कंडा तैयार है। शहर के दो प्रमुख मुक्तिधाम मोतीसागरपारा और पोड़ीबहार मुक्तिधाम में कनबेरी गौधाम से कंडे की सप्लाई की जा रही है। इसके अलावा गोबर से खाद भी तैयार किया जा रहा है। कनबेरी गौधाम से 50 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से खाद भी बेचा जा रहा है। इसके अलावा बल्क में 40 किलो का पैकेट 5 सौ रुपए में खाद दिया जा रहा है। कंडा और खाद बेचकर समिति मालामाल भी हो रही है और इसी पैसे से धाम का संचालन भी किया जा रहा है।

परिसर में ही कराया जाता है तुलादान

कनबेरी स्थित गौधाम में जहां असहाय गायों की देखरेख की जा रही है। वहीं दूसरी ओर धाम में समाज के लोगों ने मिलकर विशालकाय गौ गोपाल मंदिर भी तैयार किया है। जहां हर साल गोपा अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। शहर के 1500 से 2000 लोग इस त्यौहार में शामिल होते हैं। साथ ही यहां तुलादान की भी व्यवस्था की गई है। यहां आने वाले लोगों के लिए कम लागत में नाश्ता, चाय पानी व भोजन की व्यवस्था भी की जाती है। बताया जाता है कि जिन लोगों को यहां आकर भोजन करना होता है उन्हें कम लागत पर ही चाय नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें खास कर छत्तीसगढ़ परंपराओं के अनुरूप ही नाश्ता और खाना तैयार किया जा रहा है।

प्रतिदिन 10 क्विंटल घास किया जाता है तैयार

अग्रसेन गौ सेवा समिति के अध्यक्ष जयंत अग्रवाल व कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गौधाम की लगभग 2 एकड़ जमीन में नेपियर घास तैयार किया गया है। घास को तैयार करने में मुख्य रुप से समाज के इंद्र कुमार अग्रवाल व श्याम सुंदर अग्रवाल की भूमिका रही है, जिसमें उन्होंने अपनी मेहनत से गायों के लिए नेपियर व अन्य घास तैयार की गई है। जहां प्रतिदिन लगभग 8 से 10 क्विंटल घास काट कर गायों को भी खिलाया जा रहा है। इसके अलावा बारिश के दिनों में इन गायों के लिए भुट्टा का भी रोपण किया जाता है। गायों की देखरेख करने के लिए 18 से अधिक कर्मचारियों की टीम तैनात है। इसके अलावा बीमार व दुर्घटना में घायल गायों के इलाज के लिए चिकित्सकों की टीम भी तैनात की गई है जो लगातार इनकी देखरेख करते हैं। इस गौधाम को संचालित करने में 1 साल में लगभग 60 लाख से अधिक का खर्च आता है जिसका संचालन करने के लिए समाज के लोग बढ़ चढ़कर सहयोग करते हैं।

समाजसेवा की मिसाल बने राघवेंद्र

अपने गांव में स्कूल, पड़ोस में आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवन के लिए दी जमीन

अभिषेक शुक्ला ▶▶| जांजगीर चांपा

वर्तमान में जब एक-एक इंच जमीन के लिए विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है, ऐसे दौर में जनहित के लिए अपनी पैतृक भूमि दान करना न केवल साहसिक बल्कि अनुकरणीय कदम माना जाएगा। जिले के समाजसेवी एवं ग्राम कुटरा गाँव के मालगुजार परिवार से जुड़े राघवेंद्र पांडेय ने अपने पिता की स्मृति को अक्षुण्य बनाए रखने के लिए हायर सेकेंडरी स्कूल आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवन के लिए अपनी निजी भूमि दान में दी है।

जिला मुख्यालय जांजगीर से बमुश्किल 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कुटरा के मालगुजार परिवार के राघवेंद्र पांडेय ने वर्ष 2014 में हायर सेकंडरी स्कूल की स्थापना के लिए अपनी निजी भूमि शासन को दान में दी थी। बताया जाता है कि गांव में जब हायर सेकेंडरी भवन के लिए शासकीय भूमि कम पड़ने लगी तो वहां से लगी जमीन को राघवेंद्र ने दान कर दी। उनके इस योगदान से आज वहां भव्य शासकीय विद्यालय भवन का निर्माण हो चुका है, जहां नियमित रूप से कक्षाएं संचालित

हो रही हैं। इससे कुटरा सहित आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ रहा है और सैकड़ों छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पड़ोसी गांव कुथूर में भी सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए आंगनबाड़ी भवन तथा सामुदायिक भवन के लिए अपनी पैतृक संपत्ति से 25 डिसमिल से अधिक भूमि दान की। भूमि दान के पश्चात दोनों भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में इनका उपयोग बच्चों के पोषण, महिलाओं की बैठकों, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों एवं गांव के सामूहिक कार्यक्रमों के लिए किया जा रहा है।

पिता के सपनों को साकार करने का प्रयास

स्कूल आंगनबाड़ी भवन और सामुदायिक भवन के लिए भूमि दान करने वाले राघवेंद्र पांडेय कहते हैं कि पिता के सपनों को साकार करना उनका लक्ष्य है। उनके पिता जब कुटरा गांव के सरपंच थे तो वे गांव में हायर सेकेंडरी स्कूल और सड़क स्वास्थ्य की सुविधाओं को लेकर संघर्षरत रहे। 33 वर्ष की अल्पायु में उनके निधन के पश्चात राघवेंद्र ने पिता के सपनों को साकार करने की सोची और जमीन दान दी।

रविंद्र माधवराव जगदाले के कर्म उन्हें एक अलग पहचान देते हैं

महाराष्ट्र रही जन्मभूमि, लेकिन कर्मभूमि छत्तीसगढ़ के लिए किया दान

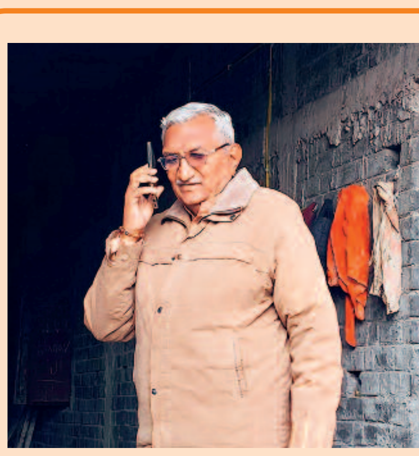

कहा जाता है कि आदमी जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है। उसके कर्म ही उसे एक अलग पहचान देते हैं। कुछ ऐसा ही काम रविंद्र माधवराव जगदाले ने किया है । जिनकी जन्मभूमि भले ही महाराष्ट्र रही, लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने यहां शिक्षा-दीक्षा ग्रहण की, नौकरी पाई और रिटायर होने के बाद तेरा तुझको अर्पण करते हुए छत्तीसगढ़ माटी की कर्मभूमि में ही शिक्षा के लिए अपनी जमा पूंजी दान कर दी।

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

नागपुर महाराष्ट्र के एनवा गांव में जन्में राजनांदगांव शहर के महेश नगर निवासी रविंद्र जगदाले ने महाराष्ट्र में कक्षा छठवीं तक की शिक्षा हासिल की। इसके बाद वे छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में अपने नाना के यहां रहने पहुंच गए । यहां उन्होंने कक्षा सातवीं से हाईस्कूल तक की पढ़ाई की और इसके बाद रायपुर में इंजीनियरिंग की और जूनियर इंजीनियर के पद पर उन्होंने सिंचाई विभाग में नौकरी शुरू की। इस दौरान वे रायपुर के अलावा धमतरी और राजनांदगांव में भी अपनी सेवाएं दी। लंबे समय तक राजनांदगांव में रहने की वजह से उन्होंने यहां अपना आशियाना बनाया और रायपुर से एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद से रिटायर हुए।

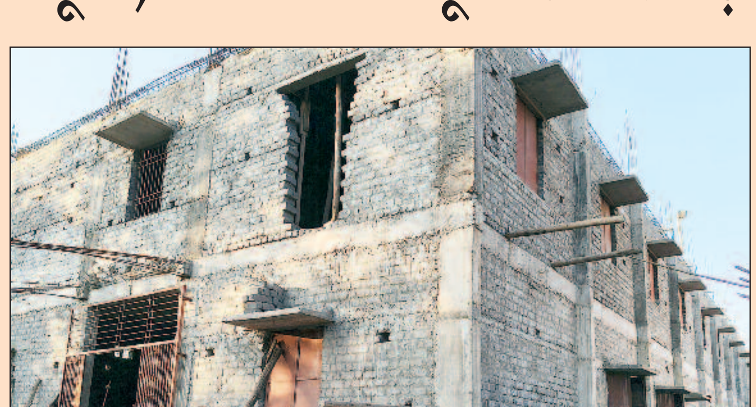

हजारों बच्चों के लिए दान

दानवीर रविंद्र जगदाले ने बताया कि उनका परिवार काफी मध्यवर्गीय था । नाना और पिता किसान थे। इसलिए वे पढ़ाई के दौरान आने वाली दिक्कतों को बखूबी समझते हैं। उन्होंने कहा कि यह रुपए वह स्वयं अपने बच्चों को नहीं दे रहे हैं । बल्कि इस दान से हजारों बच्चों को शिक्षा में सहूलियत मिले ऐसा काम कर रहे हैं।

निर्माण की गुणवत्ता परखने रहते हैं मौजूद

छात्राओं के लिए निर्मित इस छात्रावास में 5000 स्क्वायर फीट पर प्रथम और द्वितीय तल का निर्माण हो रहा है । जहां 60 से अधिक छात्राओं के रहने की सुविधा होगी। रविंद्र जगदाले केवल रुपए ही दान नहीं किया बल्कि वह स्वयं रोज यहां पहुंचकर अपने सामने निर्माण कार्य भी कराते हैं, ताकि बेहतर गुणवत्ता और सुविधाओं से परिपूर्ण छात्रावास का निर्माण हो सके ।

छात्रावास बनने की इच्छा हुई जागृत

दानवीर रविंद्र जगदाले ने बताया कि अपनी पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हॉस्टल में रहने के लिए वह छात्रवृत्ति पर निर्भर रहे । उनके मन में था कि कभी कुछ करने का अवसर मिले तो एक छात्रावास जरूर बनाएंगे, जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए निशुल्क रहने की सुविधा मिल सके। इसी सोच को लेकर उन्होंने राजनंदगांव में कुछ प्रिंसिपल से हॉस्टल को लेकर बात की तो उन्होंने कहा कि यहां पर महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए हॉस्टल नहीं है । अगर वह इसे बनवा पाए तो काफी अच्छा होगा।

एक करोड़ रुपए का दान

रविंद्र जगदाले ने प्रशासन से महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद शहर के हॉकी स्टेडियम के सामने छात्रावास के लिए जमीन उपलब्ध कराई गई। इस छात्रावास का निर्माण लगभग एक करोड़ रुपए से किया जा रहा है । जिसके लिए रविंद्र जगदाले ने सारा खर्च वहन करते हुए एक करोड़ रुपए का दान किया है ।

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद शासन स्तर पर विकास को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समाज के उत्थान में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो व्यक्तिगत संकल्प और सामाजिक दायित्व के भाव से बदलाव की मिसाल पेश कर रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायी शख्सियत हैं समाजसेवी रामजी सिन्हा, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद समाजसेवा को अपना लक्ष्य बना लिया है।

विभाग से हुए रिटायर पर समाज कल्याण नहीं छोड़ा, 56 बच्चों को दे रहे मुफ्त कोचिंग

गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जमाही निवासी शारीरिक रूप से दिव्यांग रामजी सिन्हा, समाज कल्याण विभाग में सेवाकाल के दौरान ही समाज सेवा की भावना से प्रेरित हो गए थे। मार्च 2018 में समाज कल्याण विभाग बेमेतरा से प्रभारी उप संचालक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने यह ठान लिया कि पिछड़े और ग्रामीण अंचल के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करेंगे। रामजी सिन्हा बीते एक वर्ष से अधिक समय से ग्राम जमाही में स्वयं के खर्च से निःशुल्क कोचिंग एवं ट्यूशन क्लास संचालित कर रहे हैं। गांव के दो कमरों वाले सामुदायिक भवन को ग्रामीणों की सहमति से उपयोग में लेकर उन्होंने शिक्षा का ऐसा केंद्र बनाया है, जहां निर्धन, पिछड़े और अनुसूचित वर्ग के बच्चे बड़े सपने देख रहे हैं। यहां न केवल जमाही बल्कि फुलझर, छुईहा सहित आसपास के गांवों के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वर्तमान में कुल 56 छात्र-छात्राएं नियमित रूप से कक्षा में अध्ययन कर रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा का संकल्प दिव्यांग रामजी सिन्हा गढ़ रहे ग्रामीण बच्चों का भविष्य

आईएएस-आईपीएस बनाने का सपना

रामजी सिन्हा का मानना है कि जब उत्तर प्रदेश और बिहार के बच्चे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक बन सकते हैं, तो छत्तीसगढ़ के बच्चे क्यों नहीं। इसी उद्देश्य के साथ वे बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही मजबूत शैक्षणिक आधार देने में जुटे हैं। फिलहाल वे कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड के विद्यार्थियों पर विशेष फोकस कर रहे हैं। स्कूल से छुट्टी के बाद प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक नियमित कक्षाएं संचालित होती हैं।

अनुशासन, संस्कार और खेल का समन्वय

कक्षाओं की शुरुआत सरस्वती वंदना से होती है। इसके बाद सभी बच्चे एक स्वर में छत्तीसगढ़ का राजकीय गीत 'अरपा पैरी के धार' का गायन करते हैं। हर रविवार को टेस्ट पेपर के माध्यम से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन किया जाता है। स्टेट स्तर की कबड्डी खिलाड़ी भावना साहू बच्चों को खेल प्रशिक्षण भी दे रही हैं, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। इस पहल का सबसे मार्मिक उदाहरण भेषमणि यादव, कक्षा 8वीं की छात्रा है, जो गरीबी के कारण 08 माह तक स्कूल छोड़ चुकी थी। रामजी सिन्हा ने न केवल उसे पुनः शिक्षा से जोड़ा, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं उठाते हुए पढ़ाई का संपूर्ण खर्च वहन कर रहे हैं। रामजी सिन्हा वर्ष 1978 में मध्यप्रदेश शासन में शासकीय स्टेट आर्टिस्ट भी रह चुके हैं। उन्होंने 22 वर्ष बाल संरक्षण (संप्रेक्षण) गृह, 5 वर्ष विशेष गृह, तथा निशक्तजन जनकल्याण विभाग दुर्ग में सहायक आयुक्त के पद पर सेवाएं दी हैं। सेवाकाल में उन्होंने समाज के वंचित और दुखियारे लोगों को बहुत करीब से देखा, जिसका प्रभाव आज उनके सेवा कार्य में स्पष्ट दिखता है। इस अभियान में उनके परिवार का भी पूर्ण सहयोग है, जो वर्तमान में दुर्ग में निवासरत है। कोचिंग संचालन में परदेशी राम सिन्हा, तथा तीन योग्य शिक्षिकाएं कुमारी दीपिका साहू, कुमारी सोनम दिवान और कुमारी मोनिका सिन्हा निःस्वार्थ सेवा दे रही हैं।

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय दंतेवाड़ा जिला सर्वाधिक नक्सल संवेदनशील के साथ साथ विकास में काफी पिछड़ा जिला था। छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी कमोबेश समस्याओं के मामलों में काफी हद तक पिछड़ा क्षेत्र ही माना जाता रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर का एक गांव जावंगा शिक्षा के मामलें में काफी चर्चित है। गुरूकुल से शुरू हुआ शिक्षा का यह छोटा सा प्रयास आज विशाल वट वृक्ष की तरह एजुकेशन सिटी के रूप में ख्याति अर्जित कर रहा है। एक ही परिसर में 18 शैक्षिक संस्थाओं में लगभग 8 हजार गरीब बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं। न केवल आदिवासी बल्कि अन्य सभी वर्ग के गरीब बीपीएल परिवार के बच्चों को यहां 12वीं तक की पढ़ाई के लिए निशुल्क शिक्षा दी जाती है।

विशाल एजुकेशन सिटी गढ़ने में बड़ी भूमिका रही दानवीर बोमड़ा राम कोवासी की

दंतेवाड़ा जिले के गांव जावंगा का छत्तीसगढ़ स्थापना के शुरुआती दौर में विशेष योगदान

'ज्ञान' के लिए दे दी 22 एकड़ जमीन अब 'सेहत' सुधारने दान करेंगे 10 एकड़!

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

इस शिक्षा के महायज्ञ में सबसे बड़ा योगदान एक आदिवासी किसान बोमड़ा राम कोवासी का है। जिन्होंने इस एजुकेशन सिटी के लिए गीदम-जगदलपुर मुख्य मार्ग पर साढ़े 22 एकड़ जमीन दी है। हरिभूमि से चर्चा में उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा कलेक्टर रहते समय रीना कंगाले ने गुरूकुल के लिए 5 एकड़ जमीन देने के लिए कहा और मैंने दे दिया।

इसके बाद बाउंड्रीवाल और अन्य कार्यो के विस्तार के लिए 12 एकड़ की जरुरत बताई। मैंने सहमति दे दी। इस तरह जावंगा में शिक्षा का मंदिर बनाने का काम शुरू हुआ। उनके तबादले के बाद ओपी चौधरी कलेक्टर बनकर आए। नगर निगम रायपुर के वे कमिश्नर थे और उनकी दंतेवाड़ा में कलेक्टर के रूप में पहली पोस्टिंग थी। उन्होंने इस काम को गति देने का काम किया। मेरे बारे में पता लगने पर वे मिलने आए और गुरूकुल को बड़ा स्वरूप देकर एजुकेशन सिटी बनाने की बात कहीं। निजी और सरकारी कुल 155 एकड़ में फैले विशाल परिसर में 18 संस्थाएं संचालित है। जहां पूरे बस्तर के गरीब बच्चे विद्या अध्ययन कर आगे बढ़ रहे है। इसमें साढ़े 22 एकड़ जमीन मैंने दी है। बोमड़ा राम कहते है जमीन ना किसी का हुई है ना किसी का होगी। यह कुदरत की संपत्ति है जो कागज के रूप में हमारे पास रहती है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी बदलती रहती है। मनुष्य जीवन मिला है कुछ ऐसा काम करना चाहिए जो दुनिया से जाने के बाद भी लोग याद रखें। यही सोच कर मैंने शिक्षा के लिए जमीन दी, अब अस्पताल के लिए भी 10 एकड़ जमीन देने को तैयार हूं। मुम्बई और कुछ अन्य जगह के लोगों से मेरी बात हुई है। मैं चाहता हूं बस्तर के लोगों को बेहतर इलाज के लिए बाहर ना जाना पडे। यहां के लोग विशाखापट्नम, रायपुर, विजयवाड़ा और हैदराबाद

जैसे शहरों में जाकर इलाज करवाते है। यहां सर्वसुविधायुक्त अस्पताल बनाने की मेरी सोच है। जब भी उपयुक्त ट्रस्ट मिल जाएगा उन्हें 10 एकड़ जमीन दे दूंगा। मैं चाहता हूं पैसा कमाने के लिए अस्पताल न बने गरीबों का इलाज होगा जो कम से कम खर्च में बेहतर चिकित्सा सेवा दे सके।

सर्वसुविधायुक्त अस्पताल के लिए 10 एकड़ जमीन देने के लिए तैयार है बोमड़ा राम कोवासी

दिव्यांग, खेल परिसर और तकनीकी शिक्षा

अटल बिहारी वाजपेई एजुकेशन सिटी जावंगा में अध्ययन कर रहे लगभग 8 हजार बच्चों में कई दिव्यांग बच्चे भी शामिल है। जिनके लिए अलग से बालक बालिकाओं के लिए सक्षम 1 और 2 तथा श्रवणबाधित आवासी विद्यालय है। वहीं खैरागढ़ के संगीत विश्वविद्यालय से जुड़कर यहां भी बच्चे संगीत में महारथ हासिल कर रहे है। आईटीआई सहित अन्य तकनीकी शिक्षा में भी बच्चों को पारंगत किया जा रहा है। साथ ही खेल परिसर में प्रतिभा के अनुसार योग्य बनाने के लिए प्रशिक्षक कार्यरत है। बोमड़ा राम प्रबंध समिति के अध्यक्ष और एजुकेशन सोसायटी के सदस्य है। वे कहते है कुल 18 संस्थाओं में बच्चे अपनी प्रतिभा निखारकर भविष्य को संवार रहे हैं।

कोवासी परिवार पर ग्रामवासियों का अटूट विश्वास

लगभग 3 हजार की आबादी वाले जावंगा गांव में बोमड़ा राम कोवासी का परिवार लगभग 100 साल से यहां के लोगों की सेवा कर रहा है। वे कहते है 5 बार मैं स्वयं सरपंच रहा और अभी भी हूं। 2 बार निर्वाचित होकर 10 साल मेरी पत्नी गागरी बाई सरपंच रही। उसके बाद बेटी आरती 2 बार यानि 10 साल सरपंच रही। अभी वह तीसरी बार जीतकर जनपद सदस्य है। इस तरह मैं, पत्नी और बेटी लगातार 9 बार यानि 45 साल से इस गांव के सरपंच का दायित्व निभा रहे है। मेरे पिता किसान रहे लेकिन दादा बुचा कोवासी 70 साल तक सरपंच यानि मुखिया का दायित्व संभाला। इससे पहले मेरे परदादा पेदा यानि पटेल के रूप में पद में रहे। इस तरह 100 साल से अधिक समय तक लगातार पद में रहने का सौभाग्य हमें मिला है। यह यहां के लोगों के विश्वास का परिणाम है।

आसान नहीं था एक परिसर में शिक्षा का मंदिर बनना

2009 में रीना कंगाले कलेक्टर थी उस दौरान गुरुकुल के रूप में प्रयास आरंभ हुआ। उनके तबादले के बाद 2011 से 2013 तक ओपी चौधरी कलेक्टर दंतेवाड़ा रहे। अभी वे राज्य के वित्त मंत्री हैं। उनके समय एजुकेशन सिटी का काम तेज गति से आरंभ हुआ। जावंगा के बोमड़ा राम ने जमीन देकर प्रशासन को सहयोग किया जिसके लिए उन्हें काफी दबाव और विरोध का सामना करना पड़ा। लेकिन यहां के गरीब परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर योग्य बनाने के संकल्प ने सारे बाधाओं को धीरे धीरे दूर किया। हर स्तर पर उन्होंने यह संदेश दिया कि शिक्षा का यह मंदिर गरीब परिवार को सक्षम बनाने के साथ साथ बीहड़ में अपनी प्रतिभा को खो देने वाले बच्चों के लिए भी आधार बनेगा। यह बात उन्होंने सभी प्लेटफार्म पर रखकर मार्ग को आसान बनाया।

जब कॉलेज बना, तब खुले सपनों के दरवाज़े

एक एकड़ जमीन, और बदल गया बेटियों का भविष्य

गौरव श्रीवास्तव ▶▶| कांकेर

बस्तर संभाग का इलाका आज भी शिक्षा के लिहाज़ से पिछड़ा माना जाता है। ऐसे में बीस साल पहले हालात कैसे रहे होंगे, इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं। कांकेर जिले का नरहरपुर ब्लॉक-जो जिला मुख्यालय से महज़ 35 किलोमीटर दूर है-आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां उस दौर में स्कूल के बाद लड़कियों की पढ़ाई लगभग थम जाया करती थी। वजह साफ़ थी-इलाके में कोई कॉलेज नहीं था, और ग्रामीण परिवार अपनी बेटियों को 35 किलोमीटर दूर पढ़ने भेजने से डरते थे। इसका असर सीधे बेटियों के भविष्य पर पड़ता था। पढ़ाई अधूरी रह जाने के कारण न तो उन्हें बेहतर अवसर मिलते थे, न ही विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आते थे। मजबूरी में माता-पिता को कम पढ़े-लिखे लड़कों से बेटियों की शादी करनी पड़ती थी। आनंद साहू के लिए यह सिर्फ़ एक संस्थान नहीं था, यह क्षेत्र की बेटियों का भविष्य था। उन्होंने बड़ा फैसला लिया-नरहरपुर में अपनी एक एकड़ निजी ज़मीन कॉलेज के लिए दान कर दी। इस फैसले में उनकी पत्नी रूपमणि साहू भी पूरी तरह उनके साथ खड़ी रहीं। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय सहयोग से कॉलेज का भवन तैयार हुआ और ठाकुर भाव सिंह कॉलेज के रूप में पढ़ाई का सिलसिला फिर शुरू हुआ। बेटियां जो कभी स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर थीं, उनके लिए अब आर्ट्स और साइंस की शिक्षा का रास्ता खुल गया।

जहां कभी रिश्ते नहीं आते थे, आज डॉक्टर-इंजीनियर के प्रस्ताव

आनंद साहू बताते हैं कि जिन परिवारों में बेटियों के लिए रिश्ते नहीं आते थे, आज वही बेटियां नौकरी कर रही हैं, आत्मनिर्भर बनी हैं और उनके लिए डॉक्टर और इंजीनियर तक के रिश्ते आ रहे हैं। शिक्षा ने न सिर्फ़ उनके करियर, बल्कि सामाजिक सम्मान को भी बदल दिया।

अब शासकीय कॉलेज भी, लेकिन कर्ज़ आज भी याद है

हालांकि नरहरपुर जिला मुख्यालय के पास है, फिर भी वर्षों तक यहां शासकीय कॉलेज की मांग अनसुनी रही। ठाकुर भाव सिंह कॉलेज के कारण पढ़ाई का सिलसिला चलता रहा। आखिरकार 2021-22 में नरहरपुर में शासकीय कॉलेज भी खुल गया, लेकिन आज भी क्षेत्र के लोग मानते हैं कि अगर आनंद साहू ने समय पर एक एकड़ ज़मीन दान न की होती, तो कई पीढ़ियों का भविष्य अंधेरे में ही रह जाता। आज भी नरहरपुर और आसपास के गांवों में आनंद साहू की दरियादिली मिसाल के तौर पर दी जाती है। यह कहानी बताती है कि विकास सिर्फ़ योजनाओं से नहीं, बल्कि संवेदना और साहस से भी आता है।

जब एक व्यक्ति ने ठान लिया कि पढ़ाई नहीं रुकेगी

इन हालात को सबसे नज़दीक से देख रहे थे क्षेत्र के ग्राम सचिव आनंद साहू। रोज़मर्रा की बैठकों में जब भी ग्रामीणों से बातचीत होती, बेटियों की पढ़ाई और रिश्तों की चिंता बार-बार सामने आती। यहीं से आनंद साहू ने ठान लिया कि क्षेत्र में हर हाल में कॉलेज खुलवाया जाएगा। उन्होंने धमतरी की एक निजी शिक्षण संस्था से संपर्क किया और नरहरपुर में कॉलेज शुरू करने के लिए राज़ी किया। शुरुआत किराए के मकान से हुई, लेकिन अपनी ज़मीन न होने के कारण कुछ ही वर्षों में कॉलेज बंद होने की कगार पर पहुंच गया।

पिपरिया में समाजसेवियों ने गढ़ी 'भविष्य की नींव'

दान, त्याग और संकल्प से बनी 'शिक्षा की इमारत'

संजय यादव ▶▶| कवर्धा

आज जब जमीन को लेकर विवाद और स्वार्थ की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, ऐसे दौर में कबीरधाम जिले के पिपरिया में शिक्षा के लिए किया गया दान आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गया है। महंत श्री राम जानकी शरण दास वैष्णव शासकीय स्नातक महाविद्यालय पिपरिया केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि समाज, संत और सेवा के संयुक्त संकल्प का जीवंत उदाहरण है। वर्ष 2013 में क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने पिपरिया में शासकीय कॉलेज खोलने की स्वीकृति दी। स्वीकृति के बाद सबसे बड़ी समस्या सामने आई कॉलेज निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध नहीं होना। हालात ऐसे बने कि प्रशासन भी हताश हो गया और कॉलेज को अन्यत्र स्थानांतरित करने तक की चर्चा शुरू हो गई।

महंत ने शिक्षा के लिए दान की 5 एकड़ भूमि

ऐसे कठिन समय में निहंग आश्रम के महंत श्री श्यामसुंदर दास वैष्णव जी महाराज समाज के लिए देवदूत बनकर सामने आए। क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने 5 एकड़ बहुमूल्य भूमि दान में दे दी। इसी भूमि पर 5 मई 2013 को तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के हाथों कॉलेज भवन का भूमि पूजन हुआ। इस अवसर पर तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्की अग्रवाल, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

600 साल पुराना निहंग आश्रम

निहंग आश्रम लगभग 600 वर्ष पुराना बताया जाता है, जहां साधु-संतों की परंपरा रही है। यहां स्थित श्री राम-जानकी का प्राचीन मंदिर आज भी आस्था का केंद्र है। महंत श्री राम जानकी शरण दास वैष्णव जी महाराज के नाम पर स्थापित यह कॉलेज उनके जीवनभर किए गए समाजसेवा कार्यों की प्रेरणा है। वर्तमान महंत श्यामसुंदर दास जी महाराज उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आश्रम के पास आज भी भगवान श्री राम-जानकी के नाम पर लगभग 30 एकड़ भूमि है, जिससे सेवा कार्य संचालित हो रहे हैं।

महंत श्यामसुंदर दास वैष्णव जी महाराज (05 एकड़ भूमि दान करने वाले)

राजेंद्र चंद्रवंशी, कालेज निर्माण में आने जाने के लिए 18 डिसमिल जमीन दान पर दी

राजेंद्र चंद्रवंशीः पिता के संस्कारों पर चलते हुए किया दान

दानदाता राजेंद्र चंद्रवंशी ने बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में उनके पिता स्वर्गीय मुखी राम चंद्रवंशी हमेशा आगे रहे। उन्होंने कहा, "जब कॉलेज के लिए जमीन दान की बात आई, तो मैंने अपने पिता को याद किया। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक पल में जमीन दान करने का निर्णय लिया। आज जब बच्चों को कॉलेज में पढ़ते देखता हूँ और यह जानता हूँ कि हजारों बच्चे यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं, तो मुझे गहरी आत्मसंतुष्टि मिलती है।" उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समाज के सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए । वे भविष्य में भी शिक्षा व समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

जनता की जरूरत से साकार हुआ कॉलेज

तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्की अग्रवाल बताते हैं कि पिपरिया में कॉलेज नहीं होने के कारण बच्चों को भारी संघर्ष करना पड़ता था। लोगों की मांग और जरुरत को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कॉलेज की स्वीकृति दी, लेकिन जमीन के अभाव में प्रशासन भी परेशान था। उन्होंने कहा कि "क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों की सूझबूझ और महंत श्री श्यामसुंदर दास जी महाराज के सहयोग से 5 एकड़ भूमि मिली, वहीं राजेंद्र चंद्रवंशी और कमलकांत गुप्ता के दान से रास्ता बना। ऐसे लोगों के कारण ही आज बच्चे शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं।"

रास्ते के लिए भी दान, ताकि कॉलेज तक पहुंच सकें बच्चे

जमीन मिलने के बाद कॉलेज तक पहुंचने का रास्ता बड़ी चुनौती बना। इस संकट में दो और समाजसेवी आगे आए।राजेंद्र चंद्रवंशी ने कॉलेज आने-जाने के लिए लगभग 18 डिसमिल जमीन दान कर दी, जिसकी अनुमानित कीमत 30 से 40 लाख रुपए बताई जाती है। वहीं कमलकांत गुप्ता ने नहर पार से कॉलेज तक मार्ग के लिए अपनी जमीन दान में दी। इन दानों के बाद ही कॉलेज तक निर्बाध पहुंच संभव हो सकी।

50 से अधिक गांवों के बच्चों को मिला शिक्षा का संबल

कॉलेज खुलने से पहले पिपरिया और आसपास के 50 से अधिक गांवों के विद्यार्थियों को स्नातक पढ़ाई के लिए 30–40 किलोमीटर दूर कवर्धा जाना पड़ता था। आर्थिक तंगी और लंबी दूरी के कारण कई छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते थे। आज लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपए से अधिक की लागत से निर्मित कॉलेज भवन में हजारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और सैकड़ों वर्तमान में अध्ययनरत हैं।

दान की एक एकड़ भूमि में 50 लाख इकट्ठा कर बनाया 'धम्मघोस दीपक' छात्रावास

सर्वधर्म-वर्ग के बच्चों को दी जा रही शिक्षा, जाति पूछे बिना एडमिशन

लक्ष्मण लेखवानी ▸▸ बलौदाबाजार

बलौदाबाजार-भाटागांव जिले के सिमगा तहसील अंतर्गत ग्राम केसदा में एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दान की गई एक एकड़ भूमि का सदुपयोग बौद्ध समाज ने किया। बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने असहाय एवं निर्धन बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए उस भूमि पर जनसहयोग से 50 लाख एकत्र कर धम्मघोस भवन का निर्माण कराया। बल्कि, भूमि के दानकर्ता के नाम से इस भवन को नाम देकर यहां बच्चों को कक्षा पहली से 11वीं तक निशुल्क कोचिंग खेलकूद, भोजन की व्यवस्था भी दी जा रही है।

गोंदिया के सामाजिक कार्यकर्ता ने 15 साल पहले दान की थी भूमि

बौद्ध समाज के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक ठवरे निवासी गोंदिया नागपुर ने करीब 15 वर्ष पूर्व ग्राम केसदा स्थित अपनी एक एकड़ भूमि को त्रिरत्न बौद्ध महासंघ छत्तीसगढ़ को सर्व वर्ग के मानव समाज की सेवा करने के लिए दान में दी थी। इस भूमि के मिलने पर बौद्ध समाज के लोगों ने इसका सदुपयोग करते हुए दानकर्ता दीपक ठवरे की इच्छा के अनुसार एक समिति का गठन किया। दीपक ठवरे के निधन के बाद इस समिति ने बौद्ध समाज के साथ प्रदेशभर के अन्य वर्ग के सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया। समिति ने सबसे पहले इस भूमि पर करीब 50 लाख रुपए की लागत से एक भवन निर्माण करने की पहल की। इसके लिए समिति ने हर वर्ग समाज के सामाजिक कार्यकर्ताओं से भवन बनाने के लिए मदद मांगी।

हर साल कमाई की 10 प्रतिशत राशि करते हैं दान, जाति पूछे बिना एडमिशन

इस छात्रावास में हर समाज वर्ग के बच्चे अध्ययन करते हैं। यहां पहुंचने वाले बच्चों की जाति के बारे में पूछे बिना उन्हें यहां एडमिशन दिया जाता है। इन बच्चों की जरुरतों को देखते हुए बौद्ध समाज के नौकरीपेशा व समाज सेवक साल में एक बार अपनी कमाई की 10 प्रतिशत राशि छात्रावास में दान भी करते हैं। ताकि, बच्चों को जो सुविधाएं दी जा रही हैं, उसमें कमी नहीं हो।

50 से अधिक बच्चे हो चुके लाभान्वित, वर्तमान में 19 को मिल रही सुविधा

बौद्ध संघ के सचिव ब्रम्हचारी अमृत रत्न ने बताया कि छात्रावास में कक्षा पहली से लेकर 11वीं तक के बच्चों को 20 से 25 टीचरों द्वारा निःशुल्क कोचिंग के साथ भोजन तथा खेलकूद की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसके अलावा बच्चों को कपड़े, कापी-पुस्तक सहित अन्य दैनिक जरुरत की चीजें भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता हर साल छात्रावास में इन सभी सामाग्रियों का दान भी करते हैं।

इस छात्रावास में हर वर्ग, समाज के असहाय निर्धन बच्चों को दी जा रही कक्षा पहली से 11वीं तक निःशुल्क कोचिंग सहित अन्य सुविधाएं

शिक्षा के साथ कम्प्यूटर का प्रशिक्षण

दीपक छात्रावास में बच्चों को पढ़ाई के साथ कम्प्यूटर का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसके अलावा संस्था सालभर में कई बार शिविर भी आयोजित करती है। इस शिविर में शिक्षकों द्वारा बुद्ध एवं बाबा साहेब का मार्गदर्शन दिया जाता है।

दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर किया दान

दानदाताओं ने भी समिति का उद्देश्य जानकर भवन निर्माण के लिए जमकर दान किया। इस तरह 50 लाख रुपए की लागत से इस भवन का निर्माण करीब 10 वर्ष पहले हुआ। भवन का नाम भी धम्मघोस दीपक के नाम पर रखा गया। तब से इस भवन में असहाय एवं निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ खेलकूद एवं भोजन आदि की व्यवस्था की जा रही है।

शिक्षा और संस्कार का बीज बो रहा शिवानंद आश्रम
बिना किसी शासकीय अनुदान के दर्जनों बच्चों की परवरिश

आश्रम में शिक्षित बच्चे सेना के अलावा अधिकारी, पुलिस, शिक्षा व राजस्व विभाग में दे रहे सेवा

अध्यात्म और बुनियादी शिक्षा का अनूठा केंद्र, जिसकी छांव में बड़े हुए 'बड़े लोग'

शहर के धरमपुरा क्षेत्र में स्थित शिवानंद आश्रम दो दशक से अनाथ, अशिक्षित और सुदूर वनांचल के बच्चों में प्रारम्भिक शिक्षा, आध्यात्मिक, योग व संस्कार का बीज बो रहा है। प्रतिवर्ष दर्जनों की संख्या में बच्चे नक्सल प्रभावित क्षेत्र से निकलकर अपने सुनहरे भविष्य को यहां निःस्वार्थ सेवा दे रहे सन्यासी के साथ गढ़ने में लगे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस आश्रम ने अभी तक किसी भी प्रकार की शासकीय सहायता या अनुदान के बगैर ही समाज को कई व्यक्तित्व गढ़कर दिए हैं। यहां से शिक्षा प्राप्त कर सेना, पुलिस, शिक्षा, राजस्व और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर आसीन होकर देश व समाज की सेवा कर रहे है।

राजेश दास ▸▸ जगदलपुर

आइए आपका परिचय कराते हैं एक ऐसी शख्सयत से जो बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर के ग्राम पापनपाल में पैदा हुए अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी बस्तर में पूर्ण की। अपना पूरा जीवन बच्चों को समर्पित कर समाज में एक मिसाल बन गए हैं। हम बात कर रहे है धरमपुरा शिवानन्द आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद सरस्वती महाराज की और इनके आश्रम की जो आध्यात्मिक जीवन के साथ बुनियादी शिक्षा का विशिष्ट संगम बना हुआ है। यहां बच्चे आध्यात्मिकता के करीब रहकर अपनी स्कूली शिक्षा ले रहे हैं। इतना ही नहीं वे यहां से पढ़कर अपने सामान्य जीवन में भी सफल हो रहे हैं। इन वर्षों में यहां से लगभग 600 से अधिक बच्चे पढ़कर बाहर निकल चुके और वे सफल भी हैं। शिक्षा के साथ ही यहां बच्चे योग, संस्कार और आत्म निर्भर बनने के गुर सीख रहे हैं। आश्रम के संचालक स्वामी शिवदासानंद सरस्वती बताते हैं कि उनका संकल्प व लक्ष्य हैं कि यहां प्रारंभिक शिक्षा लेने वाले बच्चों को एक सफल इंसान बनाना। इसके लिए वे पूरी निष्ठा के साथ प्रयास कर रहे है और उन्हें उनके लक्ष्य में सफलता भी मिल रही है।

श्रद्धालुओं के सहयोग पर निर्भर है आश्रम, झोपड़ी से शुरू किया गया था, अब नियमित योग के साथ संस्कृत, बागवानी व अध्यात्म की शिक्षा

स्वामी शिवदासानंद सरस्वती कहते हैं कि आश्रम में केवल गरीब, अनाथ व अशिक्षित परिवार के बच्चों को रखा जाता है। इन्हें नियमित योग के साथ संस्कृत, बागवानी व अध्यात्म की शिक्षा भी दी जा रही है। बच्चों को पढ़ाने कुछ शिक्षक भी मेहनत कर शिक्षादान कर रहे हैं। वे काफी हद तक संतुष्ट होने के साथ ही अपने लक्ष्य में सफल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आश्रम पूरी तरह कुछ भक्तों के सहयोग पर निर्भर है। जनसहयोग से ही पिछले 22 वर्ष से आश्रम के बच्चों को निःशुल्क अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2002 में ग्राम पंचायत में घाटपदमूर में 2 बच्चों से झोपड़ी में शुरू किए गए आश्रम में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों की संख्या में ईजाफा हो रहा है। वर्तमान में लगभग डेढ़ एकड़ में विस्तारित आश्रम दानदाताओं के सहयोग के भरोसे चल रहा है।

आश्रम ने दिया सहारा

बचपन में आश्रम में रहकर विद्या अध्ययन करने वाले बच्चों का मानना है कि प्रारंभिक शिक्षा का ही परिणाम है कि आज वे सात्विक जीवन जी रहे हैं। शुद्ध शाकाहारी जीवनयापन करने में आश्रम का विशेष योगदान रहा है। वर्तमान में बीजापुर राजस्व निरीक्षक के पद पर सेवा दे रहे सुभाषचन्द्र कुड़यिम का मानना है कि बचपन में उन्होंने आश्रम में रहकर विद्या अध्ययन किया और आज परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे है। आश्रम में रहकर प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण कर आज शासकीय सेवा कर रहे शिक्षक प्रभुनारायण, मनीषा कुड़यिम, कमला, गिरजा के अलावा फारेस्ट गार्ड पण्डा राजु, संतोष आदि का भी यह मानना है कि आश्रम में रहकर ही उनका जीवन सफल हो सका है और यह सब स्वामी जी के सत्संग का प्रभाव है। आश्रम में रहकर पढ़ाई करने वाले दो दर्जन से अधिक बच्चे आज शासकीय सेवा में हैं। सभी का यह मानना है कि बचपन में उन्हें संस्था व स्वामीजी का सहारा नहीं मिलता तो शायद आज उनकी जिंदगी कुछ और ही होती।

संस्कृत व समाजशास्त्र में एमए करने के बाद नौकरी की बजाय निर्धन बच्चों को शिक्षित करना लक्ष्य

बस्तर संभाग का बीजापुर जिला पिछले चार दशक से देश के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले में शुमार है। 80 के दशक में धुर नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के पापनपाल में पुजारी परिवार में जन्में स्वामी शिवदासानंद सरस्वती ने प्रारम्भिक शिक्षा पापनपाल व नैमेड़ करने के बाद हाईस्कूल की परीक्षा बीजापुर में दी। भोपालपटनम से कृषि संकाय में हायरसेकेडंरी की परीक्षा पास की। इसके बाद दंतेवाड़ा से बीए करने के बाद जगदलपुर आ गए। पीजी कॉलेज जगदलपुर (धरमपुरा) से संस्कृत व समाजशास्त्र में एमए किया। सरकारी नौकरी की बजाए नक्सल प्रभावित क्षेत्र के निर्धन और अनाथ बच्चों को शिक्षित करने का प्रण लिया। इसी दायित्व का निर्वहन वे पिछले दो दशक से अधिक समय से कर रहे हैं। इन वर्षों में सैकड़ों बच्चों को आत्मनिर्भर बनाया। शुरू में 2 बच्चे से शुरू हुए आश्रम में हर वर्ष दर्जनों बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है।

मां की दान की जमीन से बना अस्पताल मार्ग, पूरे शहर को मिला जीवनदायी रास्ता

सेवा और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए शहर की प्रतिष्ठित व्यापारी और बड़े राजनीतिक पार्टी के सदस्य राजेश सिंघी के माताजी श्रीमती राधा देवी सिंघी ने अपने निजी स्वामित्व की 7 डिसमिल की कीमती ज़मीन अस्पताल पहुँच मार्ग के लिए दान में दे दी। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण से पहले नगर की वे पहली महिला दानदाता है जो सन 2018 में अस्पताल के लिए भूमि दान की जिसके फलस्वरुप सन 2019 में अस्पताल निर्माण की नींव रखी गई। महिला की इस उदार पहल से सरकारी अस्पताल तक सीधी पहुंच संभव हो सकी है। वर्तमान में इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिल रही है।

एनिशपुरी गोस्वामी ▸▸ मोहला

नवनिर्मित अस्पताल तक आने-जाने वाले मार्ग पर निजी जमीन के होने से सड़क के लिए दुविधा का कारण बना हुआ था। वैकल्पिक मार्ग पर लोगों को लंबा और संकरा रास्ता तय करना पड़ता था, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को भारी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए राधा देवी ने समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जमीन का एक हिस्सा प्रशासन को दान कर दिया।

स्थानीय नागरिकों ने इस कदम को मानवता की मिसाल बताते हुए कहा कि ऐसे कार्य आज के दौर में विरले ही करते हैं। नगर परिषद और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी महिला के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस मार्ग के बनने से अस्पताल की सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रशासन द्वारा जल्द ही दानदाता श्रीमती राधादेवी को सम्मानित करने की घोषणा की गई है। पूरे क्षेत्र में इस पहल की सराहना हो रही है। लोग इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक कदम बता रहे हैं।

दानवीर रामचन्द्र पाण्डेय के नाम से परिवार ने की करोड़ों की जमीन दान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मोहला

अंबागढ़ चौकी निवासी श्री रामचन्द्र पाण्डेय जिनका जन्म, पढ़ाई रोजगार यहीं की धरती पर हुआ। अपनी सनातनी परांपरा अनुसार जिस धरती, समाज ने आपको दिया है जब आप सक्षम हो तो उसे लौटाने का प्रयास करना चाहिए। इसी सोच से उन्होंने अपने जीवन काल के दौरान अंबागढ़ चौकी कॉलेज एवं छुरिया महाविद्यालय में पढाई करने वाले उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष 11 गोल्ड मेडल दान किया जो अभी भी उनके बुजुर्गों के नाम से दिया जा रहा है। ऐसे ही प्राचीन हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार के लिए एक लाख 51 हजार नकद दान किया। उन्होंने गरीब लड़कियों के विवाह में भी बढ़-चढ़कर दान दिया। इसके साथ ही अंबागढ़ चौकी स्थित सामुदायिक चिकित्सालय निर्माण के समय तत्कालीन जनप्रतिनिधियों द्वारा सड़क निर्माण के लिए भूमि दान हेतु सम्पर्क करने पर उन्होंने सहर्ष सहमति दी। उनका कहना था अन्य दानों से भी महान दान जीवन रक्षा है। हमारी जमीन से अगर अस्पताल के लिए सड़क जाती है तो लाखों लोगों की जीवन की रक्षा होगा। कोरोनाकाल में उनकी मृत्यु पश्चात परिजन पिताजी की इच्छा को सर्वोच्च मानकर लगभग 20 डिसमिल जमीन, जिसका बाजार मूल्य एक करोड़ के लगभग होगा का दान किया। उनके पुत्र प्रेम नारायण पाण्डेय, संतोष पांडेय, पुत्रवधु दुर्गा राजेन्द्र पांडेय तथा मनीषा अशोक पांडेय ने दान देने में सहमति जताई और दे दिया।

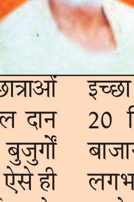

अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों को भटकना न पड़े, इसलिए कराया दाई कोरा नामक अस्थायी ठिकाने का निर्माण

अपनों को खोने का दर्द बना दूसरों का सहारा... 46 लाख दान देकर बनवाया मरीजों के परिजनों के लिए 'दाई कोरा'

विकास शर्मा ▸▸ रायपुर

जिला स्वास्थ्य कार्यालय के पीछे करीब तीन साल पहले बना दाई कोरा अब तक 4 हजार ऐसे परिजनों का सहारा बन चुका है, जो अपने रिश्तेदारों का इलाज कराने दूर शहरों से राजधानी आए थे। उनके पास रहने का विकल्प नहीं था और न ही होटल-धर्मशाला में रुकने की आर्थिक स्थिति। केवल नाममात्र शुल्क में उन्हें अस्पताल के समीप ही रुकने का बड़ा सहारा दाई कोरा के रूप में मिला। यह कहानी रोहिणीपुरम में रहने वाले भारत लाल वर्मा और उनकी पत्नी गंगोत्री वर्मा की पीड़ा से जुड़ी है। बच्चों के इलाज के दौरान उन्होंने सरकारी अस्पताल के आसपास परिजनों की भटकने के दर्द को महसूस किया था। दोनों के बच्चे गंभीर बीमारी की वजह से अब इस दुनिया में नहीं हैं, मगर उनकी यादों को दान में दिए गए 46 लाख रुपए से बने दाई कोरा के रूप में जीवित रखा है।

6 साल लगे योजनाओं को मूर्त रूप देने में

एसडीओ की सेवा से सेवानिवृत्त भारत लाल वर्मा ने बताया कि वर्ष 2004 में कैंसर पीड़ित बेटे राकेश के इलाज के दौरान उन्होंने महसूस किया था कि मरीजों के लिए तो अस्पताल में व्यवस्था होती है, मगर उनके साथ रहने वालों के लिए कोई इंतजाम नहीं है। 2016 में जब बेटी गुंजन बीमार हुई तो परिजनों की दिक्कतों ने उनका मन द्रवित कर दिया। उन्होंने निश्चय किया कि वे मरीजों के साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए कुछ ऐसा करेंगे कि उन्हें भटकना न पड़े।

रोजाना हो रही ट्रेनिंग

दाई कोरा के ऊपर स्वास्थ्य विभाग का ट्रेनिंग हॉल बना है। यहां रोजाना किसी न किसी विषय पर प्रशिक्षण अथवा कार्यक्रम होता है। पहले विभाग को प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थल की तलाश करनी पड़ती थी और बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती थी। अब यह समस्या दूर हो गई है।

इच्छा कुछ और करने की

गंगोत्री वर्मा को 2022 में राज्य स्थापना समारोह के दौरान दानवीर भामाशाह सम्मान से नवाजा गया। वर्मा दंपत्ति ने बताया कि उनकी मंशा जनहित में और कार्य करने की है। इसके लिए वे अपनी पैतृक संपत्ति बिकने का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे क्या करेंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है, मगर राशि की व्यवस्था होते ही काम शुरू करेंगे।

इनका कहना

दाई कोरा में नाममात्र शुल्क देकर मरीजों के अटेंडरों को रुकने की सुविधा दी जाती है। इसका संचालन रेडक्रॉस समिति करती है। भवन के ऊपर बना ट्रेनिंग सेंटर भी काफी उपयोगी साबित हो रहा है।
डॉ. मिथिलेश चौधरी, वर्तमान सीएमएचओ

वर्मा दंपत्ति ने मुलाकात कर अपनी इच्छा बताई थी। काफी विचार करने के बाद यह लगा कि मरीजों के अटेंडरों और विभाग के हित में यह भवन बनाना सही होगा। वर्तमान में इसके उपयोग से सबकी मंशा सफल होती नजर आ रही है। **-डॉ. मीरा बघेल, तात्कालिक सीएमएचओ रायपुर**

कुल 16 बेड परिजनों को राहत

वर्तमान में दाई कोरा में 8 बेड पुरुषों और 8 बेड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। केवल 50 रुपए शुल्क में यह सुविधा उपलब्ध है। शुरुआत डीके हॉस्पिटल के मरीजों के परिजनों के लिए हुई थी, लेकिन अब आसपास के सभी अस्पतालों से आने वाले लोग इसका लाभ लेते हैं। आज शायद ही कोई दिन जाता हो जब दाई कोरा का बेड खाली हो। इसका संचालन रेडक्रॉस सोसायटी करती है और रखरखाव के लिए कर्मचारी नियुक्त हैं।

तत्कालीन सीएमएचओ ने भावनाओं को समझा

भारत लाल वर्मा ने अपनी इच्छा तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. मीरा बघेल के सामने रखी। डॉक्टर बघेल ने उनकी भावनाओं को समझा और वर्मा दंपत्ति की इच्छा ने दाई कोरा का रूप लिया। साथ ही जिले में ट्रेनिंग सेंटर की कमी को भी दूर करने का विचार सामने आया, ताकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जा सके।

दान में मिले 46 लाख सरकारी जमीन मिली

दाई कोरा का सपना साकार करने के लिए भारत लाल वर्मा और उनकी पत्नी गंगोत्री ने अपनी जीवनभर की कमाई के 46 लाख रुपए स्वास्थ्य विभाग को दिए। विभाग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के पीछे खाली जमीन पर भवन बनाने की सहमति दी। निर्माण कार्य 2022 में पूरा हुआ। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका लोकार्पण किया और वर्मा दंपत्ति की भावनाओं का सम्मान किया।

"रिटायरमेंट के बाद मुझे लगा कि समाज से जो कुछ हासिल किया है, उसे लौटाने का वक्त आ गया है।" यह कहना है नगर निगम रायपुर के सेवानिवृत्त अपर आयुक्त डॉ. जे.आर. सोनी का, जिन्होंने 72 वर्ष की उम्र में मानव सेवा की एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। डॉ. सोनी ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए 50 लाख रुपये की लागत से निशुल्क, अत्याधुनिक ई-लाइब्रेरी विकसित की है, जो आज सैकड़ों युवाओं के सपनों को आकार दे रही है।

72 साल की उम्र में मानव सेवा की मिसाल

समाज ने दिया, अब लौटाने का वक्त आया इसलिए लाइब्रेरी पर खर्च कर दिया 50 लाख

संजय जोशी ▶▶| रायपुर

1981-82 बैच के मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत करने वाले डॉ. सोनी ने सेवानिवृत्ति के बाद संत बाबा गुरु घासीदास जी के "मनखे-मनखे एक समान" के संदेश से प्रेरित होकर गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, रायपुर की स्थापना की। अकादमी का संचालन न्यू राजेंद्र नगर स्थित सतनाम भवन से किया जा रहा है। अकादमी के अंतर्गत दो वर्ष पूर्व एयर कंडीशन्ड 50-सीटर हाईटेक ई-लाइब्रेरी की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज, कंप्यूटर शिक्षा, करियर गाइडेंस और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

72 की उम्र में भी सेवा का जज़्बा बरकरार: 72 वर्ष की आयु में भी डॉ. जे.आर. सोनी का सेवा-भाव उतना ही सक्रिय है। वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक ई-लाइब्रेरी के संचालन में स्वयं उपस्थित रहकर योगदान दे रहे हैं। उनका जीवन उन नागरिकों और अधिकारियों के लिए प्रेरणा है, जो मानव सेवा में अपना समय, संसाधन और जीवन समर्पित करने का संकल्प रखते हैं।

10 हजार से अधिक पुस्तकें और 20 कंप्यूटर उपलब्ध

दो वर्षों में 200 से अधिक युवाओं को मिला लाभ

डॉ. सोनी के अनुसार, विद्यार्थी तीन बैचों में सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक ई-लाइब्रेरी में अध्ययन करते हैं। समय-समय पर सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस अधिकारियों और करियर काउंसलरों द्वारा वर्कशॉप और मार्गदर्शन कक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों को यूपीएससी और सीजीपीएससी जैसी परीक्षाओं की बेहतर समझ मिल सके। बीते दो वर्षों में 200 से अधिक युवाओं ने इस पहल का लाभ उठाकर विभिन्न सरकारी नौकरियों और लोक सेवा परीक्षाओं में सफलता हासिल की है।

10 हजार से अधिक पुस्तकें, फ्री वाई-फाई और 20 कंप्यूटर

लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे सिविल सर्विस अभ्यर्थी प्रतीक अग्रवाल और पीएचडी शोधार्थी सुमन घृतलहरे बताते हैं कि यहां यूपीएससी, सीजीपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और शोध से संबंधित 10 हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फ्री वाई-फाई, इंटरनेट सुविधा युक्त 20 कंप्यूटर सिस्टम भी छात्रों के लिए लगाए गए हैं। हर चार महीने में नवीन समसामयिक पुस्तकों को लाइब्रेरी में शामिल किया जाता है, वहीं जरूरत के अनुसार परीक्षार्थियों को तत्काल आवश्यक किताबें भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

कोई समाज खुद को बेसहारा न समझे, आईटीआई एक्टिविस्ट ने सामाजिक भवनों के लिए खोली अपनी तिजोरी, चौघड़ा में दान की निजी भूमि

परोपकार का 'नववर्ष संकल्प': जब लोग जमीन के लिए लड़ रहे, तब रमाशंकर समाज को जोड़ने के लिए लुटा रहे अपनी संपत्ति

समाज बढ़ेगा, राज्य गढ़ेगा... इसी सोच के साथ दानवीर 'कर्ण' ने खोली तिजोरी

हर समाज को 'मुफ्त' जमीन दे रहे रमाशंकर गुप्ता

रविकांत सिंह राजपूत ▶▶| मनेंद्रगढ़

आज के दौर में जहाँ एक-एक इंच जमीन के लिए परिवार टूट जाते हैं और अदालतें मुकदमों से भरी पड़ी हैं, वहीं मनेंद्रगढ़ के आरटीआई एक्टिविस्ट रमाशंकर गुप्ता ने त्याग और सामाजिक समरसता की एक ऐसी गाथा लिख दी है, जो सदियों तक याद रखी जाएगी। गुप्ता ने घोषणा की है कि वे जिले के प्रत्येक समाज को सामाजिक भवन बनाने के लिए अपनी कीमती निजी भूमि बिना किसी शुल्क के दान करेंगे।

कुआं हो या जमीन, दान ही इनका धर्म

रमाशंकर गुप्ता के लिए यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले उन्होंने ग्रामीणों की प्यास बुझाने के लिए अपना निजी कुआं भी दान कर दिया था। वे एक ऐसे आरटीआई एक्टिविस्ट हैं जो सिस्टम से लड़ना भी जानते हैं और समाज को गढ़ना भी। पैसे तो बहुत लोग कमाते हैं, लेकिन दुआएं कमाना हर किसी के बस की बात नहीं। नववर्ष 2026 के इस मौके पर रमाशंकर गुप्ता की यह पहल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा है। यह खबर केवल एक सूचना नहीं, बल्कि एक संदेश है कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

समाज का स्वाभिमान गुप्ता का संकल्प

अक्सर देखा जाता है कि छोटे समाजों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के पास अपना कोई ठिकाना नहीं होता। शादी-ब्याह हो या कोई सामाजिक बैठक, उन्हें दूसरों के दरवाजे पर खड़ा होना पड़ता है। रमाशंकर गुप्ता ने इसी पीड़ा को समझा। उन्होंने संकल्प लिया है कि शहर से लगे ग्राम पंचायत चौघड़ा में उनकी जो भूमिस्वामी हक की जमीन है, उसे वे टुकड़ों में हर उस समाज को देंगे जो अपना भवन बनाना चाहता है। उनका लक्ष्य स्पष्ट है। हर समाज का अपना घर हो, अपना स्वाभिमान हो।

कथनी नहीं, करनी में विश्वास

यह केवल कोरी घोषणा नहीं है। रमाशंकर गुप्ता के इस सेवा भाव का प्रत्यक्ष प्रमाण केशरवानी समाज है। इस नेक कार्य की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने स्वयं इस जमीन पर भूमिपूजन किया। मंत्री ने उस वक्त कहा था कि समाज को रमाशंकर जैसे दानवीरों की जरूरत है जो अपनी संपत्ति को समाज की धरोहर मानते हैं।

ग्रामीणों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

अस्पताल खोलने सड़क की बेशकीमती जमीन की दान

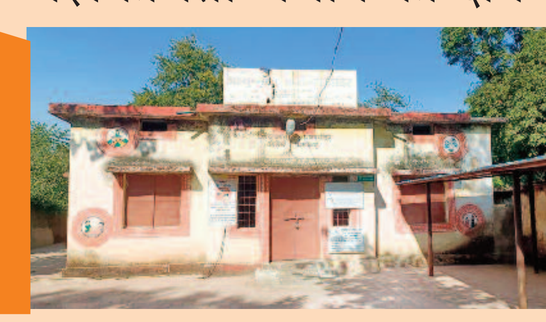

अजय नारायण पांडेय ▶▶| अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के डेढ़ दशक बाद भी जब ग्राम पंचायत जमड़ी में स्कूल एवं अस्पताल की सुविधा नहीं मिली तो ग्रामीणों ने प्रतिष्ठित परिवार के वरिष्ठ सदस्य अरूण प्रताप सिंहदेव से अपनी समस्याओं को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य केन्द्र खुलवाने के लिए कारगर पहल करने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने के बाद उन्होंने गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने स्वयं की जमीन उपलब्ध कराई। जिस पर पिछले डेढ़ दशक से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हो रहा है।

बलरामपुर जिलान्तर्गत शंकरगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत जमड़ी में अस्पताल नहीं होने के कारण ग्रामीणों को इलाज के लिए तहसील मुख्यालय शंकरगढ़ अथवा जिला मुख्यालय बलरामपुर जाना पड़ता था। गांव में आवागमन की पर्याप्त सुविधा होने के कारण आवागमन में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रवासियों ने कई बार गांव में अस्पताल खुलवाने की पहल भी की लेकिन सफलता नहीं मिली। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन होने के बाद ग्रामीणों में तेजी से मूलभूत सुविधाएं विकसित होने की उम्मीद जगी। वर्षों इंतजार करने के बावजूद जब गांव में अस्पताल नहीं खुला तो ग्रामीणों ने गांव के जमींदार अरूण प्रताप सिंहदेव से मिलकर उन्हें अपनी परेशानियों से अवगत कराया तथा गांव में अस्पताल खुलवाने के लिए पहल करने की मांग की। अरूण प्रताप सिंहदेव ने ग्रामीणों को कोई जवाब नहीं दिया लेकिन अगले ही दिन वे गांव में अस्पताल खोलने को लेकर जिला मुख्यालय बलरामपुर चले गए तथा कलेक्टर एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारी गांव में जमीन उपलब्ध होने पर अस्पताल खोलने के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन पर उन्होंने सड़क किनारे स्वयं की जमीन अस्पताल भवन निर्माण के लिए देने की सहमति दे दी। वर्ष 2017-18 में स्वास्थ्य विभाग ने ग्राम पंचायत जमड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की स्वीकृति प्रदान की तथा अरूण प्रताप सिंहदेव द्वारा दान में दी गई भूमि पर अस्पताल भवन का निर्माण कराया गया। आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ग्रामीणों को प्रसव सहित अन्य सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है।

फुटबॉल के थे अच्छे खिलाड़ी: अरूण प्रताप सिंहदेव अपने छात्र जीवन से ही फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने अपने खिलाड़ी दोस्तों के साथ एक टीम भी बनाई थी।

कॉलेज को मिला सिंहदेव का नाम

शासन द्वारा लंबे समय से शंकरगढ़ में शासकीय महाविद्यालय का संचालन किया जा रहा है। स्व.अरूण प्रताप सिंहदेव के सामाजिक योगदान से प्रेरित होकर शासन ने उन्हीं के नाम से कॉलेज खोला है। कॉलेज खुलने से शंकरगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

व्यावसायी राम अवतार अग्रवाल व अग्रवाल सभा ने किया मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार

मुक्ति के बाद, मुक्ति का एहसास 'मुक्तिधाम' सामाजिक संगठनों का स्वर्ग जैसा काम

मृत्यु एक शाश्वत सत्य है। मृत्यु से खुद को तो मुक्ति मिलती है, लेकिन दूसरे को कष्ट व दुख होता है। दुख की ऐसी घड़ी में किसी को और परेशानी न हो। ऐसी परेशानियों से किसी को मुक्ति का एहसास हो तो शायद बड़ी बात होती है। साथ ही सम्मानजनक मृत्यु और दाह संस्कार के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग माना गया है। इसी सोच और उद्देश्य के साथ मुक्तिधामों के सौंदर्यीकरण और सुविधाओं पर काम किया जा रहा है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

प्रतिष्ठित व्यावसायी रामावतार अग्रवाल ने देवकीनंदन मुक्तिधाम सरकंडा को संवारा है। उनका कहना है कि दुख की घड़ी में परिजनों को मानसिक के साथ शांत और सुव्यवस्थित आध्यात्मिक स्थल मिल जाए तो थोड़ी राहत तो मिलती है। मुक्तिधाम में चिता जलते ही साउंड सिस्टम के माध्यम से वैदिक मंत्र का पाठ होता है। सातों दिन 24 घंटे यहाँ की सुविधा बहाल है। घाट में आप कभी भी पहुंचे, यहां संस्था के कर्मचारी मिल जाएंगे। हालांकि रात में अंतिम संस्कार कम ही होते हैं। संस्थाएं शवदाह के लिए यहां प्रत्येक माह करीब तीन टन लकड़ी उपलब्ध कराती है। औसतन प्रत्येक मुक्तिधाम में हर महीने 25 अंतिम संस्कार होते हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने भी कहा है कि कोई व्यक्ति स्वर्ग सिधार जाता है तो शरीर 'सम्मानजनक विदाई का हकदार' होता है और राज्य का संवैधानिक दायित्व है कि वह सार्वजनिक अंतिम संस्कार सुविधाओं में सभ्य वातावरण प्रदान करे। ऐसा न करना कर्तव्य से विमुखता के समान है।

संकल्प और सेवाभाव गहराई से जुड़ा

सभी व्यवस्थाओं 'मेंटेनेंस, साफ-सफाई, पानी, बिजली, पार्किंग और सुरक्षा' को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 12 से 15 कर्मचारियों की टीम तैनात की जा रही है। इनके वेतन और संचालन पर हर महीने करीब 1.50 लाख रुपए का खर्च आएगा, जिसका वहन समाज करेगा। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल सहित सेवा समिति के सदस्यों सीए आंनद अग्रवाल, अजय जाजोदिया, सीए राजुल जाजोदिया, ललित अग्रवाल, सुनील मुरारका, राजीव अग्रवाल, मोनू मुरारका इस काम में जुड़े हैं। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि मुक्तिधामों के निर्माण, सज्जा और रख-रखाव में अग्रवाल समाज द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

जरूरतमंदों को लकड़ी, कपड़ा और दूसरे सामान: इसी तरह देवकीनंदन मुक्तिधाम सरकंडा में रामावतार अग्रवाल द्वारा सौंदर्यीकरण करते हुए सुविधाएं बढ़ाई गईं हैं। बाउंड्रीवॉल, वार्निंग शेड, प्रतीक्षालय आदि में मरम्मत का काम कराया जाएगा। शवों के अंतिम संस्कार के लिए चबूतरे का निर्माण, सुंदर गार्डन, पेयजल, वाशबेसिन और स्नान की व्यवस्था है। पूरे परिसर में लाइट, पंखा, वाटर कूलर, सीसीटीवी कैमरे और मजबूत शेड की व्यवस्था है। मुक्तिधाम में लावारिस या बेहद जरूरतमंद लोगों के लिए लकड़ी, कपड़ा और अन्य आवश्यक सामग्री संस्था की ओर से उपलब्ध कराई जा रही है।

गार्डन, कुर्सियों के साथ ही ओपन शावर भी

इसी तरह अग्रवाल महासभा भारतीय नगर मुक्तिधाम को सवार रही है। यह स्थल जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगा। अग्रवाल महासभा ने इसे गोद लेकर सुधार कार्यों की जिम्मेदारी उठाई है। लगभग 60 लाख की लागत से विकास का काम शुरू किया गया है। परिसर में गार्डन, कुर्सियों के साथ बैठने की सुविधा, पक्की सड़कें, सफाई व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पंखों से युक्त शेड, पक्का शेड, समुचित पार्किंग और सीसीटीवी सहित अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण और एक ऑक्सीजोन विकसित किया जा रहा है। शवों के अंतिम संस्कार के लिए 10 चबूतरों का निर्माण, 25 सीमेंटेड कुर्सियां, सुंदर गार्डन, पेयजल की व्यवस्था, वाशबेसिन और स्नान के लिए ओपन शॉवर की सुविधा तैयार की जा रही है। साथ ही पूरे परिसर में लाइट, पंखा, वाटर कूलर, सीसीटीवी कैमरे और मजबूत शेड की व्यवस्था भी होगी। मुक्तिधाम में लावारिश या बेहद जरूरतमंद लोगों के लिए लकड़ी, कपड़ा और अन्य आवश्यक सामग्री समाज की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी।

रायपुर। साल बीत गया। आम और खास के मुद्दों से लेकर सियासी गलियारे की धमाचौकड़ी का सिलसिलेवार जिक्र तो हुआ ही, पर इनके लेखा-जोखा के साथ आत्म अवलोकन भी जरूरी है। 365 दिनों की बिसरी बातों को जेहन में ताजा कर रहीं ये तस्वीरें बताती हैं कि हरिभूमि हर पल जन सरोकार से जुड़ा रहा। हमारा वास्ता मुद्दों से रहा, आम लोगों की समस्याओं में सहभागी बने। उनकी आवाज बनकर सत्ता के गलियारे तक सेतु का काम किया। साथ ही उन व्याधियों को भी सामने लाया, जिनकी वजह से देश-समाज को खासा नुकसान हो रहा था। बीते साल हरिभूमि की सैकड़ों खबरों ने अपना असर दिखाया। यह पेज उन्हीं खबरों की एक झलक है। नव वर्ष में संघर्ष का सफर जारी रहेगा। आम और खास के बीच सेतु की भूमिका में हरिभूमि मजबूती के साथ खड़ा रहेगा। हमेशा की तरह...पत्रकारिता के मूल धर्म पर हम अडिग रहेंगे और जन सरोकार के लिए नव वर्ष में संघर्ष करते रहेंगे। नव वर्ष की शुभकामनाएं....

- डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक
हरिभूमि समाचार पत्र समूह

सालभर का लेखा -जोखा हर आम और खास मौके पर रही मौजूदगी

हरिभूमि का जन सरोकार से वास्ता, चुना वंचितों और जरूरतमंदों के लिए संघर्ष का रास्ता

जारी रहेगा जन सरोकार और ज्वलंत मुद्दों के लिए ऐसा संघर्ष

इंसानियत की इबादत

स्व. हाजी निसार हुसैन फारुख हुसैन के पिता

फारुख हुसैन

सरायपाली के हुसैन परिवार ने पेश की सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल, वृद्धाश्रम के लिए दान की लाखों की जमीन

मनहरण सोनवानी ▶▶| सरायपाली (महासमुंद)

आज के दौर में जमीन का एक टुकड़ा रिश्तों में दीवार खड़ी कर देता है, वहीं महासमुंद जिले के सरायपाली अंतर्गत पतेरापाली से मानवता को गौरवान्वित करने वाली खबर आई है। यहाँ के एक समाजसेवी मुस्लिम परिवार ने समाज के बेसहारा बुजुर्गों और निर्धन बच्चों के भविष्य के लिए अपनी लाखों रुपए की निजी जमीन दान कर दी है। यह पहल न केवल सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक समरसता की नई इबारत लिख रही है।

पिता की वसीयतः 'बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ी इबादत'

यह प्रेरणादायी निर्णय समाजसेवी फारुख हुसैन द्वारा अपने पिता स्वर्गीय हाजी निसार हुसैन की स्मृति और उनके संस्कारों से प्रेरित होकर लिया गया है। फारुख हुसैन ने बताया कि उनके पिता हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करते थे। उनका मानना था कि कोई भी बुजुर्ग उपेक्षित न रहे। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए फारुख ने अपनी 5 डिसमिल से अधिक कीमती भूमि वृद्धाश्रम और गरीब बच्चों के छात्रावास के लिए दान कर दी है।

स्व. हाजी निसार हुसैन के सपनों को साकार कर रहे पुत्र फारुख हुसैन।

5 डिसमिल कीमती जमीन पर बनेगा 'समर्पण अपना घर' वृद्धाश्रम और छात्रावास।

बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए अब तक खर्च किए लाखों रुपये।

फारुख हुसैन अपनी पत्नी के साथ

सर्वधर्म समभाव की अनूठी तस्वीर

इस नेक कार्य में हुसैन परिवार के साथ नगर के प्रबुद्ध जन भी खड़े नजर आ रहे हैं। समाजसेवी शरद अग्रवाल, मनोज जैन, नरेंद्र महाराज, भक्तचरण साहू और गोवर्धन पाणिग्राही जैसे व्यक्तित्वों का सहयोग यह दर्शाता है कि जब उद्देश्य नेक हो, तो धर्म और जाति की दीवारें खुद-ब-खुद ढह जाती हैं। परिवार के सदस्य डॉ. अरशद हुसैन, वहीदा बेगम और भाइयों (अय्युब हकीम, आदिब, नसीम) का पूर्ण समर्पण इस कार्य को और भी भव्य बना रहा है।

बेटियों के लिए 'मसीहा' बना परिवार

हुसैन परिवार की सेवा का दायरा केवल भू-दान तक सीमित नहीं है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए फारुख हुसैन ने एक जरूरतमंद छात्रा के नर्सिंग कोर्स के लिए 1 लाख 80 हजार रुपए की फीस जमा की। बिलासपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा को कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई। करीब 6 अन्य छात्राओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद की।

एक ही छत के नीचे मिलेगा 'अपनत्व' और 'उम्मीद'

इस परियोजना को 'समर्पण वृद्धा आश्रम अपना घर' नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ बेसहारा बुजुर्गों को अपनों जैसा सम्मान मिले और अनाथ या गरीब बच्चों को रहने की सुविधा के साथ-साथ बड़ों का आशीर्वाद मिले। फारुख हुसैन का कहना है कि संस्था के पंजीयन और प्रशासनिक औपचारिकताओं के पूर्ण होते ही निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जाएगा।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने महापल्ली के गांधी गौटिया ने बटमूल आश्रम कॉलेज के लिए दी जमीन

जांजगीर चांपा, कोरबा से लेकर सारंगढ़ और ओडिशा तक के स्टूडेंट ने यहाँ की पढ़ाई

गांधी ने किया भू-दान, जहां निर्मित कॉलेज आश्रम से चहुंओर फैल रहा बालिका शिक्षा का उजियारा

ओडिशा की सीमा से चंद कदम फासले पर बसे महापल्ली गांव को बालिका शिक्षा के नाम से पहचाना जाता है। यहां पहले मुष्ठि चावल इकट्ठा कर स्कूल खोला गया। इसके बाद यहां के गांधी गौटिया ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सड़क किनारे की अपनी कीमती जमीन दान में दी। गांधी ने जहां भू-दान किया था, वहां निर्मित कॉलेज आश्रम से पूर्वांचल समेत आज चहुंओर बालिका शिक्षा का उजियारा फैल रहा है।

स्वतंत्र महंत ▶▶| रायगढ़

गांधी गौटिया (असली नाम धनंजय गुप्त) ने छत्तीसगढ़ निर्माण वर्ष 2000 के अंत में इस जमीन को दान किया था। इसके पहले तक महापल्ली का बटमूल आश्रम कॉलेज सामुदायिक भवन में संचालित होता था। जमीन दान में मिलने के बाद वहां एक भवन का निर्माण हुआ। भवन का प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने 3 अप्रैल 2003 को लोकार्पण किया था। इसके साक्षी जोगी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता और उच्च शिक्षा मंत्री सत्यनाराण शर्मा रहे। इसके बाद से इस कॉलेज का सफर सुहाना होने लगा जो अब तक अनवरत जारी है। उस दौर से लेकर अब तक इस कॉलेज से सामान्य फीस में 15 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर अपना मुकाम हासिल कर लिया है। इस कॉलेज को बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए खोला गया था। जहां जांजगीर चांपा, कोरबा से लेकर सारंगढ़ और ओडिशा तक के स्टूडेंट पढ़ाई करने आते थे। हालांकि उस दौर में डिग्री कॉलेज, केएमटी कॉलेज, कामर्स कॉलेज और बालकृष्ण पुरी लॉ कॉलेज के अलावा अन्य कोई कॉलेज नहीं था। ऐसे में इन चारों कॉलेज के साथ महापल्ली स्थित बटमूल आश्रम कॉलेज में बच्चों की संख्या काफी अधिक होती थी। धीरे-धीरे ब्लॉकों से लेकर गांवों तक में कॉलेज खुलने लगा तो छात्रों की संख्या कुछ कम होने लगी।

दानशीलता के पर्याय हैं धनंजय

एक शिक्षाविद साहित्यकार व निर्भीक व्यक्तित्व के कारण धनंजय गुप्त में भी दानशीलता कूट-कूट कर भरी थी। विद्यानुराग का उनका यह प्रमाण है कि अपने पिता जी के पूर्वांचल में उच्च शिक्षा की सपने को साकार करने के लिए शिक्षाविद गुरुवर पण्डा के सानिध्य में आकर महापल्ली में सड़क किनारे आधा एकड़ भूमि बटमूल आश्रम महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए स्वेच्छा से दान कर दी। यही नहीं धर्मप्रेमी होने के कारण गायत्री मंदिर स्थापना के लिए 24 डिसमिल जमीन सड़क किनारे दानकर आपने धर्म के प्रति अपनी आस्था को रेखांकित किया है। 5 मार्च 2019 यह अजीब संयोग है कि धनंजय के स्वर्गीय पिता हेमसुन्दर गुप्त का जन्म दिवस है और इसी दिन ही पुत्र धनंजय का एकादशकर्म है।

ऐसे पड़ा गांधी नाम

आजाद भारत का पहला वर्ष और पहली तारीख जब गूंजा दूसरी किलकारी रायगढ़ पूर्वांचल के महापल्ली गौटिया परिवार में तो नाम दिया गया गांधी। सचमुच गांधी जी की तरह शांत, सरल, सौम्य, मिलनसार और सबके चहेते इस लाडले सपूत के आगमन से मानो गौटिया परिवार आल्हादित हो उठा। गांधी उनका प्रेम से बुलाए जाने वाला निक नेम है। महात्मा गांधी जी के अहिंसा आंदोलन के कारण अंग्रेजों से मिली आजादी के बाद ही 1 जनवरी 1948 में धनंजय का जन्म हुआ। 30 जनवरी 1948 को गांधी जी का निधन हो गया तब गौटिया परिवार द्वारा महापल्ली गांधी जी के विचारों से ओत-प्रोत होकर धनंजय जी का नाम गांधी रख दिया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान

जिले के सुसंस्कृत ग्राम महापल्ली के गौटिया परिवार का शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान भुलाया नहीं जा सकता। धनंजय गुप्त के पिता हेमसुन्दर गुप्त पूर्वांचल के पुरोधा के रुप में पूजे जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने महापल्ली में माध्यमिक शाला की स्थापना मुष्ठि चावल की ताकत से की थी। ग्रामवासियों से एक-एक मुट्ठी चावल एकत्रित करने का कार्य गांव के मालगुजार रुपराम गुप्त व उनके साथी अनिरुद्ध प्रधान ने किया था। उक्त मुष्ठि चावल की राशि से गांव में गरीबों को आर्थिक सहायता दी जाती थी। मुष्ठि फण्ड की राशि धीरे-धीरे बहुत बड़ी राशि बन गई। गांव के मालगुजार रुपराम ने अपने साथी अनिरुद्ध प्रधान से सलाह मशवरा कर गांव में अशिक्षा को देखते हुए स्कूल स्थापना करने की मंशा जताई।

पिता ने की 1952 में मिडिल स्कूल की स्थापना

धनंजय गुप्त के पिता विद्यानुरागी शिक्षाविद कविवर साहित्य पुरोधा हेमसुन्दर गुप्त ने आंचलिक ग्रामवासियों के सहयोग से 1952 में माध्यमिक शाला की स्थापना की। हेमसुन्दर गुप्त ने विद्यालय भवन में कारपेन्टरी कार्य भी किया एवं निःशुल्क अध्यापक कार्य भी किया। उनके योगदान के कारण आज उनके नामपर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला महापल्ली का नामकरण किया गया है। उनका जन्म 5 मार्च 1915 को गांव के मालगुजार रुपराम गुप्त के यहां प्रथम संतान के रुप में हुआ था जिसके कर्मयोग रुपी शक्ति से शिक्षारुपी अंधकार को भगाने में महती भूमिका निभाई। उन्होंने महापल्ली में कृषि कॉलेज स्थापना की सपना देखा था, लेकिन अल्पायु में ही उनको क्रूर काल ने 49 वर्ष की अल्पायु में 6 जुलाई 1964 को लील लिया। तब उनके पुत्र धनंजय गुप्त की उम्र महज 16 वर्ष की थी। धनंजय की प्राथमिक शिक्षा 2 किलोमीटर दूर ग्राम लोईग के प्राथमिक शाला में 1959 में पूर्ण हुआ तब महापल्ली में प्राथमिक शिक्षा की सुविधा नहीं थी।

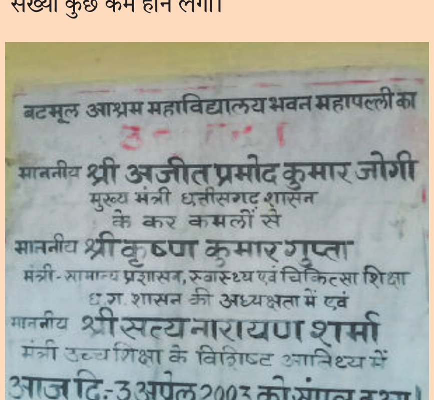
बटमूल आश्रम महाविद्यालय भवन महापल्ली का
मानीय श्री अजीत प्रमोद कुमार जोगी
मुख्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन
के कर कमलों से
माननीय श्री कृष्णा कुमार गुप्ता
मंत्री-सामान्य प्रशासन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा
छ.ग. शासन की अध्यक्षता में एवं
माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा
मंत्री उच्च शिक्षा के विशिष्ट आतिथ्य में
आज दि.-3 अप्रेल 2003 को संपन्न हुआ।

मरही माता विकास समिति के साथ मिलकर शुरू किया काम, अंबेडकर अस्पताल के पास रोज सुबह-शाम जरूरतमंदों को खिला रहे भोजन

कोरोना काल में शुरू हुई भंडारा सेवा बनी मरीजों के परिजनों का सहारा, रोजाना 1500 लोग ले रहे दो वक्त का भोजन

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

कोरोना महामारी के सबसे कठिन समय में शुरू हुई निःशुल्क भोजन सेवा आज भी उसी समर्पण और मानवता के साथ जारी है। मां मरही माता मंदिर परिसर में पिछले पांच वर्षों से प्रतिदिन दो वक्त का भंडारा संचालित हो रहा है। जो अब तक लाखों जरुरतमंदों के लिए जीवन का आधार बन चुका है। प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे और शाम 6 से 8 बजे तक करीब 1,500 लोगों को निःशुल्क भोजन परोसा जाता है। महामारी के दौरान जब रोजगार ठप थे, और रोज कमाने-खाने वाले परिवारों के सामने पेट भरने का संकट खड़ा हो गया था। तब यह सेवा किसी संजीवनी से कम नहीं थी। अंबेडकर अस्पताल में दूर-दराज के गांवों से आए गरीब मरीजों के परिजनों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय थी। अस्पताल में भर्ती मरीज को तो भोजन मिल जाता था, लेकिन उनके साथ आए परिजन कई बार राशन खत्म होने या व्यवस्था न हो पाने के कारण भूखे ही सोने को मजबूर हो जाते थे।

मरीज के परिजन नहीं करते खाने की चिंता

इस मानवीय पहल की शुरुआत वर्ष 2020 में गणेश भट्टर और उनके बेटे गौरव भट्टर ने मिलकर की। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने लगातार लोगों को भूख से तड़पते देखा। विशेषकर अस्पताल के बाहर बैठे गरीब परिजन उनके मन को विचलित करते थे। उन्होंने अस्पताल के सामने ही भोजन वितरण करने का निर्णय लिया, पर अनुमति की बाधा सामने आ गई। इसी दौरान मां मरही माता विकास समिति के अध्यक्ष आगे आए और उन्होंने इस कार्य में सहयोग की इच्छा जताई। चूंकि समय संवेदनशील था और कोरोना नियमों का कड़ाई से पालन अनिवार्य था, प्रारंभ में पुलिस ने आपत्ति भी जताई। इसके बाद गणेश भट्टर ने तत्कालीन कलेक्टर से औपचारिक अनुमति ली और स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस सेवा को शुरू किया।

5 वर्षों से जारी है मानवता की मिसाल

भोजन वितरण की इस सेवा में मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सैनिटाइजेशन का सख्ती से पालन किया गया। कोरोना के कठिन महीनों में हजारों परिवारों का पेट भरने वाली यह व्यवस्था महामारी खत्म होने के बाद भी बंद नहीं हुई। आज भी बड़ी संख्या में जरुरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन और राहगीर रोज इस भंडारे से भोजन प्राप्त करते हैं।

एक फूल अर्पित करके बीते वर्ष को कर दीजिए ईश्वर को समर्पित

नववर्ष में जीवन स्वयं उत्सव बन जाए : गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

सामान्यतः लोग नववर्ष का स्वागत करते समय इच्छाओं की लंबी सूची बनाते हैं, संकल्प लेते हैं और लक्ष्य प्राप्त करने की योजना बनाते हैं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि इस वर्ष आप अपने दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल दें। वर्ष 2026 इसलिए शुभ है, क्योंकि आप इस समय जीवित हैं। जब आप जगत के लिए जीते हैं, तब जगत शुभ होता है। समय को आपकी उपस्थिति का उत्सव मनाने दीजिए। आप सदा की तरह मुस्कराते रहिए।

एक निर्धन व्यक्ति वर्ष में एक बार उत्सव मनाता है। एक धनी व्यक्ति हर दिन मनाता है। लेकिन सबसे धनी व्यक्ति हर क्षण उत्सव मनाता है। आप कितने धनी हैं? क्या आप उत्सव वर्ष में एक बार मनाते हैं? महीने में एक बार? हर दिन? यदि आप हर क्षण उत्सव मनाते हैं, तो आप सृष्टि के स्वामी के साथ एकरूप हो जाते हैं। यह भौतिक धन की बात नहीं है, यह चेतना की संपदा की, हर गुजरते क्षण में पूरी तरह उपस्थित रहने की समृद्धि की बात है।

जब आप लगातार अच्छे समय के आने की प्रतीक्षा करते रहते हैं, तो समय खिंचता हुआ लगता है। लेकिन जब आप आध्यात्मिक पथ पर होते हैं, तो समय तेज़ी से बीतता प्रतीत होता है। एक निर्मल हृदय और तीक्ष्ण बुद्धि किसी भी समय को शुभ समय में बदल सकती है। स्वयं आपके पास समय को बदलने और उसे बेहतर बनाने की क्षमता है।

इस वर्ष के अंत में, उत्सव के साथ-साथ पिछले वर्ष की समीक्षा के लिए समय निकालिए। एक घंटा बैठकर हर बीते सप्ताह के बारे में सोचिए और देखिए कि आप कैसे विकसित हुए। आपने क्या किया? क्या हासिल किया? इस बीते वर्ष में आप अपने आसपास के लोगों के लिए कितने उपयोगी रहे? जो वर्ष बीत गया, उसने हमें बहुत कुछ सिखाया है। क्या करणीय है और अकरणीय है, इसके बारे में सचेत किया है। अच्छी और बुरी दोनों तरह की घटनाओं ने आपको कुछ न कुछ सिखाया है। अच्छी घटनाओं ने बताया कि क्या दोहराना है और बेहतर करना है। बुरी घटनाओं ने सिखाया कि किन बातों से बचना है। एक तरह से भूलों ने आपके जीवन को अधिक समृद्ध बनाया है। इस अर्थ में, पूरा संसार आपका मित्र और शिक्षक है। जिन्हें आप शत्रु मानते हैं, वे भी मित्र हैं, क्योंकि उन्होंने आपको सावधान रहना सिखाया और आपके भीतर छिपी क्षमताओं को उभारा। नव वर्ष के दिन, एक फूल अर्पित करके बीते वर्ष को ईश्वर को समर्पित कर दीजिए। पिछले वर्ष से बिना किसी पछतावे, क्रोध और तनाव के केवल सीख लेकर आगे बढ़िए। जब हमारी इच्छाएं और कर्म ज्ञान की शक्ति से भरे होते हैं, तो जीवन में केवल आनंद और सुख होता है। ज्ञान के बिना हमारी इच्छाएँ कमज़ोर पड़ जाती हैं, योजनाएँ साधारण हो जाती हैं, और अनिश्चितता छा जाती है। सामान्यतः आप उत्सव में खो जाते हैं। लेकिन जब समय आपकी उपस्थिति को मनाता है, तो आप उत्सव के दौरान भी साक्षी बने रहते हैं। जब आप अपने स्त्रोत से जुड़े रहते हैं, तो आप जीवन को ही उत्सव बना देते हैं। ज्ञान में समय बिताएँ, तब आपके अन्य सभी कार्य और योजनाएँ सुदृढ़ होंगी और अधिक प्रभावी बनेंगी। जब हम ध्यान और ज्ञान के माध्यम से अपने स्त्रोत से जुड़े रहते हैं, तो जीवन स्वयं एक सतत उत्सव बन जाता है। इसलिए, इस नव वर्ष केवल वर्ष का उत्सव मत मनाइए, नव वर्ष को आपको मनाने दीजिए। यदि वह आपके लिए शुभता लाना चाहता है, तो आने दीजिए। यह उसका कर्म है। आपका कर्म हर क्षण को उत्सव में बदलते हुए उपस्थित रहना, संसार में योगदान देना, और मुस्कराते रहना है।

2025 में रुला गए

माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा। पति चौधरी मित्रसेन जी आर्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर माताजी ने समाज सेवा और आर्य समाज के लिए कार्य किया। समाज को राह दिखाई और हजारों-लाखों के लिए मां बन गईं।

माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा

माता परमेश्वरी देवी का जाना शिक्षा समाज व आर्य समाज के लिए बड़ी क्षति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बीते वर्ष सिंधु परिवार ही नहीं बल्कि आर्य समाज और देशभर के लिए बड़ी क्षति हुई। 20 जून को वैदिक पथ के पथिक स्वर्गीय चौ. मित्रसेन आर्य की अर्धांगिनी और प्रख्यात उद्योगपति रुद्रसेन, हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत छह पुत्रों और तीन पुत्रियों की माता श्रीमती परमेश्वरी देवी का निधन हुआ। उनका निधन सामाजिक क्षति के साथ शिक्षा के क्षेत्र के एक वट वृक्ष के गिरने जैसा था। उनका जीवन आर्य समाज के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रहा। माता द्वारा प्रदान किए गए संस्कारों के कारण ही सिंधु परिवार और सिंधु भवन में देश की महान आर्य और वैदिक संस्कृति के दर्शन होते हैं। उनके निर्देशन में हरियाणा, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में शुरू किए गए गुरुकुल आज भी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। माता परमेश्वरी का जीवन वेदों पर आधारित, नारी उत्थान और सामाजिक सुधार के प्रति समर्पित रहा। पति चौधरी मित्रसेन जी आर्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर माताजी ने समाज सेवा और आर्य समाज के लिए कार्य किया। समाज को राह दिखाई और हजारों-लाखों के लिए मां बन गईं। समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लगातार आवाज उठाई और महिलाओं को शिक्षा व आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि में माता परमेश्वरी देवी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। माता परमेश्वरी देवी का पूरा जीवन सेवा, संस्कार और सामाजिक मूल्यों को समर्पित रहा। आर्य समाज के सिद्धांतों से प्रभावित होकर उन्होंने परिवार में अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्रप्रेम के बीज बोए।

आर्य समाज और गुरुकुल की स्तंभ

माता परमेश्वरी देवी को आर्य समाज और गुरुकुल शिक्षा पद्धति के लिए एक सशक्त स्तंभ के रूप में देखा जाता था। गांव से लेकर शहर तक, उन्हें एक धर्मपरायण, सरल और करुणामयी महिला के रूप में याद किया जाता है। उनके समय में घर में आने या कहीं मिलने पर लोगों को मां के समान स्नेह व आशीर्वाद मिलता था, जो एक छाप छोड़ जाता था। इसका प्रभाव यह रहा कि उनकी अंतिम यात्रा में श्रद्धांजलि देने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर को उनके बेटों के साथ कंधा देते हुए वेदी तक लेकर गए। स्वामी रामदेव के अलावा आचार्य बालकृष्ण, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मवीर सिंह सहित अनेक राजनेता, सामाजिक संगठनों तथा साधु-संत श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का चले जाना

23 दिसंबर को कह गए अलविदा

अपने काव्य संग्रह और उपन्यासों से हिंदी पाठकों को हर बार चकित करने वाले विनोद कुमार शुक्ल ने अपनी संवेदनशील एवं 'जादुई यथार्थ' के आसपास वाली लेखन शैली से साहित्य जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया था। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार एवं साहित अकादमी जैसे शीर्षस्थ पुरस्कार प्राप्त करने के बावजूद उनकी लिखने की ललक तनिक भी कम नहीं हुई थी। छत्तीसगढ़ के इस प्रसिद्ध साहित्यकार का 23 दिसंबर को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। शुक्ल ने अपनी उपन्यास त्रयी 'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे' और 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' के माध्यम से हिंदी साहित्य जगत में एक ऐसी जमीन तोड़ी जिसके कारण वह समालोचकों ही नहीं पाठकों के भी रातों रात पसंदीदा रचनाकार बन गए। शुक्ल को 59 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उनके रायपुर स्थित निवास पर आयोजित एक समारोह में उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस वर्ष एक नवंबर को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया था तब उन्होंने शुक्ल और उनके परिवार से बात की थी तथा उनके स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के बारे में जानकारी ली थी। शुक्ल पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में भी भर्ती रहे थे। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक जनवरी 1937 को जन्मे विनोद कुमार शुक्ल हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार थे, जो बहुत धीमे बोलते थे, लेकिन साहित्य की दुनिया में उनकी आवाज बहुत दूर तक सुनाई देती थी। उन्होंने मध्यमवर्गीय, साधारण और लगभग अनदेखे रह जाने वाले जीवन को शब्द देते हुए हिंदी में एक बिल्कुल अलग तरह की संवेदनशील, न्यूनतम और जादुई दुनिया रची। उनका पहला कविता संग्रह 'लगभग जय हिन्द' 1971 में आया और वहीं से उनकी विशिष्ट भाषिक बनावट, चुप्पी और भीतर तक उतरती कोमल संवेदनाएं हिंदी कविता में दर्ज होने लगीं।

यादों में रहेंगे ये नाम

पद्मश्री हास्य कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे

बेमेतरा जन्मे डॉ. सुरेंद्र दुबे, आयुर्वेदिक चिकित्सक और कवि, 26 जून 2025 को हमारे बीच नहीं रहे। वे हंसी और शब्दों के माध्यम से जीवन की विसंगतियों को उजागर करते थे और हास्य के जरिए सोचने पर मजबूर करते थे। पद्मश्री सम्मानित दुबे छत्तीसगढ़ी और हिंदी साहित्य की एक महत्वपूर्ण आवाज थे, जिनके मंचों पर ठहाके अब याद बनकर रह गए हैं।

अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित

6 नवंबर 2025 को रायगढ़ में जन्मी सुलक्षणा पंडित का निधन हो गया। उन्होंने संगीत और अभिनय दोनों में अपनी पहचान बनाई। गीत "तू ही सागर है, तू ही किनारा" आज भी याद किए जाते हैं। 70-80 के दशक की फिल्मों में उनकी सादगी और संवेदना दर्शकों को भाती थी। फिल्मफेयर सम्मानित यह कलाकार निजी जीवन के उतार-चढ़ाव के बावजूद कला के प्रति ईमानदार रही।

सतीश शाह सादगी में छिपा हास्य

सतीश शाह का 25 अक्टूबर 2025 को 74 वर्ष की आयु में निधन हुआ। फिल्मों और 'साराभाई vs साराभाई' जैसे टीवी शोज में उन्होंने साबित किया कि बिना ऊँची आवाज के भी गहरी कॉमेडी की जा सकती है।

मनोज कुमार

'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार का 4 अप्रैल 2025 को 87 वर्ष की आयु में निधन हुआ। 1960-70 के दशक में उन्होंने हिंदी सिनेमा को देशभक्ति की नई पहचान दी।

धर्मेंद्र

धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और गंभीर अभिनय, हर दौर में प्रासंगिक रहे धर्मेंद्र का जाना हिंदी सिनेमा के एक जीवंत अध्याय का अंत लगा।

गोवर्धन असरानी

असरानी, जिन्हें लोग सिर्फ उनके नाम से पहचानते थे, का 20 अक्टूबर 2025 को 84 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। 'शोले' के जेलर से लेकर 70-90 के दशक की अनगिनत कॉमिक भूमिकाओं तक, वे बॉलीवुड के सबसे प्रिय चरित्र कलाकारों में रहे।

विज्ञापन
गृह मंत्रालय
कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक
छत्तीसगढ़ सेक्टर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नया रायपुर (छत्तीसगढ़)

विज्ञापन सूचना संख्या.आर. दो- 06/2025- प्रशासन-5-छ.से. दिनांकः 31 दिसम्बर 2025

सूचना

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुबल) में सिपाही (सामान्य ड्यूटी) के पद पर छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर और सुकमा जिलों से 300 मूल निवासी आदिवासी युवकों की भर्ती। यह भर्ती प्रक्रिया नवंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक आयोजित की गई।

निम्नलिखित उम्मीदवारों ने केरिपुबल में सिपाही (सामान्य ड्यूटी) के पद के लिए अंतिम रूप के अर्हता प्राप्त की हैः-

जिला-बीजापुर, छत्तीसगढ़					
रोल नंबर					
पुरुष उम्मीदवार					
BIJ/2025/2059	BIJ/2025/0505	BIJ/2025/0104	BIJ/2025/1311	BIJ/2025/1365	BIJ/2025/1586
BIJ/2025/2548	BIJ/2025/0464	BIJ/2025/0337	BIJ/2025/3882	BIJ/2025/2493	BIJ/2025/1833
BIJ/2025/2130	BIJ/2025/3503	BIJ/2025/2646	BIJ/2025/2041	BIJ/2025/0445	BIJ/2025/2525
BIJ/2025/3076	BIJ/2025/2490	BIJ/2025/1291	BIJ/2025/2674	BIJ/2025/2960	BIJ/2025/2937
BIJ/2025/2101	BIJ/2025/0560	BIJ/2025/1571	BIJ/2025/0771	BIJ/2025/1656	BIJ/2025/2994
BIJ/2025/2922	BIJ/2025/1661	BIJ/2025/2456	BIJ/2025/1396	BIJ/2025/0801	BIJ/2025/3602
BIJ/2025/0446	BIJ/2025/3388	BIJ/2025/1285	BIJ/2025/1629	BIJ/2025/2620	BIJ/2025/1135
BIJ/2025/1259	BIJ/2025/2452	BIJ/2025/3384	BIJ/2025/3582	BIJ/2025/2376	BIJ/2025/0528
BIJ/2025/2492	BIJ/2025/0506	BIJ/2025/2981	BIJ/2025/2504	BIJ/2025/0006	BIJ/2025/1144
BIJ/2025/0997	BIJ/2025/2822	BIJ/2025/2053	BIJ/2025/0119	BIJ/2025/1160	BIJ/2025/1247
BIJ/2025/0689	BIJ/2025/2468	BIJ/2025/2791	BIJ/2025/3357	BIJ/2025/1044	BIJ/2025/2813
BIJ/2025/2441	BIJ/2025/1569	BIJ/2025/3707	BIJ/2025/0806	BIJ/2025/0761	BIJ/2025/2641
BIJ/2025/2439	BIJ/2025/2188	BIJ/2025/0471	BIJ/2025/2420	BIJ/2025/2649	BIJ/2025/3245
BIJ/2025/1232	BIJ/2025/2881	BIJ/2025/2049	BIJ/2025/1926	BIJ/2025/0745	BIJ/2025/3555
BIJ/2025/2505	BIJ/2025/3618	BIJ/2025/2770	BIJ/2025/3079	BIJ/2025/1134	BIJ/2025/1764
BIJ/2025/1759	BIJ/2025/1855	BIJ/2025/0441	BIJ/2025/3050	BIJ/2025/0040	BIJ/2025/1876
BIJ/2025/0074	BIJ/2025/1279	BIJ/2025/3604	BIJ/2025/1421	BIJ/2025/2970	BIJ/2025/0325
BIJ/2025/3469	BIJ/2025/1394	BIJ/2025/3590	BIJ/2025/0995	BIJ/2025/1991	BIJ/2025/1771
BIJ/2025/2973	BIJ/2025/2069	BIJ/2025/1483	BIJ/2025/1538	BIJ/2025/3570	BIJ/2025/1959
BIJ/2025/0050	BIJ/2025/0048	BIJ/2025/1363	BIJ/2025/1477	BIJ/2025/2737	BIJ/2025/2170
BIJ/2025/2568	BIJ/2025/2393	BIJ/2025/0871	BIJ/2025/1033	BIJ/2025/1374	BIJ/2025/2373
महिला उम्मीदवार					
BIJ/2025/3046	BIJ/2025/1791	BIJ/2025/0018	BIJ/2025/0873	BIJ/2025/3112	BIJ/2025/0248
BIJ/2025/2592	BIJ/2025/1490	BIJ/2025/1769	BIJ/2025/2034	BIJ/2025/2058	BIJ/2025/3088
BIJ/2025/2638	BIJ/2025/0986	BIJ/2025/2608	BIJ/2025/0216	BIJ/2025/1429	BIJ/2025/0076
BIJ/2025/0105	BIJ/2025/1744	BIJ/2025/1734	BIJ/2025/2656		
जिला-सुकमा छत्तीसगढ़					
रोल नंबर					
पुरुष उम्मीदवार					
SUK/2025/1699	SUK/2025/1318	SUK/2025/1798	SUK/2025/1909	SUK/2025/0214	SUK/2025/1609
SUK/2025/0186	SUK/2025/1346	SUK/2025/1251	SUK/2025/0270	SUK/2025/1530	SUK/2025/1217
SUK/2025/1877	SUK/2025/0961	SUK/2025/1037	SUK/2025/0262	SUK/2025/0090	SUK/2025/0658
SUK/2025/1279	SUK/2025/1116	SUK/2025/0174	SUK/2025/0795	SUK/2025/0023	SUK/2025/0611
SUK/2025/0318	SUK/2025/0051	SUK/2025/0283	SUK/2025/0185	SUK/2025/1446	SUK/2025/0162
SUK/2025/0319	SUK/2025/1234	SUK/2025/1946	SUK/2025/0178	SUK/2025/0471	SUK/2025/1527
SUK/2025/0281	SUK/2025/1011	SUK/2025/0173	SUK/2025/0289	SUK/2025/0027	SUK/2025/0126
SUK/2025/1129	SUK/2025/1267	SUK/2025/0549	SUK/2025/1418	SUK/2025/1001	SUK/2025/0165
SUK/2025/1628	SUK/2025/0239	SUK/2025/0768	SUK/2025/1184	SUK/2025/0274	SUK/2025/1411
SUK/2025/1278	SUK/2025/0524	SUK/2025/1539	SUK/2025/0195	SUK/2025/1092	SUK/2025/1335
SUK/2025/1383	SUK/2025/0142	SUK/2025/1282	SUK/2025/0328	SUK/2025/0209	SUK/2025/1143
SUK/2025/0577	SUK/2025/0169	SUK/2025/0136	SUK/2025/0585	SUK/2025/0709	SUK/2025/0074
SUK/2025/1115	SUK/2025/0211	SUK/2025/0905	SUK/2025/0334	SUK/2025/0761	SUK/2025/0332
SUK/2025/0116	SUK/2025/1004	SUK/2025/0569	SUK/2025/0310	SUK/2025/0064	SUK/2025/1826
SUK/2025/1262	SUK/2025/1302	SUK/2025/0584	SUK/2025/0314	SUK/2025/0243	SUK/2025/0200
SUK/2025/0144	SUK/2025/0311	SUK/2025/1027	SUK/2025/0110	SUK/2025/0603	SUK/2025/0691
SUK/2025/1364	SUK/2025/0317	SUK/2025/0307	SUK/2025/0042	SUK/2025/0208	SUK/2025/1295
SUK/2025/1409	SUK/2025/0421	SUK/2025/1591	SUK/2025/1528	SUK/2025/0003	SUK/2025/1718
SUK/2025/0960	SUK/2025/0933	SUK/2025/0277	SUK/2025/0241	SUK/2025/0010	SUK/2025/1564
SUK/2025/0981	SUK/2025/0541	SUK/2025/0497	SUK/2025/0537	SUK/2025/1031	SUK/2025/1110
SUK/2025/0330	SUK/2025/0081	SUK/2025/1904	SUK/2025/0101	SUK/2025/1202	SUK/2025/1494
SUK/2025/0522	SUK/2025/1511	SUK/2025/1112			
महिला उम्मीदवार					
SUK/2025/10553	SUK/2025/10846	SUK/2025/10516	SUK/2025/10769	SUK/2025/10051	SUK/2025/10323
SUK/2025/10318	SUK/2025/10071	SUK/2025/10260	SUK/2025/10166	SUK/2025/10414	SUK/2025/10322
SUK/2025/10503	SUK/2025/10816	SUK/2025/10415	SUK/2025/10433	SUK/2025/10869	SUK/2025/10605
SUK/2025/10016	SUK/2025/10752	SUK/2025/10440	SUK/2025/10899	SUK/2025/10012	

टिप्पणी

- यह नियुक्ति का प्रस्ताव नहीं है, बल्कि यह केवल अंतिम रुप से योग्य सूची है और नियुक्ति का दावा करने का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती हैं।
- चरित्र और पूर्ववृत्त के सत्यापन से मंजूरी के उपरांत नियुक्ति प्रस्ताव अलग से जारी किया जाएगा।
- अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर हैः - जिला - बीजापुर- 07853220329 & 6264915190, जिला- सुकमा -07864-299016 & 9424156332
- केरिपुबल की वेवसाइटों-https://crpf.gov.in और https://crpf.gov.in/chhattisgarh-sector-hi.htm पर भी "परिणाम" प्रकाशित किया गया है।

महानिरीक्षक
छत्तीसगढ़ सेक्टर, केरिपुबल,
नया रायपुर, छत्तीसगढ़

चिंतन

2026 में भी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2025 में हर मोर्चे पर सफलता हासिल की और सबसे तेज गति से आगे बढ़ती रही। हाल ही में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब भारत से आगे सिर्फ जर्मनी, चीन और अमेरिका ही हैं। वहीं, दुनिया की बड़ी आर्थिक संस्थाओं ने भारत की जीडीपी की चमकीली तस्वीर दिखाई है। अगर इसी गति से भारत आगे बढ़ता रहा तो अगले ढाई से तीन साल में जर्मनी को पछाड़ देगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। बता दें कि साल 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2% रहा है। यह दिखाता है कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। भारत ने महंगाई पर काबू पाया। वहीं, बेरोजगारी दर भी कम हुई। जीएसटी में छूट देने से लोगों के पास पैसा आया और भारतीय अर्थव्यवस्था ने नया मुकाम हासिल किया। तमाम रेटिंग एजेंसियों का मानना है कि 2026 में भी भारत जी-20 देशों में सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा। नवंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 0.71% पर आ गई। वहीं, नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर 4.7% रह गई है, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। देश में ग्रोथ रेट ऊंची है और महंगाई बेहद कम, इसे 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' कहा जाता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की रफ्तार से बढ़ेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, कर कटौती और ब्याज दरों में कमी से प्रेरित होगी। मूडीज ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक अनुमान लगाया है। एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में 6.5% की वृद्धि दर रहेगी। यह वृद्धि घरेलू मांग, निर्यात बाजारों में विविधीकरण और अनुकूल मौद्रिक नीति रुख से समर्थित होगी। मूडजी का अनुमान है कि भारत जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। फिच ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7.4% ग्रोथ का अनुमान जताया है। एडीबी ने भी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 7.2% कर दिया है, जो मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और बढ़ते निवेश के कारण है। वहीं, विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत की जीडीपी बढ़ोतरी 2026 में 6.5 फीसदी हो सकती है। बता दें कि भारत की जीडीपी का कुल वैल्यूएशन अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब 350 लाख करोड़) हो गया है। जापान को पीछे छोड़ने के बाद अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा और साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (655 लाख करोड़) की इकोनॉमी के साथ दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रोथ ट्रेंड को देखते हुए पूरे साल के लिए इसका अनुमान 6.8% से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकास करने की तैयारी में है। वहीं सरकार का कहना है कि भारत 2047 तक उच्च मध्यम-आय वाला देश बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। महंगाई अभी नियंत्रण में है और तय सीमा से नीचे है। बेरोजगारी धीरे-धीरे कम हो रही है और देश के निर्यात में लगातार सुधार हो रहा है।

समरसता
अरविंद जयतिलक

नववर्ष पर मानवता का संकल्प लें

> यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी हैं और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम नववर्ष पर नव संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों, ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है।

वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे धकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है। आइए, हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बनें। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रूप देने की जरूरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरूरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं। उन्हें स्वेटर, गर्म कपड़े और जूते-मोजे और पाठ्य-पुस्तकें देकर उनकी चुनौतियों को कम कर सकते हैं। कई छोटे-बड़े स्वयंसेवी संगठन इस पुनीत कार्य में जुटे हैं। अगर यहीं कार्य हर संपन्न व्यक्ति के स्तर से हो तो समाज के अभावग्रस्त लोगों की जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा हो तो समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। यह सकारात्मक संदेश रूपी ऊर्जा ही किसी राष्ट्र को दुनिया के अग्रिम देशों की कतार में खड़ा करती है। उसके सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है। अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। अच्छी बात है कि केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम हर वर्ष

लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद कर देते हैं। घर में बचे भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिलजुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती हैं। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरूकता की कमी है। हम चाहें तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं।

विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गई है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार हैं। आइए हमलोग संकल्प लें कि इस वर्ष प्रदूषण न कर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। प्रदूषण की तरह गंदगी भी एक भीषण समस्या है। गंदगी के कारण विभिन्न किस्म के रोग उत्पन्न होते हैं। इन रोगों से निपटने के लिए सरकार हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। गंदगी मिटाने के लिए देश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमलोग नए साल में समूहबद्ध होकर अपने आसपास की गंदगी को साफ करने और वातावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प ले सकते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो बीमारियो पर खर्च होने वाली राशि को शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मदों में खर्च किया जा सकता है। देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। बिडंबना है कि युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति कम होने के बजाए बढ़ रही है। विगत दशकों में हर छोटे-बड़े समारोहों में शराब सेवन का प्रचलन बढ़ा है। इससे युवाओं का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। साथ ही घर-परिवार का माहौल भी दूषित हो रहा है। शराब सेवन के कारण समाज में अपराध और बलात्कार जैसी बुराइयां बढ़ रही हैं। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और धूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए। भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है। जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। अभी गत वर्ष ही देश में कुछ नीतिगत मसलों पर व्यापक स्तर पर हिंसा और उपद्रव देखने को मिला। इस उपद्रव में बड़े पैमाने पर युवा चेहरे शामिल देखे गए। यह ठीक नहीं है। राष्ट्र निर्माण में युवा ऊर्जा का उपयोग होना चाहिए न कि नकारात्मक कार्यों में। युवाओं को भी समझना होगा कि वे राष्ट्र की पूंजी है और उनका नकारात्मक इस्तेमाल न होने पाए। सच तो यह है कि युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। आइए, हम इस नए वर्ष में भारत देश व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन

ममता कुशवाहा

नववर्ष : शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्माण का समय

अंग्रेजी कैलेंडर में 1 जनवरी के साथ ही नए साल की शुरुआत हो जाती है। यह पश्चिमी उत्सव अन्य लोगों के साथ-साथ विद्यार्थियों के जीवन में भी कुछ नया संकल्प देने का काम करता है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह समय होता है जब उनके सपने आकार लेने लगते हैं और भविष्य की दिशा तय होने लगती है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक गठरी छोड़कर विदा होता है, कुछ अनुभव सफलता के होते हैं, जो आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के होते हैं, जो जीवन की महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, संकल्प और आत्मविकास की राह पर आगे बढ़ने का संदेश लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के समन्वय से की जाए, तो यह केवल एक नया साल नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त नींव बन सकता है। नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के समय में विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों की होड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ क्षण ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा, कहाँ वे सफल रहे, कहाँ उनसे चूक हुई, किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, इन सभी प्रश्नों पर विचार करना आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, जिससे उनका आगे का सफर अधिक स्पष्ट और सार्थक बनता है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है। विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो जाता है। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकाव से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनमें ज्ञान अर्जन, कौशल विकास, अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। नववर्ष यह सिखाता है कि लक्ष्य जितने स्पष्ट होंगे, प्रयास उतने ही केंद्रित होंगे और परिणाम उतने ही संतोषजनक प्राप्त होंगे। आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज के समय में अत्यंत आवश्यक हो चुके हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें, ताकि वे केवल परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों में भी सफल हो सकें। विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, किंतु वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते और समय व्यर्थ कर देते हैं। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थी अपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तब वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना मित्र बनाया जाए, न कि शत्रु। शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

नववर्ष केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है- स्वयं को बेहतर बनाने का, शिक्षा को जीवन से जोड़ने का और कौशल के माध्यम से भविष्य को सशक्त बनाने का।नववर्ष यह याद दिलाता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से शुरू होता है। जब विद्यार्थी शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के साथ नववर्ष का स्वागत करते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं रह जाता, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त शुरुआत बन जाता है।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं

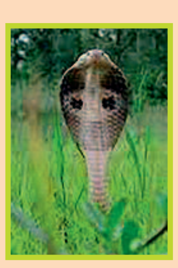

संकलित
दर्शन

सामान्यतया सर्प अपनी भयंकरता के लिए जाने जाते हैं। पर दो बड़े देवता उन्हें अंगीकार किए हुए हैं। एक तो संसार के पालक विष्णु जी, जो उन्हें अपनी शय्या बनाए हुए हैं और दूसरे देवों के देव भगवान शंकर, जो उन्हें हारतुल्य कंठ में डाले हुए हैं। फिर वे पूज्य क्यों न माने जाएं? सर्प पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। कृषि के शत्रु और मानवता के क्षतिकारक चूहों व कीट आदि का भक्षण करते रहते हैं और विष को आत्मसात करते हैं। दंश वे तभी देते हैं, जब दब-कुचल जाएं या उन्हें ऐसा कोई भ्रम हो जाए। वे अनेक औषधियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। सर्पों की अनेक प्रजातियां विषहीन भी होती हैं। शास्त्रों के अनुसार, वे शेषनाग के रूप में पृथ्वी को धारण करते हैं और वासुकि के रूप में कष्ट उठाकर समुद्र मंथन में रज्जु का काम करते हैं। रावण जैसे राक्षसों के संहार में शेषावतार लक्ष्मण रूप से श्रीराम की सहायता करते हैं। वराह पुराण के अध्याय 24 में एक कथा आई है। सर्पगण कश्यप ऋषि व उनकी पत्नी कद्रू की संतान हैं। उनसे अनंत, वासुकि, कंबल, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख, कुलिक, पापराजिल आदि सर्प हुए। ये गरुड़ के सौतेले भाई हैं, जो ऋषि की अन्य पत्नी विनता से जन्मे। जब ये मानवता को कष्ट देने लगे, तो ब्रह्मा जी ने वासुकि आदि को बुलवा कर डांटा और अभिशप्त किया। सर्पों द्वारा अनुनय-विनय करने पर उन्हें रहने के स्थान सीमित किए और काटने की भी सीमा रेखाएं खींची। यह सारा वृत्तांत पंचमी तिथि को हुआ। मान्यता है कि इस दिन उनकी पूजा-अर्चना से मानव को सर्प भय से मुक्ति मिल जाती है।

अहंकारी व्यक्ति ही समस्याओं का कारण

संकलित
प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

सर्दियों की एक सुबह

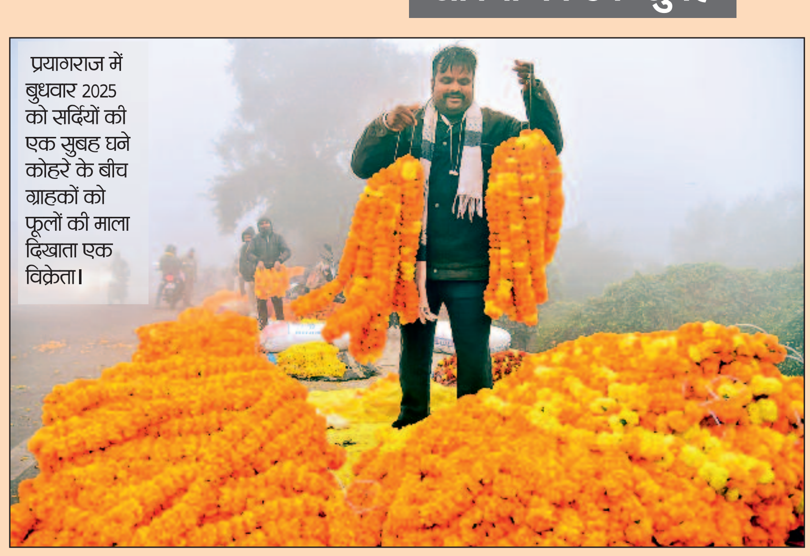

प्रयागराज में बुधवार 2025 को सर्दियों की एक सुबह घने कोहरे के बीच ग्राहकों को फूलों की माला दिखाता एक विक्रेता।

आज की पाती

प्रधानमंत्री की दवाओं को लेकर नेक सलाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार के रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' में विभिन्न मुद्दों पर बात की, लेकिन उन्होंने हमें दवाइयों के प्रयोग को लेकर जो सलाह दी वो बहुत ही अच्छी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं करना चाहिए। हमें इस पर जरूर अमल गंभीरता से करना चाहिए, ताकि दवाइयों का प्रयोग हमें स्वस्थ करे, न कि और बीमार करे। एंटीबायोटिक का अत्यधिक इस्तेमाल जिंदगी को खतरा भी है। दुनिया के दूसरे देशों में देशी इलाज के साधन नहीं है, इसलिए वहां तो एंटीबायोटिक का अत्यधिक और अनावश्यक प्रयोग होना स्वाभाविक है, लेकिन अफसोस यह है कि भारत में भी कई बार डाक्टरों की सलाह नहीं ली जाती है। *- साकेत वर्मा, रायगढ़*

ट्रेंड

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या की पावन धरा पर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। इस पावन अवसर पर सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन! समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्र सेवा में अग्रसर

जिसने राम, रामराज्य और अयोध्या–अवध के विकास का साथ दिया, वे आज प्रभु की कृपा से राष्ट्र सेवा में अग्रसर हैं। जिन्होंने संतों, वैरागियों और नागा साधुओं पर गोलियाँ चलवाईं तथा त्याग और तपस्या को कुचलने का पाप किया, उनकी स्थिति भी आज पूरी दुनिया देख रही है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

वंदे भारत स्लीपर

रेल सुरक्षा आयुक्त ने वंदे भारत स्लीपर का परीक्षण किया। यह कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हमारे स्वयं के जल परीक्षण ने इस ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

- अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल मंत्री

प्रेरणा स्थल का खाना

भाजपा सरकार इसका जवाब दे कि प्रेरणा स्थल पर जो खाना बाँटा गया था वो इतना ख़राब क्यों था कि सुबह से भूखे लोगों ने बिना खाए ही फेंक दिया, बाद में जिसे खाकर 150 भेड़ों की मौत हो गयी। ये एक संगीन मामला है। इसकी जाँच हो।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

पाक 2026 में पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश होगा

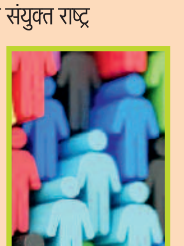

पाकिस्तान 2026 में दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जिसकी आबादी 22.5 करोड़ से अधिक होगी। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने जनसंख्या प्रबंधन के लिए एक रणनीतिक, अधिकार–आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, सतत लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ये वास्तविकताएं जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के एक रणनीतिक चालक के रूप में देखने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। यूएनएफपीए ने उच्च जनसंख्या वृद्धि और प्रजनन दर, लगातार जारी लैंगिक असमानता और बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया। उसने कहा कि ये वास्तविकताएं इस बात को रेखांकित करती हैं कि जनसंख्या को बोझ के रूप में नहीं बल्कि सतत और समावेशी विकास के लिए अहम मानना चाहिए। यूएनएफपीए ने 2026 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय योजना और वित्तीय प्रावधानों, विशेष रूप से राष्ट्रीय वित्त आयोग फॉर्मूला में जनसंख्या को प्रतिबिंबित करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

ऑफ बीट

बीयर का कानून पर असर और कानून का बीयर पर

कानून बीयर को प्रभावित करता है और बीयर कानून को। दोनों के बीच का संबंध जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक गहरा है। हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'बीयर लॉ' में इस आपसी रिश्ते को रेखांकित किया गया है। गर्मियों की छुट्टियों में ठंडी बीयर का आनंद लेते समय, इन पहलुओं पर भी गौर किया जा सकता है। आम तौर पर माना जाता है कि मानव समाज शिकारी–संग्रहकर्ता जीवन से खेती और स्थायी बसावट की ओर इसलिए बढ़ा ताकि अनाज से रोटी और दलिया बनाया जा सके। लेकिन आधुनिक विज्ञान संकेत देता है कि शुरुआती दौर में फसलें भरोसेमंद खाद्य स्रोत नहीं थीं। माना जा रहा है कि शराब, विशेषकर बीयर के एक प्रारूप के उत्पादन के लिए ही हमारे पूर्वज किसान बने। ऐसे में कहा जा सकता है कि मानव सभ्यता के विकास में बीयर ने अहम भूमिका निभाई। कभी बेहद सख्त थे बीयर से जुड़े कानून कम से कम 13,000 वर्षों से बीयर बनाई जा रही है और बीयर कानून भी उतना ही पुराना विषय है। लगभग 4,000 वर्ष पहले, 1755–1751 ईसा पूर्व के बेबीलोनियन हम्मूराबी संहिता में बीयर परोसने के नियम थे। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई बीयर विक्रेता उसमें पानी मिलाता पाया जाता, तो उसे डुबोकर मारने का प्रावधान था।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771–4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

नई चुनौतियां, नए सपने, भारतीय खेलों के लिए इम्तिहान-2026

जून में महिला टी20 विश्व कप

जून में महिला टी20 विश्व कप होगा, जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी, जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

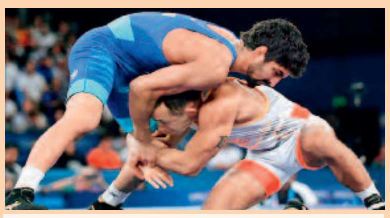

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैंपियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप होगी, जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है ।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, जिसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। नए साल के खेल कैलेंडर पर एक नजर।

सिंधू पर रहेगी नजर

बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैंपियनशिप 3 मार्च से शुरू होगी, जिसमें पीवी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉलप्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से आस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा नया साल

राष्ट्रमंडल खेल और हॉकी विश्व कप

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा।

क्रिकेट में होंगे तीन विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से 1 फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है।

दूसरी तिमाही में शतरंज और मुक्केबाजी टूर्नामेंट

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिससे विश्व चैंपियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के गुकेश विश्व चैंपियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे, जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप 1 से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी । इसके बाद 24 अप्रैल से 3 मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा, जिसके लिए भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है।

खबर संक्षेप

टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान, नवीन की वापसी

काबुल। अफगानिस्तान ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज नवीन उल हक और ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को शामिल किया है। स्टार स्पिनर राशिद खान टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे जबकि इब्राहिम जदरान को उप कप्तान बनाया गया है। नवीन कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 दिसंबर में खेला था। नायब और तेज गेंदबाज फजलहक फारुकी को अक्टूबर में बांग्लादेश के सफेद गेंद के दौरे से बाहर कर दिया गया था, दोनों को टीम में जगह मिली है। मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने कहा, 'हमने पिछले कुछ दिनों में चर्चा के बाद टीम को अंतिम रूप दिया। गुलबदीन नायब बड़े मैच के खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी से हमारी टीम को मजबूती मिलेगी।

बेंगलुरु ओपन के लिए प्रजवल को वाइल्ड कार्ड

बेंगलुरु। भारतीय टेनिस स्टार प्रजवल देव को पांच से 11 जनवरी के बीच होने वाले दसवें बेंगलुरु ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। प्रजवल ने भुवनेश्वर में पिछले महीने आईटीएफ विश्व टेनिस टूर एम15 टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब जीता था। बेंगलुरु ओपन को पिछले साल एटीपी चैलेंजर 125 स्तर का टूर्नामेंट बनाया गया और इसकी ईनामी राशि 225000 डॉलर है। इसमें एकल चैंपियन को 125 एटीपी रैंकिंग अंक मिलते हैं।

अफरीदी का टी20 विश्व कप खेलना संदिग्ध

कराची। पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी चोट के कारण आस्ट्रेलिया से स्वदेश लौटेंगे और उनका भारत और श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध है। शाहीन को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिए बुला लिया है। उन्हें बिग बैश लीग में ब्रिसबेन हीट के लिए फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। बीबीएल में पदार्पण कर रहे शाहीन का प्रदर्शन औसत रहा है। वह 2021-22 में घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय क्रिकेट से दूर रहे थे। पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बातचीत के बाद उन्हें वापिस बुलाया गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी में 75 गेंद में बनाए 157 रन

सरफराज ने खेली तूफानी शतकीय पारी, जड़े 9 चौके और 14 छक्के

एजेंसी ▶▶| जयपुर

जयपुर में गोवा और मुंबई के बीच खेले जा रहे विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में मुंबई की तरफ से खेलते हुए सरफराज खान ने विस्फोटक शतकीय पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले चयनकर्ताओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

गोवा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। मुंबई के लिए यशस्वी जायसवाल और अंगकृष रघुवंशी पारी की शुरुआत करने आए थे। अंगकृष 18 गेंद पर 11 और यशस्वी 64 गेंद पर 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर मुशीर खान और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सरफराज खान ने मोर्चा संभाला। दोनों भाइयों ने गोवा के गेंदबाजों की धुनाई शुरू की।

56 गेंदों पर किया शतक पूरा

मुशीर 66 गेंद पर 60 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन सरफराज खान कुछ अलग करने के इरादे से बल्लेबाजी करने उतरे थे। 56 गेंदों पर शतक पूरा करने वाले सरफराज खान ने 75 गेंदों पर 14 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 157 रन की विस्फोटक और आकर्षक पारी खेली। इस पारी के दम पर मुंबई ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 444 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तामोरे ने 28 गेंद पर 53 और कप्तान शार्दुल ठाकुर ने 8 गेंद पर 27 रन की पारी खेली।

ऋतुराज ने खेली शतकीय पारी

महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने उत्तराखंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली। जयपुर में खेले गए मैच में महाराष्ट्र ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। पावरप्ले में ही तीन विकेट जल्दी गिर गए और टीम 50 रन पर तीन विकेट खो चुकी थी। 46 रन पर दो विकेट गिरने के बाद कप्तान ऋतुराज खुद मैदान पर उतरे। उन्होंने धैर्य से पारी खेली और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऋतुराज ने 113 गेंदों पर 124 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और तीन छक्के शामिल थे। क्रीज पर रहते हुए उन्होंने तीन महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। पहले पूर्व सीएसके साथी राहुल त्रिपाठी के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों पर 50 रन जोड़े। फिर सत्यजीत बच्चव के साथ 88 गेंदों पर 109 रनों की साझेदारी की। आखिर में रामकृष्ण घोष के साथ सिर्फ 57 गेंदों पर 94 रन ठोक दिए।

जोबर्ग सुपर किंग्स ने डीएसजी को 6 विकेट से हराया

डरबन। हरफनमौला प्रेनेलन सुब्रायेन की गेंदबाजी और रिली रोसोयू की शानदार बल्लेबाजी के दम पर जोबर्ग सुपर किंग्स ने एसए 20 लीग में डरबन सुपर जाइंट्स को एक बोनस अंक के साथ छह विकेट से हराया। सुपर किंग्स ने डरबन टीम का 86 रन का स्कोर 12.2 ओवर में छह विकेट बाकी रहते हासिल कर लिया। अब इस जीत के बाद वे सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बाद दूसरे स्थान पर हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसी का आफ स्पिनर सुब्रायेन के साथ गेंदबाजी क आगाज का फैसला सही साबित हुआ, जिन्होंने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। फॉर्म में चल रहे डेवोन कोंवे को सुब्रायेन ने पहले ही ओवर में आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन और जोस बटलर भी पावरप्ले के भीतर चले गए। विकेटकीपर डोनोवान फरेरा को मैथ्यू डिविलियर्स ने पवेलियन भेजा। डरबन के कप्तान एडेन मार्क्रम 27 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हो गए।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

ब्रूक और स्टार्क को फायदा दोनों दूसरे स्थान पर पहुंचे

- बल्लेबाजों में इंग्लैंड के रूट पहले स्थान पर बरकरार
- जायसवाल और गिल शीर्ष दस में शामिल

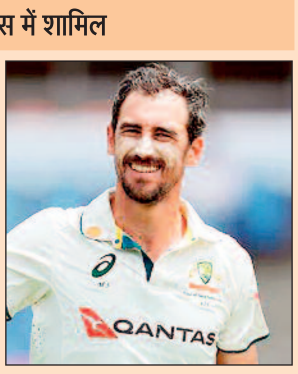

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग जारी की। ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज मिचेल स्टार्क फायदा हुआ है। वह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी की बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं। दूसरे स्थान पर हैरी ब्रूक हैं। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड हैं। दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं, उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस छठे, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें, और भारत के यशस्वी जायसवाल आठवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सऊद शकील नौवें और भारत के शुभमन गिल दसवें स्थान पर हैं। शकील और गिल दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल शीर्ष दस में शामिल भारत के 2 बल्लेबाज हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर कायम

आईसीसी की जारी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर कायम हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं। स्टार्क को एक स्थान का फायदा हुआ है। तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के नोमान अली हैं। नोमान को दो स्थान का फायदा हुआ है। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। कमिंस को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। कमिंस एशेज सीरीज में सिर्फ एक टेस्ट खेल सके हैं। पांचवें स्थान पर न्यूजीलैंड के मैट हेनरी, छठे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन, सातवें स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड हैं। बोलैंड को 2 स्थान का फायदा हुआ है। आठवें स्थान पर कगिसो रबाडा और नौवें स्थान पर जोश हेजलवुड हैं। दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। हेजलवुड एशेज सीरीज से बाहर चल रहे हैं। दसवें स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन हैं।

टाटा मुंबई मैराथन के अंतरराष्ट्रीय दूत बने ग्रासे

मुंबई। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता फर्राटा धावक आंद्र डि ग्रासे को 18 जनवरी को होने वाली 21वीं टाटा मुंबई मैराथन का अंतरराष्ट्रीय दूत बनाया गया है। डि ग्रासे सात ओलंपिक पदक जीत चुके हैं, जिनमे तोक्यो में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ का स्वर्ण और पेरिस 2024 में चार गुणा सौ मीटर रिले का स्वर्ण शामिल है। उन्होंने कहा, 'दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

विश्व ब्लिट्ज : कार्लसन ने जीता खिताब, एरिगेसी को कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| दोहा

विश्व ब्लिट्ज खिताब बरकरार रखने वाले शतरंज स्टार मैग्नस कार्लसन ने कहा कि वह काफी कठिन टूर्नामेंट था और वह खुशकिस्मत रहे कि शुरूआती दौर के खराब प्रदर्शन से उबरकर नौवीं बार खिताब जीत सके ।

कार्लसन ने अपना चिर परिचित खेल दिखाते हुए उजबेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 2.5-1.5 से हराकर खिताब जीता।भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। वह विश्व ब्लिट्ज में पदक जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

रैपिड और ब्लिट्ज दोनों स्वर्ण जीतने वाले कार्लसन ने फिडे से कहा,'यह काफी कठिन टूर्नामेंट था और इसमें कोई भी जीत सकता था। लेकिन नॉकआउट में पहुंचने के बाद मैंने अपने खेल का पूरा मजा लेकर खेला और इसका फायदा भी मिला।' कार्लसन ने फाइनल में उजबेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ ड्रॉ पर सहमति जताने से इनकार कर दिया।

2025 रहा बेहद खास

दीप्ति की नए रिकॉर्ड के साथ नए साल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के लिए साल 2025 यादगार रहा। दीप्ति ने वनडे क्रिकेट, टी20 और महिला प्रीमियर लीग में नया मुकाम बनाया। वह एक नए रिकॉर्ड के साथ साल 2026 में एंट्री करेंगी। 30 दिसंबर को दीप्ति शर्मा ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए टी20 सीरीज के पांचवें मैच में 1 विकेट लेते ही वह अंतरराष्ट्रीय टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला खिलाड़ी बन गईं। दीप्ति के 133 मैचों की 120 पारियों में 152 विकेट हो गए हैं। दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की मेगन स्कट को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 123 मैचों में 151 विकेट हैं। दीप्ति मौजूदा समय में आईसीसी की टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में भी पहले स्थान पर काबिज हैं। दीप्ति शर्मा को यूपी वॉरियर्ज ने आरटीएम के तहत टीम में शामिल किया। वह महिला प्रीमियर लीग के इतिहास की पहली खिलाड़ी बनीं।

बेस्ट प्लेयर का खिताब पाने वाली बनीं पहली भारतीय

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर वनडे विश्व कप का खिताब जीता। यह पहला मौका था, जब भारतीय टीम विश्व चैंपियन बनी। भारत को विश्व चैंपियन बनाने में दीप्ति शर्मा ने गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में इस खिलाड़ी ने 58 रन की अहम पारी खेलने के साथ ही 5 विकेट हासिल करते हुए देश को खिताबी जीत दिलाने में यादगार भूमिका निभाई थी। वहीं पूरे टूर्नामेंट में दीप्ति ने 22 विकेट लेने के साथ ही 215 रन बनाए थे। उनके बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाजा गया था। दीप्ति यह सम्मान हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होगी प्रतियोगिता

एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों को मिलेगा अपनी क्षमता दिखाने का मौका

एजेंसी ▶▶| मुंबई

साल 2026 में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों को अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। 2026 एशियन गेम्स में 32 कोर खेल होंगे, जिनमें से ज्यादातर वे खेल होंगे, जो ओलंपिक गेम्स का हिस्सा हैं और 11 अन्य खेल और डिसिप्लिन होंगे, जिनमें पांच क्षेत्रीय खेल वुशू, सेपक-टकराव, कबड्डी, कुराश और जूडो शामिल हैं। डांसस्पोर्ट्स, रोलर स्पोर्ट्स, सर्फिंग, क्रिकेट, ई-स्पोर्ट्स, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स और पैडल भी शेड्यूल का हिस्सा होंगे।

शिपिंग कंटेनरों से बने विला में ठहरेंगे खिलाड़ी

कुल मिलाकर 45 नेशनल ओलंपिक कमेटियों से 2026 गेम्स के लिए अपने दल भेजने की उम्मीद है, जो अनोखे होंगे क्योंकि प्रतिभागियों को आमतौर पर बनाए जाने वाले स्थायी एथलीट विलेज में नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि किंजो पियर पर डॉक किए गए एक क्रूज शिप में ठहराया जाएगा। प्रतिभागियों को नागोया बंदरगाह के पास दोबारा इस्तेमाल किए गए शिपिंग कंटेनरों से बने अस्थायी विला में ठहराया जाएगा और कुछ को प्रीफेक्चर और बाहरी शहरों के कई होटलों में ठहराया जाएगा। आयोजन स्थल आइची प्रीफेक्चर और नागोया के विभिन्न शहरों में फैले होंगे जबकि तैराकी और घुड़सवारी प्रतियोगिताएं टोक्यो में होंगी।

भारत के लिए बड़ा मौका

इस तरह 2026 एशियन गेम्स भारत के लिए एक बड़ा मौका होगा, जो कॉन्टिनेंटल गेम्स में 183 गोल्ड, 238 सिल्वर और 357 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 778 मेडल जीतकर पांचवां सबसे सफल देश है। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स के 20वें एडिशन में 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन के बाद जाएगा, जहां भारत ने 108 मेडल जीते थे- 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज। इसका मतलब है कि प्रतिभागियों पर यह साबित करने का दबाव होगा कि पिछले कुछ सालों में उन पर खर्च किया गया भारी पैसा बर्बाद नहीं हुआ।

2028 में ओलंपिक गेम्स के लिए शानदार तैयारी

एक अच्छा प्रदर्शन और ढेर सारे मेडल यह भी साबित करेंगे कि पिछले कुछ सालों में भारतीय खेलों में स्वाभाविक प्रगति और विकास हुआ है जैसा कि एशियन गेम्स के पिछले कुछ एडिशन में भारत की ओर से जीते गए कुल मेडलों में देखा जा सकता है। यह 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स और 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी एक शानदार तैयारी होगी, जो शायद अहमदाबाद में होंगे, जिसे कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट किया है। एक और सफल एशियन गेम्स 2036 ओलंपिक गेम्स के लिए भारत की दावेदारी को भी मजबूत करेगा। 2026 में भारत के पास अच्छा प्रदर्शन करने का पूरा मौका है और आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने का सही मौका होगा।

2026 करेगा पांच राज्यों की 'सियासी-किस्मत' का फैसला

पश्चिम बंगाल, असम तमिलनाडु और केरल से लेकर पुदुचेरी तक विधानसभा चुनाव

नया साल 2026 भी देश के लिए चुनावी साल रहने वाला है। 2026 में देश के पांच बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में सियासी पारा चढ़ने लगा है। राजनेता एक-दूसरी पार्टियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हर राज्यों में मुकाबला एक अलग ही रंग में देखने को मिल सकता है। इस बार चुनाव कई मायनों में काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि इन राज्यों में वोटर लिस्ट विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद वोटिंग होगी। एसआईआर के बाद बिहार में हुए चुनाव में एनडीए गठबंधन को बंपर जीत मिली है जबकि इंडिया गठबंधन को हार मिली थी। अब इन पांच राज्यों में चुनाव की बारी है। केरल को छोड़कर चार राज्यों में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। हालांकि चुनाव आयोग की तरफ से अभी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं हुई है।

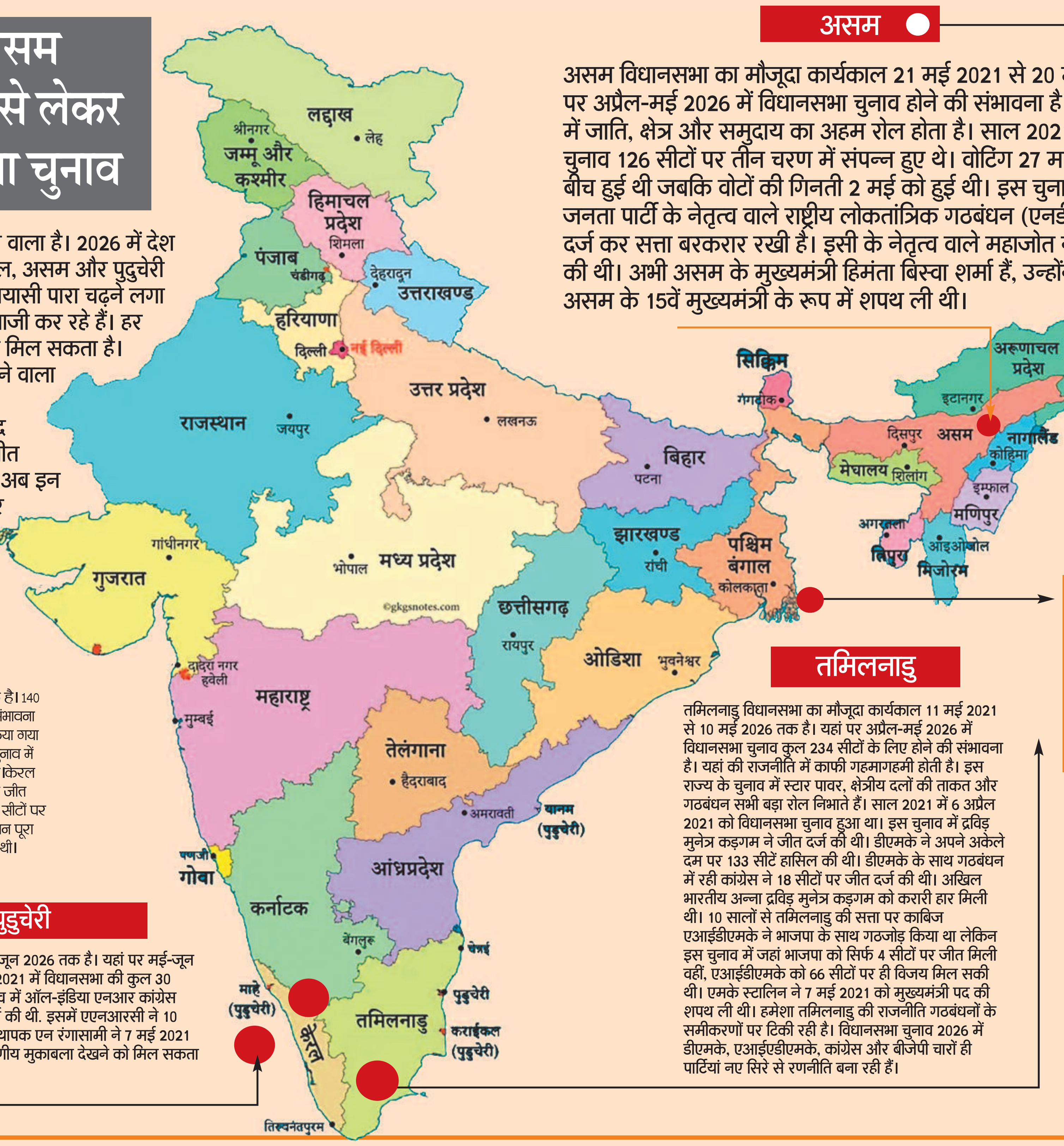

असम

असम विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 21 मई 2021 से 20 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस राज्य के हर चुनाव में जाति, क्षेत्र और समुदाय का अहम रोल होता है। साल 2021 में असम विधानसभा चुनाव 126 सीटों पर तीन चरण में संपन्न हुए थे। वोटिंग 27 मार्च से 6 अप्रैल 2021 के बीच हुई थी जबकि वोटों की गिनती 2 मई को हुई थी। इस चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 75 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता बरकरार रखी थी। इसी के नेतृत्व वाले महाजोत ने 50 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अभी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा हैं, उन्होंने 10 मई 2021 को असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

केरल

केरल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 24 मई 2021 से 23 मई 2026 तक है। 140 सदस्यीय केरल विधानसभा के लिए चुनाव अप्रैल-मई 2026 में होने की संभावना है। साल 2021 में केरल विधानसभा चुनाव 6 अप्रैल 2021 को आयोजित किया गया था। चुनाव परिणाम 2 मई 2021 को घोषित किए गए थे। इस विधानसभा चुनाव में मौजूदा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने 99 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी थी।केरल विधानसभा चुनाव 2021 में सीपीआई (एम) को सबसे अधिक 62 सीटों पर जीत मिली थी। सीपीआई को 17 सीटों पर, आईयूएमएल को 15, कांग्रेस को 21 सीटों पर जीत मिली थी. अन्य को 25 सीटें मिली थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान पूरा जोर लगाया था लेकिन पिछले चुनाव में जीती एक सीट भी वह गंवा बैठी थी। वर्तमान में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन हैं।

पुडुचेरी

पुडुचेरी में विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 16 जून 2021 से 15 जून 2026 तक है। यहां पर मई-जून 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। पुदुचेरी में साल 2021 में विधानसभा की कुल 30 सीटों के लिए चुनाव 6 अप्रैल को एक ही चरण में हुए थे। इस चुनाव में ऑल-इंडिया एनआर कांग्रेस (एएनआरसी) और बीजेपी ने मिलकर कुल 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी. इसमें एएनआरसी ने 10 सीटें और बीजेपी ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की थी. एएनआरसी संस्थापक एन रंगासामी ने 7 मई 2021 को चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. इस बार यहां त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है.

तमिलनाडु

तमिलनाडु विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 11 मई 2021 से 10 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव कुल 234 सीटों के लिए होने की संभावना है। यहां की राजनीति में काफी गहमागहमी होती है। इस राज्य के चुनाव में स्टार पावर, क्षेत्रीय दलों की ताकत और गठबंधन सभी बड़ा रोल निभाते हैं। साल 2021 में 6 अप्रैल 2021 को विधानसभा चुनाव हुआ था। इस चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने जीत दर्ज की थी। डीएमके ने अपने अकेले दम पर 133 सीटें हासिल की थी। डीएमके के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस ने 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को करारी हार मिली थी। 10 सालों से तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज एआईडीएमके ने भाजपा के साथ गठजोड़ किया था लेकिन इस चुनाव में जहां भाजपा को सिर्फ 4 सीटों पर जीत मिली वहीं, एआईडीएमके को 66 सीटों पर ही विजय मिल सकी थी। एमके स्टालिन ने 7 मई 2021 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हमेशा तमिलनाडु की राजनीति गठबंधनों के समीकरणों पर टिकी रही है। विधानसभा चुनाव 2026 में डीएमके, एआईएडीएमके, कांग्रेस और बीजेपी चारों ही पार्टियां नए सिरे से रणनीति बना रही हैं।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 8 मई 2021 से 7 मई 2026 तक है। यहां पर अप्रैल-मई 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में कुल 294 सीटों पर हुए चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। टीएमसी को 213 सीटों पर जीत मिली थी जबकि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। राष्ट्रीय सेक्युलर मजलिस पार्टी को एक सीट और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। कांग्रेस पार्टी का खाता तक नहीं खुला था, वहीं लेफ्ट का भी पत्ता साफ हो गया था। इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस हैट्रिक लगाने में कामयाब हुई थी। अब यह पार्टी चौथी बार सत्ता पर काबिज होना चाह रही है, तो वहीं बीजेपी भी हर हाल में इस बार बहुमत पाना चाह रही है। इस बार चुनाव में बीजेपी और टीएमसी में सीधी लड़ाई है। उधर, कांग्रेस और लेफ्ट खुद के आधार को मजबूत करने की कोशिशों में लगे हैं। आईएसएफ-एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर की नई पार्टी की अल्पसंख्यक मतदाताओं पर नजर है।

---

4 जिले के 4 फीसदी इलाके में सक्रिय नक्सलियों को नए साल में किया जाएगा टारगेट

लौटी बस्तर की सांस, अब सिर्फ 400 वर्ग किमी में ही नक्सलवाद

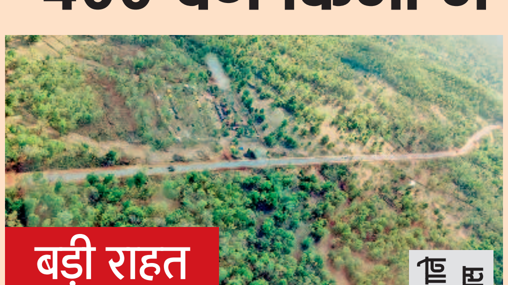

बड़ी राहत

अब बचे लगभग 150 वर्दीधारी होंगे निशाने पर, 31 मार्च तक सफाए का रहेगा प्रयास

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत के ऐलान के बाद वर्ष 2025 में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में सुरक्षाबलों को अभूतपूर्व सफलता मिली थी। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मांद में घुसकर ऑपरेशन किया और एक ही साल में करोड़ों के ईनामी 256 नक्सलियों को एनकाण्टर में ढेर कर दिया। वहीं साल भर में करोड़ों के ईनामी सर्वाधिक 1562 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर पुलिस के सामने हथियार डाल दिया। गत वर्ष मिली सफलता को बरकरार रखते हुए अब वर्ष 2026 में बचे हुए नक्सलियों को टारगेट करने रणनीति तैयार है, फोर्स का प्रयास रहेगा कि 31 मार्च तक नक्सलवाद का सफाया करते हुए बस्तर में पूर्ण शांति बहाल किया जा सके।

दशक भर पहले तक नक्सलियों का बस्तर के 42 हजार वर्ग किमी में एकछत्र राज हुआ करता था, जो धीरे धीरे कम होते हुए वर्तमान में सिमटकर 4 सौ वर्ग किमी तक ही रह गया है, जो संभाग के 4 जिले में अलग अलग इलाके में सक्रिय नजर आ रहे हैं। फोर्स का पूरा फोकस इन नक्सलियों को केन्द्र के ऐलान के मुताबिक 31 मार्च तक समर्पण या मुठभेड़ में मार गिराया जाएगा। जिसके लिए पूरी रणनीति तैयार कर ली गई है।

मिशन 2026 के तहत निर्णायक सुरक्षा से स्थायी शांति की ओर बस्तर अग्रसर

गौरतलब है कि बस्तर रेंज ने हाल के वर्षों में वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध संघर्ष में निर्णायक और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। आसूचना आधारित सटीकअभियानों के माध्यम से माओवादी शीर्ष नेतृत्व को कमजोर किया गया है, हथियारों की अभूतपूर्व बरामदगी सुनिश्चित हुई है तथा वरिष्ठ कैडरों सहित बड़ी संख्या में नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराया गया है। यही वजह है कि गत वर्ष प्रभावी क्षेत्र प्रभुत्व, सुदृढ़ अंतर-बल समन्वय तथा निरंतर परिचालन दबाव के परिणामस्वरूप नक्सली गतिविधियों पर निर्णायक बढ़त स्थापित हुई है। सुरक्षा परिदृश्य में आए इस सकारात्मक परिवर्तन से भय और अस्थिरता में उल्लेखनीय कमी आई है। जिससे शासन, विकास और सामान्य जीवन की बहाली के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। बेहतर सुरक्षा स्थितियों ने अवसंरचना विकास को नई गति दी है तथा दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम छोर तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की है।

मिशन 2026 के अंतर्गत बस्तर रेंज का स्पष्ट लक्ष्य

उग्रवाद के शेष प्रभावों का पूर्ण उन्मूलन, स्थायी शांति की स्थापना, पुलिस जन विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना तथा विकास के प्रत्येक अवसर को निर्बाध रूप से जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। बस्तर पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बस्तर हिंसा के अतीत से निकलकर शांति, सम्मान और समावेशी विकास के भविष्य की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर हो। बस्तर रेंज मिशन 2026 के माध्यम से यह संकल्प दोहराती है कि जब समाज साथ चलता है और रणनीति जन केंद्रित होती है, तब स्थायी शांति केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि एक सजीव वास्तविकता बनती है और हमारा नए साल में नक्सलमुक्त बस्तर का मिशन तैयार है।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर

क्या मार्च तक छग होगा माओवाद से मुक्त, खुलेगा विकास का द्वार ?

सुदूरवर्ती इलाकों एवं जनजातीय गांवों के विकास में सबसे बड़ी बाधा के रूप में देखे जा रहे नक्सलवाद को लेकर केंद्र सरकार दावा कर रही है कि इसे 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। सुरक्षाबलों ने पिछले एक साल में कई बड़े माओवादी नेताओं को मुठभेड़ में मार गिराया है। सैकड़ों नक्सलियों ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता अपना लिया है।

59 सीआरपीएफ बेस

2025 में स्थापित किए गए 59 सीआरपीएफ बेस में से सबसे ज्यादा (32) छत्तीसगढ़ में हैं। इसके बाद झारखंड और मध्य प्रदेश (नौ-नौ), महाराष्ट्र और ओडिशा (चार-चार) और तेलंगाना (एक) का स्थान है। ये ठिकाने उन दुर्गम वन क्षेत्रों में बनाए गए हैं जिन्हें पहले नक्सलियों का सुरक्षित गढ़ माना जाता था। ये सुरक्षा चौकियां न केवल सुरक्षा बलों की पहुंच बढ़ाती हैं, बल्कि सड़क निर्माण, मोबाइल टावर और कल्याणकारी योजनाओं जैसी विकास गतिविधियों को सुरक्षा भी प्रदान करती हैं। ये बेस लगभग पांच किलोमीटर के अंतराल पर बनाए जाते हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके और नक्सलियों की आवाजाही पर लगाम लग सके।

निशाने पर नक्सली

21 जनवरी-2025 : मुठभेड़ में खूंखार नक्सली जयराम उर्फ चलपति की मौत

21 मई-2025 : अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों ने बसवा राजू उर्फ गगन्ना को मार गिराया

07 जून-2025 : एक करोड़ का ईनामी केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम मारा गया

18 नवंबर-2025 : डेढ़ करोड़ रुपए का ईनामी शीर्ष नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा का एनकाउंटर

26 दिसंबर-2025 : ओडिशा के कंधमाल जिले में एक करोड़ के ईनामी गणेश उईके समेत छह नक्सली मारे गए।

रायपुर। नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार का अभियान तेजी से चल रहा है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने 2019 से अब तक छह नक्सल प्रभावित राज्यों में कुल 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं। ये बेस नक्सल प्रभावित इलाकों में प्रशासन की पहुंच बढ़ाने और वहां सुरक्षा बनाए रखने के लिए बनाए गए हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का मुकाबला करने के लिए सरकार की सुरक्षा रणनीति में एफओबी (फुटपोस्ट) एक महत्वपूर्ण घटक रहे हैं। इन ठिकानों की स्थापना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने की है, जिनमें सीआरपीएफ और उसकी विशेष इकाइयां शामिल हैं। ये ठिकाने दूरस्थ, वन क्षेत्रों और उग्रवाद-प्रवण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिन्हें पहले नक्सली समूहों का गढ़ माना जाता था। कुल 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) में से अब तक सबसे ज्यादा 59 बेस स्थापित किए गए हैं। इससे पहले 2024 में 40, 2023 में 27, 2022 में 48, 2021 में 29, 2020 में 18 और 2019 में आठ स्थापित किए गए हैं। ये एफओबी छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना में स्थापित किए गए हैं।

छह नक्सल प्रभावित राज्यों में 229 फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस

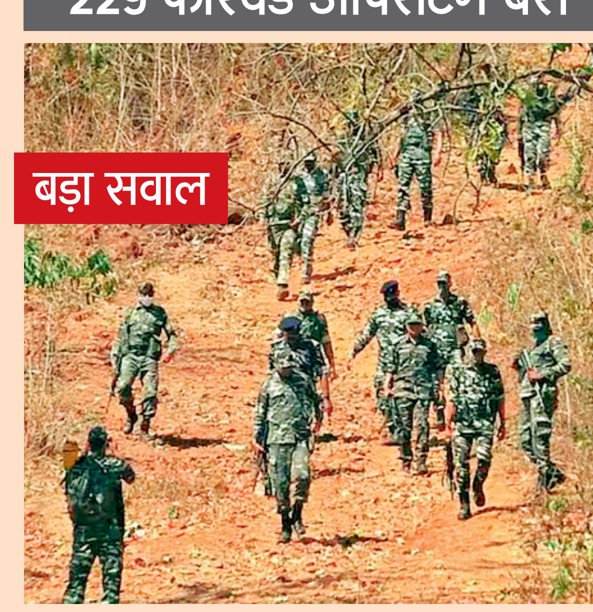

बड़ा सवाल

सरकार की ऐसी तैयारी

संसद के हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र में राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सूचित किया कि नक्सल प्रभावित राज्यों में तैनात सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने 2019 से अब तक कुल 377 फ्रंट ऑफ बोर्न (एफओबी) स्थापित किए गए हैं। इसमें 2025 में 74, 2024 में 71, 2023 में 51, 2022 में 66, 2021 में 51, 2020 में 40 और 2019 में 24 शामिल हैं।

नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटी

गृह मंत्रालय की दी गई जानकारी के अनुसार, नक्सलवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के प्रभावी कार्यान्वयन से ऐतिहासिक परिणाम मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जहां नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 2018 में 126 थी, वो अक्टूबर 2025 तक घटकर मात्र 11 रह गई है। अब केवल तीन जिले 'अत्यधिक प्रभावित' श्रेणी में हैं। इसके साथ ही 2010 में हिंसा की 1936 घटनाएं हुई थीं, जो 2025 में घटकर 218 (89% की कमी) रह गईं।

2025 में छत्तीसगढ़ का ऐसा हाल

1562 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा

256 नक्सली मुठभेड़ के दौरान मारे गए

884 नक्सलियों को भेजा गया जेल

23 जवानों ने दी शहादत हुई

46 ग्रामीण भी मारे गए

45 हथियार बरामद किए गए

875 आईईडी जब्त किए गए

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com

उम्मीदों का नया सूरज

इजरायल के साथ 2 साल से युद्ध की आग में झुलस रहा गाजा अब पूरी तरह खंडहर बन चुका है। गाजा में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20-सूत्रीय शांति योजना प्रस्तुत की है। इसका मकसद इलाके में शांति बहाल कर विकास का मार्ग प्रशस्त करना है। इसके तहत गाजा को पुनर्वासित करने व स्थायी शांति लाने की विस्तृत योजना तैयार की गई है।

ट्रंप का पीस प्लान लाएगा गाजा में 'शांति'

इजराइल हमास के बीच पिस रहा है गाजा

फिलहाल ट्रंप की यह गाजा शांति योजना गाजावासियों का दर्द दूर नहीं कर सकी है। दरअसल, यह तभी सफल हो सकती है जब इजराइल, हमास जैसे सभी हितधारक ईमानदारी से समझौता करने को तैयार हों। लेकिन इस प्लान को अमल में लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और उम्मीद की जा रही है आने वाले सालों में यह योजना परवान चढ़ सकेगी। लिहाजा फिलिस्तीनियों के साथ ही साथ मध्य-पूर्व को भी नये साल में गाजा में शांति और उम्मीदों के नये सूरज के उगने का इंतजार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिये व्यापक योजना' शीर्षक से 20 सूत्रीय गाजा शांति पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में स्थिरता स्थापित करना, हमास का निरस्त्रीकरण करना और गाजा पट्टी का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करना है। कई अरब देशों ने इसका स्वागत किया है। यह पहल क्षेत्रीय स्थिरता और भारतीय हितों—दोनों के लिये ही महत्त्वपूर्ण प्रभाव रखती है।

तेज हो गईं समझौते की उम्मीदें

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के करीब 95 फीसदी मुद्दों पर बनी सहमति

डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर बड़ी प्रगति का दावा किया है। सुरक्षा गारंटी पर लगभग सहमति बन चुकी है, लेकिन डोनबास जैसे इलाकों का भविष्य अब भी सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है। अगले कुछ हफ्ते निर्णायक माने जा रहे हैं। उम्मीद है आने वाले साल में यह जंग खत्म जाए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच रविवार को हुई अहम मुलाकात के बाद यूक्रेन युद्ध को लेकर उम्मीदें तेज हो गई हैं। दोनों नेताओं ने कहा है कि युद्ध खत्म करने के समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं, हालांकि अब भी एक-दो ऐसे मुद्दे हैं जो सबसे ज्यादा उलझे हुए हैं। यह बातचीत अमेरिका के फ्लोरिडा में ट्रंप के मार ए लागो रिसॉर्ट में हुई, जहां दोनों नेताओं ने करीब तीन घंटे तक बंद कमरे में चर्चा की और बाद में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर सहमति

सबसे बड़ा दावा सुरक्षा गारंटी को लेकर किया गया। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर पूरी सहमति बन गई है। वहीं ट्रंप ने कहा कि इस पर करीब 95 फीसदी सहमति हो चुकी है और यूरोपीय देश इसमें बड़ी भूमिका निभाएंगे, जबकि अमेरिका उनका समर्थन करेगा। दोनों नेताओं ने माना कि बिना मजबूत सुरक्षा गारंटी के स्थायी शांति संभव नहीं है।

मीटिंग से पहले ट्रंप ने की पुतिन से बातचीत : जेलेंस्की से मीटिंग से पहले ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भी फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने इसे उपयोगी बताया, जबकि क्रेमलिन ने इसे दोस्ताना बातचीत कहा और शांति पहल के नजरिए से इसे सार्थक भी बताया।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर अयोध्या में भव्य आयोजन

राजनाथ-योगी ने उतारी रामलला की आरती

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी बुधवार को मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर संकट मोचन हनुमान के दर्शन-पूजन किए। हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां प्रभु श्रीरामलला मंदिर व राम दरबार में हाजिरी लगाई, विधिवत आरती उतारी तथा मंदिर की परिक्रमा की। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने श्रीराम की जयघोष व मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन कर मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा का आरोहण किया।

भारत ने किया भगवान राम की मर्यादा का पालन

राजनाथ ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने भगवान राम की मर्यादा का पालन किया। जैसे राम का लक्ष्य रावण का संहार नहीं, बल्कि अधर्म का अंत था। हमारा भी वही लक्ष्य था कि हम आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखा कर आएंगे। हमने बस वही किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा- 'हमारी तीन पीढ़ियों की साधना और संघर्ष, पूज्य साधु-संत गण के आशीर्वाद और 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास की परिणति है कि आज हम इस पावन पल के साक्षी बन रहे हैं।

पाक के गिड़गिड़ाने पर हुआ संघर्ष विराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के बाद संघर्षविराम का श्रेय लेने कूदे चीन को भारत की खरी-खरी

अब तक अमेरिका ही दुनिया का एकमात्र ऐसा देश था। जिसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दर्जनों से भी अधिक बार मई-2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने का श्रेय ले चुके हैं। लेकिन अब इस मामले में चौंकाने वाली एक और बात सामने आई है, जिसमें अमेरिका के साथ संघर्षविराम का श्रेय लेने की इस दौड़ में चीन भी शामिल हो गया है। बीते मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में 'अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और चीन के विदेश संबंधों' के विषय पर आयोजित की गई एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मई-2025 में भारत-पाकिस्तान के हुए सैन्य तनाव को खत्म करने के लिए चीन ने मध्यस्थता की थी। मामले में वह शांतिदूत बनकर उभरा है।

पहलगाम आतंकी हमला, उसके बाद 'सिंदूर'

पाकिस्तान समर्थित लश्करे-ए-तैयबा (एल-एंड-टी) आतंकी संगठन के छद्म रूप 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर बेहद निर्ममता से हत्या कर दी थी। जवाब में भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात सीमा पार पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद आतंकियों के 9 ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। जिसमें कुल 100 से अधिक आतंकी मारे गए थे। जिसके बाद अंत में घबराकर उसने शर्मनाक हार को सामने देख भारत से संघर्षविराम की गुहार लगाई और फिर दोनों देशों की थल-सेनाओं के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच हॉटलाइन पर बातचीत हुई और 10 मई 2025 की शाम 5 बजे संघर्षविराम हुआ।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका — सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

भारत ने किया सफल परीक्षण 7500 किमी की रफ्तार

एक लॉन्चर से 2 प्रलय मिसाइल हुआ लॉन्च

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान एक ही लॉन्चर से बैक टू बैक दो प्रलय मिसाइलें (सल्वो लॉन्च) दागी गईं। मिसाइलों की पूरी उड़ान पर नजर रखने के लिए चांदीपुर में स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) के सेंसर लगाए गए थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परीक्षण सुबह करीब 10:30 बजे किया गया। जो कि सेना के उपयोग से जुड़ी जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) का हिस्सा था। दोनों मिसाइलें तय किए गए रास्ते पर ठीक तरह से उड़ीं और सफलतापूर्वक लक्ष्य पूरे किए। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की सामरिक मिसाइल क्षमता के लिए एक अहम उपलब्धि बताया है। प्रलय शॉर्ट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है और पूरी तरह स्वदेशी है और डीआरडीओ ने ही इसे बनाया है।

जनाजे में शामिल होने 10 लाख लोग जुटे

जिया सुपुर्द-ए-खाक, अंतिम विदाई में पहुंचे जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनकी अंतिम विदाई में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल हुए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ढाका में खालिदा जिया के बेटे को पीएम मोदी की तरफ से शोक पत्र सौंपा।

जिया को संसद परिसर स्थित जिया उद्यान में उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया। उनके जनाजे में शामिल होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं।

पाक संसद स्पीकर ने जयशंकर से मिलाया हाथ

बुधवार को ढाका में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (एनए) के स्पीकर सरदार अयाज सादिक और विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात हुई। दोनों नेताओं के बीच एक छोटी अनौपचारिक मुलाकात की जानकारी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान वहां दक्षिण एशिया के कई देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे, और जयशंकर सभी मिल रहे थे।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal MD, DM (Cardiology) Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सज्जन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

NMH निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

गुलमर्ग में नए साल के लिए जुटे पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेते हुए

श्री काशी विश्वनाथ में नए साल के स्वागत में बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

भारत से पहले 29 देशों ने मनाया जश्न

किरिबाती, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से शुरुआत

नए साल का आगाज दुनियाभर में जश्न

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत होते ही दुनियाभर में जश्न शुरू हो गया। देश के मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। कश्मीर से लेकर काशी तक नए साल का जश्न मनाने लोग उमड़ पड़े। धरती के सबसे पूर्वी छोर पर बसे द्वीप देश किरिबाती, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में रात के 12 बजते ही साल 2026 के आगाज का जश्न मनाया गया। किरिबाती में भारत से 8:30 घंटे, न्यूजीलैंड में 7:30 घंटे और ऑस्ट्रेलिया में 5:30 घंटे पहले नए साल ने दस्तक दी। अमेरिका में भारत से 9:30 घंटे बाद नया साल आया।

आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट (75.00%) - ₹100046/-
22 कैरेट रेट (91.60%) - ₹122190/-
24 कैरेट रेट (99.99%) - ₹133382/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur

पांच करोड़ नकद, आठ करोड़ के जेवर बरामद

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली के एक घर में तलाशी के दौरान 5.12 करोड़ रुपए नकद और 8.80 करोड़ रुपए के सोने तथा हीरे के आभूषणों से भरा एक सूटकेस बरामद किया। ईडी ने तलाशी के दौरान इसके अलावा 35 करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए। ईडी द्वारा दक्षिण दिल्ली के सर्वप्रिया विहार स्थित घर पर यह छापेमारी हरियाणा के फरार अपराधी इंदरजीत सिंह यादव से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में की गयी है। इंदरजीत सिंह यादव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सक्रिय है।

कैबिनेट में कई अहम फैसले, ऑटो एक्सपो के लिए सरकार का बड़ा ऐलान, रोड टैक्स में मिलेगी छूट

रायपुर की पुलिसिंग में बड़ा बदलाव, पुलिस कमिश्नरी पर लगी मुहर, 23 जनवरी से होगी लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने नए साल के पहले प्रशासनिक और आर्थिक मोर्चे पर कई बदलावों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट ने राजधानी रायपुर की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए 23 जनवरी से रायपुर महानगरीय पुलिस जिला में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। साथ ही पुलिस मुख्यालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नया पद भी सृजित किया गया है।नई पुलिस कमिश्नरी प्रणाली में आईजी स्तर के अधिकारी कमिश्नर पदस्थ होंगे। एडिशनल कमिश्नर के पद पर डीआईजी स्तर के अधिकारी पदस्थ होंगे। ज्वाइंट कमिश्नर के पद पर आईपीएस अधिकारी पदस्थ किए जाएंगे। कुल मिलाकर कमिश्नर से लेकर इंस्पेक्टर तक कुल 62 अधिकारी-कर्मचारियों की पोस्टिंग होगी। बताया गया है कि पुलिस को प्रशासनिक के साथ-साथ मजिस्ट्रियल अधिकार भी रहेंगे। आयुक्त प्रणाली लागू होने से कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

खास खबर

ऋण अदायगी से कम होगा वित्तीय बोझ

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा लिए गए ऋणों को पूरी तरह चुकता करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। पांच राष्ट्रीय निगमों का कर्ज चुकाने से राज्य शासन को प्रतिवर्ष होने वाले 2.40 करोड़ रुपये के ब्याज खर्च से मुक्ति मिलेगी और शासन की 229.91 करोड़ रुपये की गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी।

तेंदूपत्ता खरीदी के लिए ऋण लेने राज्य शासन देगी गारंटी

कैबिनेट ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के हित में वर्ष 2026 के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी के लिए ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त कोदो, कुटकी और रागी के प्रसंस्करण और बिक्री के लिए लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी देने का निर्णय लिया गया है। अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए लघु वनोपज संघ को 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

उद्योग-निवेश को बढ़ावा ऑटो एक्सपो में भारी छूट

राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित होने वाले 9वें ऑटो एक्सपो के लिए सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफ टाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह राहत पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं और खरीदारों के लिए उपलब्ध होगी। इसके अलावा औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में भी संशोधन किए गए हैं, ताकि निवेश और रोजगार सृजन को और अधिक गति दी जा सके।

राइस मिलरों के लिए प्रोत्साहन और राहत

धान मिलिंग को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। साथ ही प्रोत्साहन राशि की पात्रता के लिए न्यूनतम मिलिंग अवधि को 3 माह से घटाकर 2 माह कर दिया गया है। कस्टम मिलिंग के लिए बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर मात्र 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिससे मिलरों को बड़ी राहत मिलेगी।

भागवत बोले- पंच परिवर्तन से ही उन्नति की ओर बढ़ेगा राष्ट्र

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में सोनपैरी में हुआ विशाल हिन्दू समागम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अभनपुर के सोनपैरी स्थित असंग देव कबीर आश्रम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विभिन्न मंडल के संयुक्त प्रयास से बुधवार को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में किए गए विशाल हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संत असंग देव एवं विशिष्ट ▶▶| शेष पेज 9 पर

डॉ. भागवत ने श्रोताओं को दिए पांच मूल मंत्र

उन्होंने पांच बातें व्यवहार में लाने की बात श्रोताओं से कही। पहला भेद को खत्म करते हुए समाज के हर वर्ग में उठना, बैठना, सुख दुःख में सहभागिता बढ़ानी होगी। सबको मैं अपना मित्र बनाऊंगा, यही सामाजिक समरसता है। पानी का साधन जो भी हो, वह सबके लिए हो। दूसरा, अपने घर ▶▶| शेष पेज 9 पर

जब डगमगाए पैर तो मातृत्व को दिया सहारा

हिन्दू सम्मेलन में जैसे ही मंच पर मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को आमंत्रित किया गया, तो उस समय मातृत्व स्नेह एवं मातृशक्ति के प्रति आदर का सुंदर दृश्य भी देखने को मिला। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने गायत्री ▶▶| शेष पेज 9 पर

खड़ी ट्रेलर में लगी आग जिंदा जल गया मासूम

रतनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत सांधीपारा वार्ड क्रमांक 7 में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। खड़ी ट्रेलर में अचानक आग लगने से साढ़े तीन वर्ष के मासूम बच्चे की जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सांधीपारा निवासी संजय यादव पेशे से ट्रक चालक है। वह ट्रेलर से माल खाली करने के बाद सुबह करीब 10 बजे गाड़ी को वार्ड में खड़ा कर खाना खाने घर चला गया। उसी समय उसका एक दोस्त भी अपनी गाड़ी खड़ी कर घर चला गया था। बताया जाता है कि संजय यादव का पुत्र खेलते-खेलते उसके दोस्त की ट्रेलर में चढ़ गया। दोपहर करीब 2 बजे अचानक ▶▶| शेष पेज 9 पर

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

तंजानिया के लोग...काले शरीर, सुनहरे दिल

मानव जाति के इतिहास में एक कलंकित अध्याय दास प्रथा का भी है। विशेषकर अफ्रीकी देशों के नागरिकों के साथ जो कुछ अरब और यूरोपियन व्यापारियों ने अतीत में किया है, उसकी कहानियां पढ़कर तो रोंगटे ही खड़े हो जाते हैं। इस महाद्वीप के तमाम देशों से पंद्रहवी शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी के बीच तकरीबन तीन करोड़ महिलाओं और पुरुषों को उनकी इच्छा के विपरीत गुलाम बनाकर अन्यत्र स्थानों पर ले जाया गया था। बचपन में जब कभी इतिहास की किताबों में दास व्यपार और गुलाम प्रथा के अध्याय पड़ता था तो यह अचरज होता था कि अफ्रीका के लोग शारीरिक रूप से इतने मजबूत या हट्टे-कट्टे होकर भी गुलामी का जीवन जीने कैसे तैयार हो जाते थे। इस जिज्ञासा का समाधान इस तंजानिया प्रवास के दौरान हो गया है।

हरिभूमि खास

दरअसल अफ्रीका के इन काजल से भी अधिक काले और इस्पात की तरह मजबूत मांसपेशियों के शरीर के अंदर मासूम मन और सुनहरा दिल निवास करता है। अ ब्लैक मैन विद गोल्डन आर्ट की कहावत शायद इन लोगों को देखकर ही गढ़ी गई थी।

अभी तक जितना समय तंजानिया में बिताया है, उसमें यहां के लोगों की सरलता, विनम्रता, गंभीरता देखकर अचंभित हूं। व्यक्ति के संबंध में राय उसकी त्वचा का रंग देखकर नहीं, व्यवहार देखकर बनाना चाहिए। बुजुर्गों की यह समझाइश अब जाकर समझ आई है। हम भारतीयों का गोरी त्वचा को लेकर अलग ही आकर्षण रहता आया है श्याम अर्थात काले रंग के प्रति आकर्षण केवल कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों तक ही सीमित रहा है। गोरों की रिहाईश मुख्यतौर ▶▶| शेष पेज 9 पर

तंजानिया से रायपुर का रिश्ता

तंजानिया के साथ रायपुर का भी भावनात्मक रिश्ता है। नया रायपुर में छोटे बच्चों की हृदय संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए स्थापित सत्य सांई हृदय संस्थान इस रिश्ते की वजह है। अभी तक तंजानिया से सात बच्चे उपचार के लिए यहां आ चुके हैं और प्रसन्नता की बात यह है कि उनमें से छह बच्चे निशुल्क इलाज सुविधा का लाभ उठ कर पूरी तरह से ठीक भी हो चुके हैं।

नववर्ष आपको मंगलमय हो।

सफरनामा अंतिम

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

ठंड-प्रदूषण की वजह से जब आए लगातार खांसी

मेरी उम्र 31 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे लगातार खांसी आ रही है। घर से बाहर निकलने पर मेरी यह प्रॉब्लम और भी बढ़ जाती है। कृपया इसका कोई उपचार बताएं।

-विशाल, रायपुर

मौजूदा समय में खांसी का एक बड़ा कारण प्रदूषण भी है। सर्दी के मौसम में शहरों में बढ़ते प्रदूषण की वजह से खांसी की समस्या बढ़ रही है। इसके लिए आप कोशिश करें कि घर से बाहर निकलें तो मास्क लगाकर ही जाएं। साथ ही अगर सर्दी की वजह से खांसी आ रही है तो आप ठंडा पानी न पिएं। हल्का गुनगुना या नॉर्मल करके पानी पिएं। इसके अलावा सुबह और शाम गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारा करें। फ्रिज में रखी ठंडी चीजें फिलहाल खाना बंद कर दें।

मेरी उम्र 49 वर्ष है। डेढ़ महीने से आंतों में सूजन का ट्रीटमेंट चल रहा है। डॉक्टर कहते हैं हमेशा दवा खानी पड़ेगी। क्या इसका कोई पर्मानेंट ट्रीटमेंट संभव नहीं है?

-राकेश, ईमेल से

ऐसे मामले में बगैर रिपोर्ट देखे कुछ भी कहना सही नहीं है। अगर आपको किसी तरह की शंका है तो आप एक बार सेकेंड ओपिनियन ले सकते हैं। यानी, किसी दूसरे डॉक्टर से सलाह कर सकते हैं। पर खान-पान में आपको ध्यान रखना चाहिए। अधिक ऑयली और तली चीज बिल्कुल ही नहीं खानी चाहिए, साथ ही फास्ट फूड खाने से भी बचना चाहिए।

मेरी उम्र 28 वर्ष है। मैं जब भी शेव करता हूं, मेरे चेहरे पर रैशेज आ जाते हैं। कई बार तो बड़े-बड़े लाल दाने भी निकल आते हैं। प्लीज बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-कुणाल, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको स्किन की एलर्जी है और जब आप शेविंग करते हैं और शेविंग क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो आपको एलर्जी हो जाती है। सबसे पहले आप बार्बर शॉप में शेविंग कराना बंद करें। घर में शेविंग करें और आपको शेविंग क्रीम से बचना चाहिए। शेविंग करने से पहले गुनगुने पानी से थोड़ी देर भिगो लेना चाहिए, जिससे बियर्ड सॉफ्ट हो जाएगी और यह आसानी से रिमूव हो जाएगी।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। करीब एक साल से मुझे बैक-पेन की प्रॉब्लम है। लेटे रहने पर तो ठीक रहता है, लेकिन बैठने या खड़े होने पर दर्द बढ़ जाता है। कृपया मेरी इस समस्या का कारगर समाधान बताएं।

-कौशल, बिलासपुर

हड्डियों की प्रॉब्लम वाले लोगों को सर्दी के मौसम में खास ध्यान देना चाहिए। सर्दी से बचना चाहिए। इसलिए कम से कम एक्स्पोजर करें। अगर घर से बाहर निकलना है तो पूरी तरह से वूलेन ड्रेस पहनकर निकलें। गुनगुने पानी से नहाएं। दर्द अधिक होने पर सिंकाई करनी चाहिए। साथ ही एक बार आप कैल्शियम, विटामिन डी की जांच करवा लें। कम होने पर उसकी दवा डॉक्टर से कंसल्ट कर लें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मैं एक मल्टी नेशनल कंपनी में नाइट शिफ्ट जॉब करता हूं। दिन में ठीक से नींद नहीं आती, सिर भारी-भारी रहता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-श्रेयांश, जबलपुर

अगर आपकी नाइट शिफ्ट रहती है तो आपको शेड्यूल ऐसे बनाना चाहिए कि आपका खाना, सोना प्रभावित ना हो। बेहतर होगा कि आप किसी डाइटिशियन से संपर्क कर लें। वह आपका शेड्यूल बना देंगे। उसके अनुसार आप खान-पान पर ध्यान दें। साथ ही सोने का टाइम भी आप एक जैसा फिक्स रखें। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सुशीला कटारिया
सीनियर डायरेक्टर एंड हेड-इंटरनल मेडिसिन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

बीते साल स्वास्थ्य के संदर्भ में जिन बातों पर आप अमल नहीं कर पाए, उन्हें इस साल पूरा कर सकते हैं। इसके लिए यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

आज वर्ष 2026 का पहला दिन है। निश्चित ही आपने इस वर्ष के लिए कई प्लानिंग्स की होंगी। वे सभी प्लानिंग तभी पूरी हो सकती हैं, जब आप पूरी तरह हेल्दी रहेंगे। इसलिए आज आपको अपनी सभी प्लानिंग्स के साथ ही हेल्थ को लेकर भी कुछ रेजोल्यूशंस करने होंगे। इन पर अमल करने से आप इस पूरे साल हेल्दी और एनर्जेटिक बने रहेंगे।

न्यू ईयर पर लें हेल्थ रेजॉल्यूशंस
पूरे साल रहेंगे हेल्दी-एनर्जेटिक

माइंडफुल ईटिंग की आदत डालें

माइंडफुल ईटिंग से आशय है कि कौन-सा खाद्य पदार्थ स्वास्थ्यकर है और कौन-सा अस्वास्थ्यकर, यह सोच-समझकर या जानकर ही उसे खाने की आदत डालें। समुचित मात्रा में संतुलित-पौष्टिक भोजन अच्छी तरह चबाकर खाना और खाने की प्रक्रिया के दौरान टेलीविजन देखने या अन्य किसी व्यक्ति या स्थान पर ध्यान केंद्रित करने से बचना ही माइंडफुल ईटिंग है। बेहतर रहेगा कि इस संदर्भ में आप अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लें।

स्क्रीन टाइम की अधिकता ठीक नहीं: लैपटॉप, कंप्यूटर, सेल फोन, टेलीविजन और वीडियो गेम्स आदि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, आज की जीवनशैली में शामिल हो गए हैं। कितने घंटे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काम करना है, इस संदर्भ में कोई नियम या समयावधि तय नहीं की जा सकती, किंतु किसी भी हैबिट की अधिकता नुकसानदेह होती है, यह बात इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के संदर्भ में भी लागू होती है। बच्चों से लेकर वयस्कों तक इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का प्रचलन काफी बढ़ गया है, जिसके कारण कंप्यूटर विजन सिंड्रोम समेत आंखों की समस्याएं जैसे ड्राइनेस, आंखों में जलन, आंखों का भारी होना आदि, बढ़ रही हैं। ऐसी समस्याओं को कम करने और उनकी रोकथाम के लिए इन सुझावों पर अमल करना लाभप्रद रहेगा।

- दिन में कुछ घंटे या सोने से एक घंटा पहले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से दूरी बनाएं।
- सोशल मीडिया और गेम्स के नोटिफिकेशन बंद कर दें ताकि बार-बार फोन चेक करने की आदत कम हो सके।
- बेडरूम, डाइनिंग टेबल और बाथरूम में 'नो-फोन जोन' का पालन करें।
- नियम 20-20-20 यानी हर 20 मिनट पर 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर मौजूद किसी चीज को कंसंट्रेट होकर देखें।
- प्रत्येक 45 मिनट पर 5-10 मिनट का ब्रेक लें और स्क्रीन से दूर रहें।

सलाद खाने की आदत डालें: दोपहर और रात के भोजन से पहले सलाद खाने की आदत डालें। गाजर, मूली, खीरा और टमाटर आदि अच्छी तरह धोकर खाइए। भोजन से पहले सलाद खाने से आपको कब्ज आदि समस्या नहीं होगी और प्राकृतिक रूप से शरीर को विटामिंस और मिनरल्स मिलेंगे।

पैकेज्ड फूड्स से बचे रहें: आमतौर पर लोग भूख लगने पर नमकीन, चिप्स या बिस्किट का पैकेट खोलकर खा लेते हैं। बेशक इसे खाने पर पेट भरा महसूस होता है, कैलोरीज भी मिल जाती हैं, लेकिन पोषक तत्व के नाम पर कुछ नहीं मिलता। इसलिए हमेशा अपने बैग में ड्राई फ्रूट्स या कोई मौसमी फल रखिए। मूंगफली, चना या मखाना रख लीजिए ताकि भूख लगने पर पैकेज्ड फूड्स न खाएं।

सीढ़ियों का ही इस्तेमाल करें: वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन के अनुसार सीढ़ियां चढ़ने से हर मिनट लगभग 8 से 11 कैलोरी बर्न होती है। अगर आपके पास सामान ज्यादा नहीं है और कोई बीमारी नहीं है तो लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चढ़ना आपकी सेहत के लिए लाभप्रद है।

बाइक-कार के बजाय पैदल चलें: एक बड़ी संख्या में लोग 500 से 1000 कदम चलने के लिए भी कार और बाइक का इस्तेमाल करते हैं। दूध और सब्जियां आदि आस-पास मिलने वाली वस्तुएं लेने के लिए। इसलिए अगर संभव हो, तो एकाध किलोमीटर की दूरी के लिए बाइक, ऑटो या कार का इस्तेमाल न करें, पैदल ही जाएं। इसी बहाने सुबह-शाम टहलना हो जाएगा। टहलने के कई फायदे हैं। जैसे टहलने से वजन का प्रबंधन करने, रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को नियंत्रित करने और शरीर के जोड़ों की सेहत को अच्छा करने में मदद मिलती है।

प्यास लगने पर पिएं पानी: एक बड़ी संख्या में लोग घर से बाहर होने पर गला सूखने या प्यास लगने पर तुरंत कोल्ड ड्रिंक खरीदकर पी लेते हैं। यह आदत सेहत के लिए लाभप्रद नहीं है, क्योंकि ऐसे ड्रिंक्स में शुगर अधिक मात्रा में होती है। इसलिए प्यास लगने पर सिर्फ पानी ही पिएं और पानी की एक बोतल हमेशा साथ रखें। ऐसा करने से आप एसिडिटी, कब्ज और गैस की समस्या से दूर रहेंगे और आपके शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी।

कराते रहें हेल्थ चेकअप: नए साल में यह संकल्प लें कि आप अपने डॉक्टर से परामर्श लेकर हेल्थ चेकअप रेग्युलर कराते रहेंगे, भले ही आपको कोई बीमारी हो या नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि अनेक लोगों में हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या थायरॉइड आदि समस्याएं बिना लक्षणों के बढ़ती रहती हैं। इनका पता तब तक नहीं चल पाता है, जब तक कि शरीर पर इसके कोई गंभीर दुष्प्रभाव न दिखने लगें। याद रखें समय रहते डॉक्टर के परामर्श से कुछ जांचें कराने से बीमारियों का पता पहले ही चल जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप इलाज की प्रक्रिया समय रहते शुरू हो सकती है। साल में दो बार हेल्थ चेकअप कराने से शरीर के आंतरिक भागों की पूरी तस्वीर सामने आ सकती है। ब्लड टेस्ट, ब्लड प्रेशर, शुगर, लिपिड प्रोफाइल, लीवर और किडनी फंक्शन जैसे टेस्ट डॉक्टर के परामर्श से कराए जा सकते हैं।

डायबिटीज से बचाव-प्रबंधन: देश में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह (डायबिटीज) के रोगी हैं। डायबिटीज के मामले देशभर में तेजी से बढ़त पर हैं। आमतौर पर शुरुआत में यह बीमारी बिना किसी लक्षण के उभरती है। इस बीमारी का पता लगाने के लिए डॉक्टर के परामर्श से ब्लड शुगर टेस्ट कराए जा सकते हैं। वैसे इन दिनों ग्लूकोमीटर के जरिए घर पर ही आप ब्लड शुगर चेक कर सकते हैं। वहीं जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या पहले से ही है। उन्हें हर तीन महीने में एचबी, 1सी टेस्ट कराने की सलाह दी जाती है। इस टेस्ट की मदद से पिछले 2-3 महीनों के औसत ब्लड शुगर का पता लगाया जा सकता है। टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर से कंसल्ट कर सही खान-पान, वजन नियंत्रण और नियमित व्यायाम की मदद से डायबिटीज का प्रबंधन किया जा सकता है।

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट: देश और दुनिया भर में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोगों से ही होती हैं। लिपिड प्रोफाइल टेस्ट से रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर का पता चलता है। मानक से बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स दिल की धमनियों में अवरोध (ब्लॉकेज) का कारण बनता है। यह स्थिति कालांतर में दिल के दौरे (हार्ट अटैक) का कारण बन सकती है। कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स की जांच से हृदय रोगों के खतरे का पता लगाया जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के बढ़े हुए स्तर को नियंत्रित करने के लिए डॉक्टर कुछ दवाएं और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव का परामर्श देते हैं ताकि दिल की समस्याओं के खतरे को कम कर उन्हें टाला जा सके। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

योगोपचार / दिव्यज्योति 'नंदन'

रोज करें अनुलोम-विलोम विंटर ब्लूज से मिलेगी राहत

जाड़े के दिनों में धुंध, कोहरा और सूरज की कम रोशनी से सिर्फ बाहर की दृश्यता ही नहीं घटती, मन में भी सुस्ती, उदासी, बेचैनी और आलस्य बढ़ा देते हैं। ऐसे में शरीर को गर्म करने, फेफड़ों को सक्रिय रखने और मन में स्पष्टता लाने के लिए प्राणायाम बहुत कारगर है। इससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है, सोच में किसी तरह की उलझन नहीं रहती और ध्यान भटकता नहीं है। वास्तव में अनुलोम-विलोम, प्राणायाम, मानसिक धुंध को दूर करने का एक सरल, सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रभावी उपाय है बशर्ते इसका सही उपयोग किया जाए।

जरूरी है सही तरीका: अनुलोम-विलोम करने से पहले की तैयारी बहुत जरूरी है, तभी सही तरीके से इसे किया जा सकता है। इसके लिए समय, स्थान और आसन जैसी छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखना चाहिए। जहां तक समय की बात है तो इसे सुबह खाली पेट करना चाहिए। लेकिन अगर सुबह समय न मिले, तो दूसरा विकल्प यह है कि शाम को तब करें, जब दोपहर भोजन खाए हुए कम से कम 4 घंटे हो चुके हों। जहां तक इसे करने की उपयुक्त जगह का सवाल है तो ऐसी जगह पर करें, जो शांत, हवादार लेकिन ठंडी हवा से मुक्त जगह हो। जब मौसम में धुंध या सर्दी का प्रकोप हो, तब खुले में प्राणायाम न करें। जहां तक इसे करने के लिए आसन की बात है तो पद्मासन या सुखासन की स्थिति में करें या फिर कुर्सी पर सीधे बैठकर भी इसे कर सकते हैं बशर्ते इस बात का ध्यान रखें कि उस समय आपकी रीढ़ सीधी और कंधे ढीले हों। अनुलोम-विलोम प्राणायाम करने के पहले 1 मिनट आंख बंद करके पहले मन को शांत करें। जल्दबाजी या तनाव की स्थिति में यह प्राणायाम न कभी भी ना करें।

करने की सही विधि: इसे समझना सबसे जरूरी है। सबसे पहले दाएं हाथ की तर्जनी और मध्य अंगुली मोड़ लें। अंगूठे से दाएं नथुने को बंद करें। बाएं नथुने से धीरे-धीरे गहरी श्वास लें, इसके लिए एक से चार तक की गिनती गिनें। अब दोनों नथुने बंद करके 2 सेकेंड रोकें। हालांकि अगर शुरुआत कर रहे हैं तो रोकना जरूरी नहीं है। अब दाएं नथुने से धीरे श्वास छोड़ें और इस दौरान एक से 6 तक गिनती गिनें। अब दाएं नथुने से श्वास लें और इस दौरान एक से चार तक गिनती गिनें, फिर 2 सेकेंड के लिए श्वास रोकें और इसके बाद बाएं से श्वास छोड़ें, इस दौरान एक से 6 तक गिनती गिनें। इस तरह यह एक पूरा चक्र हुआ। *

2026 में लगा 5250 करोड़ का दांव!

इन पांच अपकमिंग फिल्मों से दहलेगा बॉक्स ऑफिस

साल 2025 में छावा, सैयारा और धुरंधर जैसी फिल्मों के तूफान ने अब 2026 के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं। यह साल इन तीन फिल्मों के लिए सबसे खास रहा। एक हिस्टोरिकल, एक रोमांटिक और एक स्पाई थ्रिलर का जलवा इतना जबरदस्त रहा कि मेकर्स मालामाल हो गए। अब इंतजार साल 2026 का है। नए साल में नया धमाका होने वाला है। इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं जिन पर मेकर्स बेतहाशा पैसा लगा रहा हैं। इस साल पांच बड़ी फिल्मों पर 5 हजार से भी ज्यादा का दांव लगाया गया है।

धुरंधर 2

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर की सफलता के बीच इसके दूसरे पार्ट यानी धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। फिल्म चार महीने के अंदर ही थिएटर्स में दस्तक देने वाली है। यह 2026 की मोस्ट एंटीसिपेटेड मूवीज में से एक है जो अगले साल 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले और दूसरे पार्ट को मिलाकर मेकर्स ने करीब 400 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

रामायण

2026 में रिलीज हो रही सबसे बड़ी फिल्मों में एक नाम रामायण का भी है जिसको लेकर पिछले कुछ सालों से चर्चा है। दो पार्ट में रिलीज हो रही फिल्म पर कथित तौर पर 4000 करोड़ रुपए बजट लगाया जा रहा है। पहला पार्ट 2026 की दीवाली पर रिलीज होगी और दूसरा पार्ट 2027 में आएगा। फिल्म में भगवान राम का किरदार रणबीर कपूर निभाते हुए दिखाई देंगे।

लव एंड वॉर

हीरामंडी सीरीज के बाद अब संजय लीला भंसाली लव एंड वॉर लेकर आ रहे हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कथित तौर पर इस फिल्म को 200 करोड़ रुपए में बनाया जा रहा है।

बॉर्डर 2

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारों से सजी मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म बॉर्डर 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले यानी 23 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का बजट 150 से 300 करोड़ रुपए के बीच बताया जा रहा है।

किंग

तीन साल बाद फिर से बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान की वापसी होने जा रही है। वह सिद्धार्थ आनंद निर्देशित किंग में नजर आएंगे जो अगले साल रिलीज होगी। हालांकि, अभी तक इसकी रिलीज डेट कन्फर्म नहीं की गई है। फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।

UNIVERSITY BUSINESS SCHOOL
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
ADMISSION NOTICE (2026-2027)

Applications are invited for Admission to Two Year Full Time Management Programmes MBA, MBA (IB), MBA (HR), MBA (EP) and MBA(Business Data Analytics) for Academic Session 2026-27).

Candidates are required to visit the website https://ubsadmissions.puchd.ac.in for detailed instructions. The said website would remain open for online registration through online payment from 26.11.2025 to 28.01.2026. Hard copy of the application form along with necessary documents should reach the undersigned latest by 04:00 p.m. on 10.02.2026. Application received after due date shall not be entertained.

Note: Our Institution uses the CAT scores for short-listing/selecting the candidates for our Post-graduate Programme(s) in Management/ MBA. IIMs have no role either in the selection process or in the conduct of the programme.

Professor Parmjit Kaur, Chairperson

120 बहादुर ओटीटी पर 16 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई। फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' अब ऑनलाइन रिलीज होने के लिए तैयार है। आप इस फिल्म को नए साल पर और गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले घर बैठकर देख सकेंगे। ये दो महीने पहले थिएटर्स में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद '120 बहादुर' फिल्म अब डिजिट रिलीज के लिए तैयार है। ये ऐतिहासिक वॉर ड्रामा 21 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुआ था। अब जनवरी 2026 में ओटीटी पर दस्तक दे देगी। '120 बहादुर' फिल्म 16 जनवरी 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म केवल सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

वर्ष 2026 में खूब आएगा विदेशी निवेश, रफ्तार भरेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दुनिया भर में जब आर्थिक अनिश्चितता का माहौल है और बड़े-बड़े देश निवेश के लिए तरस रहे हैं, तब भारत एक चमकते सितारे की तरह उभर रहा है। साल 2026 भारत के लिए विदेशी निवेश यानी 'एफडीआई' के मामले में एक ऐतिहासिक साल साबित होने वाला है। सरकार से लेकर आर्थिक जानकारों तक, सबको भरोसा है कि इस बार निवेश का आंकड़ा पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर देगा।

रफ्तार पकड़ता विदेशी पैसा

अगर आंकड़ों की बात करें, तो साल 2024-25 में भारत में कुल 80.5 बिलियन डॉलर का विदेशी निवेश आया था। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि थी। लेकिन 2025 के पहले दस महीनों (जनवरी से अक्टूबर) में ही 60 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश आ चुका है। डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया का मानना है कि 2026 में हम पिछले साल के 80.62 बिलियन डॉलर के ऑल-टाइम हाई आंकड़े को भी पीछे छोड़ देंगे। भारत की इस कामयाबी के पीछे सिर्फ किस्मत नहीं, बल्कि सोची-समझी रणनीति है। सरकार लगातार नियमों को आसान बना रही है, छोटे-मोटे व्यापारिक अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया जा रहा है और मंजूरी की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है।

भारत तोड़ेगा विदेशी निवेश के सारे पुराने रिकॉर्ड

क्यों आ रहा है इतना पैसा?

विदेशी निवेशकों के भारत की ओर खिंचे चले आने के कई ठोस कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है भारत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ, जो 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत रही है। इसके अलावा भारत के पास टैलेंटेड वर्कफोर्स है और सरकार 'जन विश्वास बिल' जैसे कदमों के जरिए बिजनेस करना आसान बना रही है। हालांकि, कुछ ऐसे सेक्टर भी हैं जहां विदेशी निवेश पर पूरी तरह पाबंदी है, जैसे लॉटरी, जुआ, सट्टेबाजी, चिट फंड, निधि कंपनी और सिगरेट बनाना। इनके अलावा ज्यादातर सेक्टर में निवेश का रास्ता साफ है।

- भारत वर्ष 2026 में 80.62 बिलियन डॉलर के आलटाइम हाई को पीछे छोड़ सकता है
- 2025 के पहले दस महीनों (जनवरी से अक्टूबर) में 60 बिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश आ चुका

बड़े देशों और कंपनियों का बड़ा दांव

भारत की झोली में निवेश डालने के लिए सिर्फ कंपनियां ही नहीं, बल्कि पूरे के पूरे देशों का समूह तैयार खड़ा है। 1 अक्टूबर 2025 को 'यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन' (ईएफटीए) के साथ हुआ समझौता लागू हो गया है। इसके तहत स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन जैसे देश अगले 15 सालों में भारत में 100 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगे। मजेदार बात, समझौते के पहले ही दिन स्विस कंपनी 'रोश फार्मा' ने अगले पांच साल में 17,000 करोड़ रुपए निवेश करने का एलान कर दिया। इतना ही नहीं, न्यूजीलैंड के साथ हुए समझौते से भी 2026 में 20 बिलियन डॉलर आने की उम्मीद है।

टेक दिग्गजों की मेगा प्लानिंग

दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियां भारत को अपना अगला बड़ा ठिकाना मान चुकी हैं। उनके निवेश प्लान किसी को भी हैरान कर सकते हैं-

अमेजन : अगले पांच साल में 35 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इनका फोकस क्विक कॉमर्स से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई तक है।

माइक्रोसॉफ्ट : सत्या नडेला ने 2030 तक 17.5 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है, ताकि भारत को एआई के लिए तैयार किया जा सके।

गूगल : भारत में अपना एआई हब बनाने के लिए 15 बिलियन डॉलर खर्च करेगा।

एप्पल और सैमसंग : ये दोनों कंपनियां भी भारत में अपना मैन्युफैक्चरिंग बेस लगातार बढ़ा रही हैं।

भारत साल 2026 में मजबूत स्थिति बनाए रखने की राह पर

आर्थिक सुधारों के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था 2026 में भी मजबूत बने रहने की राह पर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत 2026 में मजबूत स्थिति बनाए रखने की राह पर है जहां मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति एवं सुदृढ़ बैंकिंग प्रदर्शन जैसे अनुकूल कारक मौजूद हैं। साथ ही, 2025 के दौरान देखी गई आर्थिक रफ्तार को कायम रखने के लिए सुधार पहलें भी तैयार हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार से जीवन सुगमता एवं कारोबार सुगमता के विषयों को आगे बढ़ाते हुए आगामी बजट में पूंजीगत व्यय तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नए उपायों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है जिससे शुल्क एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य बन सके।

जीडीपी की वृद्धि दर लगातार बढ़ी

आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगातार तिमाहियों में बढ़ी है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई जबकि खुदरा मुद्रास्फीति वर्ष के अंत तक भारतीय रिजर्व बैंक की निचली सीमा दो प्रतिशत से नीचे आ गई।

- कम मुद्रास्फीति और सुदृढ़ बैंकिंग प्रदर्शन से अनुकूल कारक मौजूद
- आर्थिक रफ्तार को कायम रखने सुधार पहले से तैयार
- बजट में पूंजीगत व्यय तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने की उम्मीद

भारत 4180 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ चौथे स्थान पर

सरकार के एक बयान में कहा गया कि भारत ने 4180 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया है। 2030 तक अनुमानित 7300 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ अगले ढाई से तीन वर्ष में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने की राह पर है।

पर्याप्त खाद्यान्न भंडार से कीमतें नियंत्रित रही

बेहतर खरीफ उत्पादन और पर्याप्त खाद्यान्न भंडार से कीमतों के दबाव को नियंत्रित करने में मदद मिली। प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक गति को दर्शाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक, आईएमएफ, मूडीज, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी), फिच और एसएंडपी जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भी इस आशावादी रुख की पुष्टि की।

बजट में अतिरिक्त उपायों के घोषणा की उम्मीद

फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सुधारों को और गहरा करने तथा अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अतिरिक्त उपायों की घोषणा की व्यापक उम्मीदें हैं। उन्होंने पिछली बार करदाताओं को उल्लेखनीय राहत देने के साथ-साथ घरेलू एवं विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की थी।

राष्ट्रीय खातों के लिए आधार वर्ष बदला गया

इसमें में कहा गया, " वर्तमान व्यापक आर्थिक स्थिति उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति के दुर्लभ मजबूत दौर को दर्शाती है।" सरकार राष्ट्रीय खातों के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर भी काम कर रही है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना पद्धति को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके।

नए साल में ऑफिस जाएंगे या घर बैठेंगे? और तेज हो जाएगा एआई

- साल 2025 में दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कंपनियों में जमकर हुई छंटनी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

साल 2025 में दुनियाभर की कंपनियों ने कर्मचारियों की जमकर छंटनी की। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसे दिग्गजों से लेकर छोटी कंपनियों तक में नौकरियों पर संकट दिखा।

छंटनी की एक बड़ी वजह कंपनियों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बड़े पैमाने पर अपनाना भी रहा। क्या आने वाले साल में भी एआई नौकरियों के लिए यूं ही खतरा बना रहेगा या फिर कुछ राहत मिलेगी? ये वो सवाल है जिसका उत्तर हर कोई जानना चाहता है। एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन ने अब इस प्रश्न का उत्तर दिया है। हिंटन के अनुसार, 2026 वह साल हो सकता है जिसमें एआई न केवल हमारे काम करने के तरीके को बदलेगी, बल्कि बड़े पैमाने पर नौकरियों को खा जाएगी। हिंटन के मुताबिक, 2025 में एआई ने जो रफ्तार पकड़ी है, उसका असली असर 2026 में दिखेगा। अब कंप्यूटर सिर्फ 1-2 मिनट वाले छोटे काम नहीं, बल्कि हफ्तों और महीनों चलने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स भी अकेले ही पूरे करने की क्षमता रखते हैं। एआई के सीखने की रफ्तार उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज है।

किन नौकरियों पर सबसे ज्यादा खतरा है?

जब मशीनें इंसानों जैसा सोचने लगेंगी, तो उन दफ्तरों में लोगों की जरूरत कम हो जाएगी जहां 'दिमागी मेहनत' वाला काम ज्यादा होता है। हिंटन ने कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताया है, जिनको एआई से ज्यादा खतरा है। ये हैं-

कॉल सेंटर और कस्टमर सपोर्टः अब चैटबॉट्स इतने स्मार्ट हो गए हैं कि वे ग्राहकों की हर समस्या का समाधान खुद ही कर लेते हैं। इसलिए साल 2026 में इस सेक्टर से जुड़ी नौकरियों को सबसे ज्यादा खतरा है।

सॉफ्टवेयर और कोडिंगः पहले जिस ऐप या सॉफ्टवेयर को बनाने में 10 इंजीनियर लगते थे, अब एआई की मदद से वही काम 2 लोग कर पा रहे हैं।

डेटा और ऑफिस वर्कः फाइलों को मैनेज करना, रिपोर्ट बनाना और हिसाब-किताब रखने जैसे कामों के लिए अब इंसान से तेज और सटीक सॉफ्टवेयर मौजूद हैं।

'जॉबलेस बूम' का खतराः अर्थशास्त्री पहले ही 2026 में संभावित "जॉबलेस बूम" की चेतावनी दे रहे हैं। इसका मतलब है कि कंपनियां खूब तरक्की करेंगी, उनका मुनाफा बढ़ेगा और काम भी ज्यादा होगा, लेकिन वे नए लोगों को नौकरी पर नहीं रखेंगी। केपीएमजी की मुख्य अर्थशास्त्री डायने स्वॉन्क का कहना है कि कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ ज़्यादा काम कर पा रही हैं, जिससे विकास और श्रम-परिणामों के बीच दूरी बढ़ने लगी है। महामारी के बाद भर्ती में तेजी से विस्तार करने वाली कई कंपनियां अब ऑटोमेशन और छंटनी के ज़रिए कर्मचारियों की संख्या को मांग के अनुरूप कर रही हैं।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग आज से अनिवार्य

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- सरकार ने उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली रेटिंग की अनिवार्य

सरकार ने एक जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा। उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रिजरेटर, डीप रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। जुलाई 2025 में इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे और नए बदलाव इन्हीं सुझावों पर आधारित हैं।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(A Government of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi – 834001, Jharkhand
Phone: +91 651 2225878 | Email: juidcolimited@gmail.com

Name of Work: Resurfacing / Refurbishing work of Road from Airport to Hinoo Chowk in Ranchi, Jharkhand
NIT No.: JUIDCO/NIT/A to H/Road/RNC/672
Tender ID: 2025_UDD_105976_1
PR No.: 364298

TENDER CANCELLATION NOTICE

It is hereby informed that the minimum required number of technically responsive bids could not be received against the above-mentioned tender. Accordingly, the present call of tender is hereby cancelled.

The bidders are requested to await further communication, if any, regarding the tender for the said work.

Sd/-
Project Director (Technical)
PR 369796 Urban Development (25-26)_D JUIDCO Ltd.

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878,
CIN: U45200JH2013SGC001752,
e-mail Id-juidcolimited@gmail.com

NIT No.: JUIDCO/NIT/A to H/Road/RNC/682 Date- 31.12.2025
(2nd call)e-Procurement (Short Tender Notice)

1	Name of Work	Resurfacing/ Refurbishing work of Road from Airport to Hinoo Chowk in Ranchi Jharkhand.
2	Mode of Bid Submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 9,65,17,858.00/- (Rupees Nine Crore Sixty-Five Lakhs, Seventeen Thousand, Eight Hundred Fifty-Eight) only.
4	Time of Completion	06 Months
5	Tender Fee and Bid Security to be submitted online	Tender document fee: Rs 25,000/- (Rupees Twenty-Five Thousand) only. **Non-Refundable.** Bid Security: Rs 9,66,000.00/- (Rupees Nine Lakhs Sixty-Six Thousand) only
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	01.01.2026 at 15:00 Hrs.
7	Last Date/Time of Bid Submission	08.01.2026 at 17:00 Hrs.
8	Date/Time of opening of Bid	09.01.2026 at 17:00 Hrs.
9	Bid Submission Address	Jharkhand Urban Infrastructure Development Company Limited, JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi, Jharkhand- 834001
10	Helpline Number of e-procurement Cell	0651-2225878

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd, Ranchi
PR 369802 (Urban Development)25-26*D

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण
पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर 492002, छत्तीसगढ़ टेलीफोन नं. +917712512000, वेबसाइटः www.nayaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

॥ निविदा सूचना ॥

RFP No: 9867/664/ सेवा प्रदाता / नराअनविप्रा / 2022,
नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 30/12/2025

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के द्वारा, **"पर्यावास भवन, नवा रायपुर अटल नगर स्थित नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के कार्यालय में संयुक्त निविदा द्वारा मानव संसाधन एवं सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने के लिए"** निविदा आमंत्रित किया जाता है।

आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 20/01/2026, समय 3.00 बजे शाम तक ई-प्रोक्योरमेंट आरएफपी दस्तावेज को सीधे पोर्टल (वेबसाईट) http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क आनलाईन जमा करने के पश्चात ही निविदा दस्तावेज आनलाईन पोर्टल (वेबसाईट) पर जमा की जा सकेगी।

संशोधन/ परिवर्तन /शुद्धि पत्र, यदि कोई हो तो, वेबसाइट पर अपलोड किये जायेंगे एवं किसी भी न्यूजपेपर में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

महाप्रबंधक (प्रशासन)
एनआरएएनव्हीपी
S-46405/1

कार्यालय अधीक्षक, शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ नूतन कालोनी, सरकण्डा, बिलासपुर 495006 छत्तीसगढ़
दूरभाष क्र. 07752-296211 Web : gac.bilaspur.gov.in
Email: govt.ayurvedcollegebilaspur@gmail.com

क्रमांक / स्टोर /2025 /1470-74 बिलासपुर, दिनांक 24.12.2025

पेंशनर रोगियों के लिए आयुर्वेद औषधी क्रय हेतु निविदा

निविदा फर्म विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 14/01/2026 सायंकाल 5:00 बजे तक।
निविदा फर्म जमा करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 15/01/2026 दोपहर 2:00 बजे तक।
निविदा खोलने की निर्धारित तिथि एवं समय	दिनांक 15/01/2026 दोपहर 3:00 बजे।

नोटः- विभागीय शीर्ष संख्या 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य मद में भारतीय स्टेट बैंक में 500/- रू. चलान के माध्यम से जमा कर चालान की मूल प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर नियम शर्तो सहित निविदा फार्म प्राप्त किया जा सकता है। उक्त नियम शर्त सहित निविदा फार्म महाविद्यालय चिकित्सालय की वेबसाइट www.gac.bilaspur.gov.in से भी डाउनलोड कर निविदा फार्म जमा किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में निविदा फार्म के साथ निविदा शुल्क हेतु 500/- रू. चलान की मूल प्रति संलग्न करना होगा।

अधीक्षक
शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय
चिकित्सालय, बिलासपुर
(छत्तीसगढ़)
G-252605762/2

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार **संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06-जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1) कार चलाने हेतु अनुभवी, कुशल ड्राईवर (2) ऑफिस गर्ल की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित **संपर्क करें:- 9300532000 / 9893132000.** (RO-402)

आवश्यकता है- ऑटो ड्राइवर + ऑटो पार्ट्स की शॉप हेतु युवको/ युवतियों की आवश्यकता है वेतन 10000/- योग्यतानुसार **संपर्क करें:- किशोर ऑटो पार्ट्स जय शंकर प्लाजा डगनिया मोबाइल- 9425203217** (RO-444)

ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- Hiring Office Staff– Shankar Nagar (1)Web Developer (2)IT Support (3)Tele-Caller/Front Desk(Female) (4)Marketing Executive (5)Video Editor & YouTube Manager (6)Digital Marketer (7)Computer Trainer(Female) Freshers/Experienced. Immediate joining. 9300532000, 8878228031. (RO-402)

सेवाकर्मी

आवश्यकता है- प्राकृतिक चिकित्सालय में सेवा कार्य हेतु 20से 35वर्ष महिला/ पुरुष कर्मी की आवश्यकता है। सामान्य शिक्षा, वेतन योग्यतानुसार **सम्पर्क समय 9से 12 शाम 4से 6, प्राकृतिक चिकित्सालय, आनंदनगर रायपुर 9993137510.** (RO-374)

सिविल कांट्रेक्टर

आवश्यकता है- अनुभवी सिविल कांट्रेक्टर जो लेबर रेट पर रायपुर में बेसमेन्ट/जी प्लस इलेवन की बिल्डिंग हेतु **संपर्क - श्री प्रवीण जी, मों.- 9329116108.** (RO-6519)

कुक/वेटर

आवश्यकता है- जीवन विहार स्थित ब्लू बैरी इन होटल में साउथ इंडियन कुक,इंडियन कुक एवं वेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क 9425506411, 9109955002.** (RO-437)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु, आठवीं/दसवीं पढ़े लड़कियों की आवश्यकता है, दुर्ग-भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- डॉ.एच.सी.अग्रवाल मो.- 96177-89223, 94255-55659 मिलने का समय- शाम 5बजे से 8बजे तक **पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.)** (आरो न.-4128)

साउंड सिस्टम ऑपरेटर

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम चालाने के लिए अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़को की आवश्यकता है **संपर्कः दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.** (RO-446)

इंचार्ज/सेल्स अधिकारी

आवश्यकता है- राधा कृष्ण सेवा संस्थान में, रायपुर एवं बिलासपुर के लिए कार्यालय इंचार्ज, विकास अधिकारी, सेल्स ऑफिसर चाहिए, शासकीय सेवा मुक्त को प्राथमिकता सिविल ग्रेजुएशन, ग्रेजुएट भी संपर्क कर सकते हैं **मो. 8109100493. (प्रबंधक आर.के.एस.एस)** (RO-6521)

टैक्नीशियन

आवश्यकता है- मोबाइल शॉप में कार्य हेतु (ऑलराउन्डर) इमानदार लड़के या लड़की व टैक्नीशियन की आवश्यकता है। टैली कार्य भी आता हो तो अतिउत्तम **आल आई रिपेयर पंडरी (भाटागांव) रायपुर - 7987590745, 9993335496.** (RO-6522)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। **मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई 9669164000, 9165929000.** (RO-Aditya)

Property प्रापर्टी

दुकान

बेचना है- प्रीमियम शॉप स्पेस फॉर सेल शहीद स्मारक काम्पलेक्स अपोजिट नवभारत प्रेस ग्राउंड फ्लोर 02 शॉप प्रत्येक शॉप 550 स्क्वायर फीट **संपर्क- 9431103284, 9955712450.** (RO-6595)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

हरिभूमि
हरिभूमि क्लासीफाईड

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है।

ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।

आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

पेज एक के शेष

भागवत बोले- पंच परिवर्तन से ही...

अतिथि गायत्री परिवार की समाजसेवी उर्मिला नेताम की उपस्थिति ने मंच को गरिमामय बनाया। वहीं श्रोताओं में हर वर्ग की सहभागिता ने हिन्दू सम्मेलन को भव्य स्वरूप दिया। मुख्य वक्ता डॉ. भागवत ने पंच परिवर्तन से स्वयं की उन्नति के साथ राष्ट्र को आगे बढ़ाने का आह्वान लोगों से किया। सोनपैरी में सीएम विष्णु देव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और शासन-प्रशासन के लोग शामिल हुए। इनके बीच सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हिन्दू सम्मेलन में कहा कि संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हिन्दू सम्मेलन किए जा रहे हैं। संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज सेवा को गति देने का समय है। एक प्रसंग का जिक्र करते हुए कहा, एक खरगोश सोया था, अचानक पत्ता गिरा तो डर गया। उसने भगवान से मांगा, भगवान मुझे छोटा क्यों बनाया, हाथी जैसा बना देते। भगवान ने भी उसे तथास्तु कह दिया। वह तालाब में नहाने गया, तो वहां मेढकों ने कहा, वहां मगरमच्छ है मत जाओ। खरगोश ने कहा हे भगवान मगरमच्छ जैसी मोटी खाल दे देते, भगवान ने कहा तथास्तु, अगले दिन वन में वह कहीं जा रहा था, तो जानवरों ने कहा, भागो जंगली भैंसों का झुण्ड आ रहा है, कोई मोटी खाल काम नहीं आएगी। इस पर उसने पुनः भगवान को याद किया, भगवान ने कहा अलग रूप और क्षमता मांगने के बजाय भय समाप्त करने का ही वरदान मांग लेते।

जीवन में संस्कारी होना जरूरी, इसके बिना मनुष्य : सम्मेलन के मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय संत असंग देव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक आपको स्वयं सेवा करना सिखाता है। मधुमक्खी में संगठित होने से हाथी भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाते। आपका धन खो जाए तो पुनः मिल जाएगा, मित्र पुनः वापस आ जाएंगे, लेकिन एक बार मनुष्य का शरीर व्यर्थ में छूट जाए, तो उसके पुण्य को पुनः अर्जित नहीं किया जा सकता। देवताओं से भी श्रेष्ठ मनुष्य का जीवन होता है, लेकिन उसके लिए संस्कारी होना जरूरी है। संस्कार विहीन मनुष्य दानव बन जाता है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म सभी पंथों की जड़ है, यह हमारा सौभाग्य है कि भारत जैसी पुण्य भूमि में जन्म हुआ। जहां भगवान राम एवं कृष्ण का जन्म हुआ। बांग्लादेश और विश्व में जिस प्रकार चुनौती है, ऐसे में बंटने नहीं संगठित होने का समय है। वहीं समाजसेवी उर्मिला नेताम ने परिवार को संस्कारी व समाज को संगठित होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बिखरते परिवार को संस्कार देकर बचाया जा सकता है।

डॉ. भागवत ने श्रोताओं को...

में सप्ताह में एक दिन तय करके सब एक साथ भजन करें। साथ में घर पर बना भोजन करें। आपस में सुख - दुःख की चर्चा करें। हम कौन हैं, देश की स्थिति, परिस्थिति पर चर्चा करें। महान आदर्शों को जीवन में कैसे अपनाएं इस पर चर्चा करें।

तीसरा, ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के बीच पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत क्या कर सकते हैं, उसको लेकर विचार करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कैसे कम हो सकता है, पेड़ लगाओ, वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दें। चौथा, परिवार- समाज में अपनी भाषा बोलें। और पांचवा धर्म सम्मत आचरण को जीवन का हिस्सा बनाएं, देश के संविधान पर भरोसा और उसका पालन प्राथमिकता से करें।

जब डगमगाए पैर तो मातृत्व...

परिवार की वरिष्ठ समाज सेवी उर्मिला नेताम के पैर जब डगमगाए, तो उन्हें चलने में असुविधा को देखते हुए सरसंघचालक ने उनको सहारा देते हुए भारत माता के चित्र में पुष्प अर्पित करने में सहयोग करते हुए मातृत्व के प्रति सहृदयता का भाव प्रकट किया।

खड़ी ट्रेलर में लगी आग...

ट्रेलर में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख और बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बच्चा गंभीर रूप से झुलस चुका था। घटना की सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे को बाहर निकलवाया, लेकिन जलने से उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।मासूम की मौत के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तंजानिया के लोग...काले शरीर...

पर यूरोप और अमेरिका में है। वहां की यात्रा के दौरान आपको अधिकांश मौकों पर स्थानीय निवासियों के व्यवहार में शुष्कता और रुखापन महसूस होगा। यह रुखापन ही वह वजह है कि यूरोप की यात्रा के दौरान भी हम भारतीयों की पहली पसंद यूरोपियन एयरलाइंस की जगह एमिरेट्स, कार्यालय एतिहाद एयरलाइंस रहती है।

पूर्वी अफ्रीका के देश तंजानिया में अनुभव इससे पूरी तरह जुदा हैं। एयर तंजानिया के विमान की परिचालिका से लेकर होटल और कैंप के स्टाफ तक हर मौके पर लोग चेहरे पर स्वाभाविक मुस्कान के साथ मदद को आतुर दिखते हैं। टिप ना मिलने पर भी उनके चेहरे से मुस्कुराहट ओझल नहीं होती है।

इनके स्वभाव में ईमानदारी और जिम्मेदारी का प्रत्यक्ष अनुभव तब हुआ जब म्वांजा के होटल से तकरीबन सौ किलोमीटर दूर आ जाने के बाद वाहन चालक हमीद के पास फोन आया कि अपनी गले की सोने की चेन मैं कमरे में ही छोड़ आया हूं। होटल स्टाफ, सफारी कंपनी और हमीद ने साझा प्रयास कर तीन दिन के भीतर सात सौ किलोमीटर दूर मनियारा में वह चेन मेरे हवाले कर दी। इसके एवज में उन्होंने कोई शुल्क भी नहीं लिया। यूरोप या अमेरिका में तो आप ऐसी कल्पना भी नहीं कर सकते।

विदेश यात्रा के दौरान शाकाहारी होना खासा परेशानी भरा रहता है। विकल्प बहुत सीमित होते हैं और अगर आपकी बुकिंग फुल बोर्ड के रूप में है तो जो बुफे में परोसा गया है उसी से आपको काम चलाना होता है। यहां इस मामले में भी हालात पूरी तरह जुदा रहे। हर जगह होटल के शेफ ने आकर पसंद ना केवल जानना ही चाही बल्कि उसको पूरा करने की ईमानदार कोशिशें भी की। वेटर भी उसमें पूरी तरह से भागीदार रहते रहे। वाकई यह सेवा भाव अचंभित करने वाला था। इनकी इस मासूमियत और व्यवाहारिक कोमलता का सदियों तक गलत फायदा उठाया गया। इसे रंगभेदी मानसिकता ना समझा जाए। यह कटु सत्य है कि गोरे तन में काला मन लिए हुए कुटिल लोगों ने अपनी शातिरता और अत्याधुनिक हथियारों के बूते सदियों तक इन पशुपालकों को ही अपना पालतू बनाए रखा। नये साल के मौके पर कुछ नया और सकारात्मक साझा करने के उद्देश्य से अपने मनोभाव को आपसे साझा किया।

अब बात एक बार फिर यात्रा पर केंद्रित करते हैं। सेरेंगेट्टी नेशनल पार्क के बाद अब हमारा मुकाम गोरंगोरो नेशनल पार्क है। लाखों साल पहले ज्वालामुखी फूटने के चलते एक विशाल गहरा गड्ढा बना जो जैव विविधता के चलते अब विश्व धरोहर भी है। बिग फाइव प्राणियों में गेंडे की तलाश यहां आकर ही पूरी होती है। सेरेंगेट्टी से यहां तक का सफर आसान नहीं रहता। डामर विहीन पत्थरों से भरी सड़क पर चार से पांच घंटे बिताने के बाद ही आप यहां पहुंच पाते हैं।तन डोले कि मन डोले का मुकम्मल अहसास इस दौरान होता रहता है। तकरीबन 206 किलोमीटर व्यास के इस क्रेटर के गहरे इलाके में उतरने और ऊपर आने के रास्ते अलग अलग हैं। जमीन की प्रकृति ऐसी है यहां पेड़ बमुश्किल ही देखने को मिलते हैं। हर ओर घास के मैदान हैं। अच्छी लंबी चौड़ी झील भी है जहां सफेद - गुलाबी रंग के हजारों फ्लेमिंगों पक्षियों की मौजूदगी रोमांचित कर देती है। बड़ी संख्या में विशालकाय शरीर के हिप्पोपोटामस अर्थात दरियाई घोड़े भी दिखाई दे जायेंगे। कटार जैसे बड़े और धारदार दांतो को जब वह अपना मुंह फाड़कर दिखाते हैं तो शरीर में झुरझुरी दौड़ जाती है। शेर, जंगली सूअर, हाथी , जिराफ जैसे जानवर भी पर्याप्त हैं। एक स्थान पर हाथियों के बीच मुकाबले का वीडियो बनाने का मौका भी हमें मिला।हाथियों की मतवाली चाल को देखना भी अलग ही अनुभव होता है। आपकी जेब में पैसे जरूरत से ज्यादा हों और समय भी इफरात हो तो नजदीक में मनियारा नेशनल पार्क और तरंगिरी नेशनल पार्क भी मौजूद हैं। लेकिन कुल मिलाकर अब इतना कुछ देख लिया है कि अब कुछ और देखने की तुरंत तो चाह नहीं रही। इसलिए अब समय है वापसी का। इस वादे के साथ कि जल्द ही फिर किसी नये स्थान की सैर आप पाठकों को जरूर करायेंगे।

सलाह : आप जितने भी समझदार हों लेकिन यात्रा के अनुभव के आधार पर आपको यह सलाह है कि सफारी के लिहाज से पहले से सब कुछ बुक करके घर से निकलना ही बेहतर है। अच्छी साख वाले किसी ट्रैवल एजेंट के माध्यम से वह टूर पैकेज बनवाना ही बेहतर है जिसमें विदेशी धरती पर उतरने से लेकर वापसी के लिए विमान में चढ़ने तक की हर चीज शामिल हो। ऐसा ना करने पर यात्रा आपके लिए दुखद अनुभव भी साबित हो सकती है।

पीएम मोदी ने की 'प्रगति' की बैठक की अध्यक्षता

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को /"प्रगति/" (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की 50वीं बैठक की अध्यक्षता की। यह मंच केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय के साथ बड़ी बुनियादी ढांचा और जनहित से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए जाना जाता है।

बकिंघम पैलेस के पास प्रसिद्ध कपड़ा कंपनी एस कुमार्स की 150 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बैंक ऋण धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में देश के बाहर ईडी की बड़ी कार्रवाई

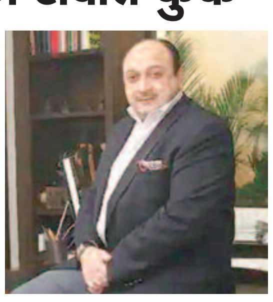

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रसिद्ध कपड़ा कंपनी एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और इसके पूर्व सीएमडी नितिन कासलीवाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। एजेंसी के अनुसार, यह संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है।

बैंकों से लिए ऋण को विदेश भेजा

नितिन कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) के साथ लगभग 1,400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों से लिए गए ऋण को गलत तरीके से विदेशी निवेश के नाम पर भारत से बाहर भेजा गया। ईडी के बयान के अनुसार, नितिन कासलीवाल ने बैंकों के फंड को डाइवर्ट किया और विदेशी न्यायक्षेत्रों में निजी ट्रस्टों और कंपनियों की एक जटिल संरचना के माध्यम से इन संपत्तियों को छुपाया।

चुनाव आयोग ने नहीं दिये सही जवाबः टीएमसी

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि आयोग ने पार्टी द्वारा पूछे गए पांच सवालों के सही जवाब नहीं दिये। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात कर पांच प्रश्न उठाए। उनके साथ नौ अन्य सांसद भी थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
गति शक्ति इकाई के विभिन्न कार्यों हेतु ई-निविदा सूचना

सीपीएम, जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

1. निविदा सूचना क्रमांक: CPM-GSU-35-NAG-2025-26
कार्य का नाम: SECR, नागपुर मंडल अंतर्गत 73 पैसेंजर हॉल्ट स्टेशनों पर सुविधा में सुधार।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 6,38,32,367/-
बयाना राशि: ₹ 4,69,200/-

2. निविदा सूचना क्रमांक: CPM-GSU-36-NAG-2025-26
कार्य का नाम: मानवयुक्त LC हटाने हेतु 03 संख्या RUB का निर्माण: (1) गोंदिया - CAF सेक्शन पर G-HDM स्टेशनों के बीच Km 1003/11-12 पर मानवयुक्त LC क्रमांक GCF-01 हटाने हेतु। (2) नागपुर - छिंदवाड़ा सेक्शन में Km 1225/5-6 पर LC. NC-73 हटाने हेतु। (3) नागपुर मंडल के Km 898/7-9 के बीच सीढ़ियों के साथ मिनी RUB/अंडरपास (3.0x3.0 मी. क्लियर) का निर्माण।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 20,32,02,683/-
बयाना राशि: ₹ 11,66,000/-

बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां निम्नानुसार 15:00 बजे तक जमा कर सकेंगे।
निविदा क्रमांक 1: दिनांक 12.01.2026
निविदा क्रमांक 2: दिनांक 14.01.2026
मैनुअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है और सभी मैनुअल ऑफर अस्वीकार कर दिए जाएंगे।
उपरोक्त निविदाएं सम्बंधित अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य अभियंता-जीएसयू,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
AIM/52-238
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सं. एस/एपी/2025-26/संशोधन/2, दिनांकः 31.12.2025
संशोधन
नागपुर डिवीजन में जनवरी-2026 के लिए आयोजित होने वाली ई-नीलामी स्क्रैप बिक्री 03.01.2026 और 10.01.2026 को निर्धारित थी, लेकिन उक्त तिथियों पर छुट्टी (शनिवार) के कारण इसे क्रमशः 05.01.2026 और 12.01.2026 को पुनर्निर्धारित किया गया है। अतः नागपुर डिवीजन के लिए ई-नीलामी स्क्रैप बिक्री 05.01.2026 और 12.01.2026 को आयोजित की जाएगी।
सामग्री प्रबंधक- III
सीपीआर/10/576 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. EPC-CECONII VSKP2025059, दिनांक : 22.12.2025
कार्य का नाम : गुणुपूर-थेरुबाली नई BG लाइन परियोजना : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में महत्वपूर्ण प्रमुख पुल नं. 301 (10 X 76.20 M - ओपन वेब स्टील थ्रू गर्डर) एवं बड़े पुलों अर्थात् पुल नं. 361 (1 X 30.50 M CG), 426 (1 X 12.20 M PSC स्लैब) एवं 388 (7.50 M X 8.0 M - RCC बॉक्स, रोड ओवर ब्रिज) का निर्माण, जिसमें दोनों तरफ 100 मीटर लंबाई के लिए प्रवेश मार्ग में निर्माण एवं अन्य संबंधित सुरक्षा कार्य शामिल हैं।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 18678.67 लाख, EMD : ₹ 93,50,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 20 (बीस) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 20.02.2026 को 1200 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।
निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/भुवनेश्वर
PR-207/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. EPC-CECONIIBBS 2025058, दिनांक : 17.12.2025
कार्य का नाम : भद्रक-विजयनगरम सेक्शन (385 कि.मी.) पर निर्गुण्डि-बारंग (22 कि.मी.) एवं खोरधा रोड-विजयनगरम (363 कि.मी.) के बीच तीसरी लाइन से संबंधित पूर्व तट रेलवे जोन में गंगाधरपुर-इच्छापुरम के बीच इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेन्ट एवं कंस्ट्रक्शन मोड पर एक महत्वपूर्ण पुल नं. 950 (CH. 118019M में ऋषिकुल्या नदी पर 11 X 45.7 मीटर ओपन वेब स्टील गर्डर) एवं 18 बड़े पुलों का निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 32468.79 लाख, EMD : ₹ 1,62,34,400/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 30 (तीस) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 16.02.2026 को 1200 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।
निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/भुवनेश्वर
PR-203/CI/25-26

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा के निर्माता ध्यान दें !

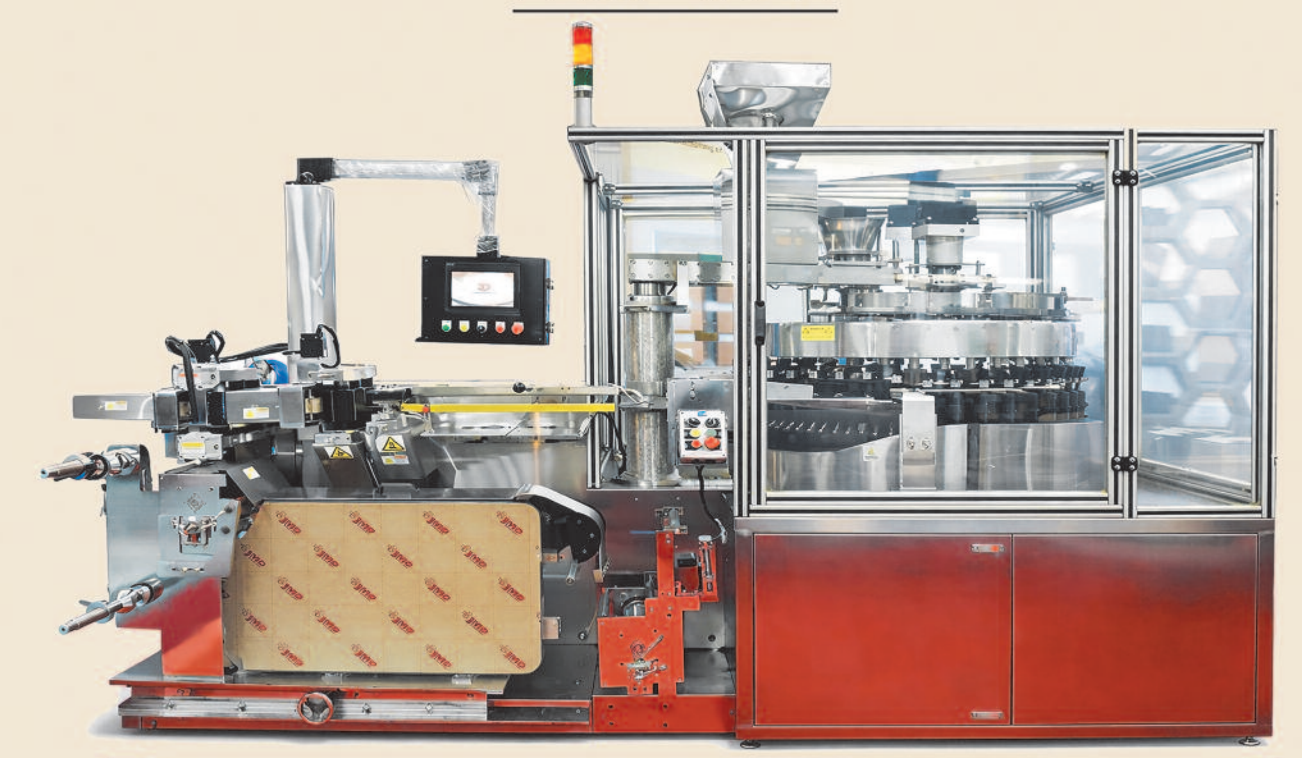

1 फरवरी, 2026 से क्षमता-आधारित उत्पाद शुल्क लागू

चबाने वाला तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू एवं गुटखा, जो पैकिंग मशीन की सहायता से निर्मित होकर पाउच में पैक किए जाते हैं, उन पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क उत्पादन क्षमता के आधार पर 1 फरवरी, 2026 से लागू किया जाएगा।

पहले से पंजीकृत करदाताओं को नए केंद्रीय उत्पाद शुल्क पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है।

ऐसे निर्माताओं द्वारा अपने परिसर में मशीनों के विवरण के संबंध में निर्धारित नियम के अनुसार निर्धारित प्रारूप में डिक्लेरेशन, 1 फ़रवरी, 2026 से 7 फ़रवरी, 2026 के बीच संबंधित क्षेत्राधिकार के केंद्रीय उत्पाद शुल्क के उप/सहायक आयुक्त के पास प्रस्तुत करनी होगी

क्र.सं	अनुपालन	देय तिथि
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान एक माह हेतु	उसी माह की 6 तारीख
2.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क रिटर्न एक माह हेतु	उसी माह की 10 तारीख

अन्य पैकिंग (जैसे टिन आदि) के मामलों में शुल्क, खुदरा बिक्री मूल्य (आर एस पी) के आधार पर (निर्धारित छूट के अधीन) अदा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नोटिफिकेशन संख्या. 04/2025-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 दिसंबर, 2025 देखें।

@cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @cbicindia @CBICIndia www.cbic.gov.in

CBC 15502/13/0048/2526

शब्द पहेली - 6095

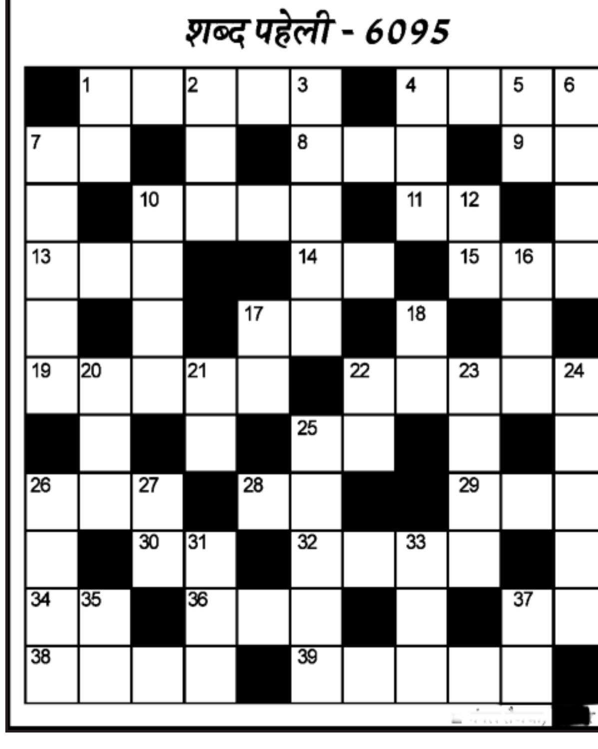

बाएँ से दाए-
1.दयालु,उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 6094 का हल

सूडोकु नवताल - 6105

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6104 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

नदियों में घूमता खतरनाक दैत्य, अधूरे कंकाल से वैज्ञानिकों ने कर दी बड़ी खोज

बैंकाक। थाईलैंड में वैज्ञानिकों ने एक बहुत ही खास डायनासोर की पहचान की है। यह करीब 12.5 करोड़ साल पहले धरती पर मौजूद था। यह डायनासोर लगभग 25 फीट लंबा था। मछलियों का शिकार करता था। इस डायनासोर को फिलहाल सैम रान स्पिनोसॉरिड कहा जा रहा है। यह नाम उस जगह के नाम पर रखा गया है

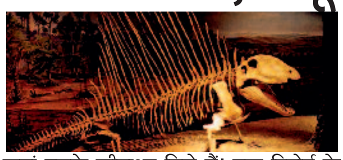

जहां इसके जीवाश्म मिले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह डायनासोर क्रेटेशियस काल के दौरान, थाईलैंड के खोराट ग्रुप इलाके की नदियों और पानी वाले इलाकों में रहता था। इस खोज की जानकारी थाईलैंड के वैज्ञानिक अदुन समथी ने दी। उन्होंने इसे 2025 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुई सोसाइटी ऑफ वर्टिब्रेट पेलियॉन्टोलॉजी की सालाना बैठक में पेश किया था।

सौरोपोड और इगुआनोडॉन भी रहते थे

यह डायनासोर एक उथली नदी के किनारे मरा था। उस समय यह इलाका थोड़ा सूखा था। यहां धीरे-धीरे बहने वाली नदियां थीं. यह डायनासोर गहरे पानी में तैरने वाला नहीं था। पानी और जमीन की सीमा पर शिकार करने में माहिर था। जब बाढ़ आती होगी तो यह इलाका इसके लिए शिकार से भरा हुआ हो जाता था।

वालेंसिया में पेड़ों पर लदे रहते हैं नारंगी, नहीं तोड़ता कोई

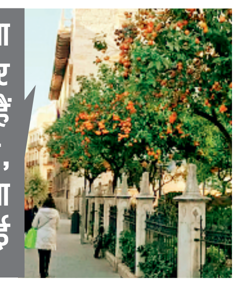

मैड्रिड। स्पेन का वालेंसिया शहर संतरों के लिए मशहूर है। यहां आपको पूरी सड़क संतरे से लदी दिखेगी। लेकिन सबसे हैरानी की बात ये है कि इन संतरों को कोई खाता नहीं है। भारत में नागपुर को 'संतरा शहर' कहा जाता है, जो मीठे, रसीले संतरे के लिए मशहूर है। दरअसल, ये संतरे मीठे नहीं, बल्कि बेहद कड़वे और खट्टे होते हैं। वालेंसिया में करीब 8,000 से 16,000 तक सजावटी संतरे के पेड़ हैं। ये बिटर ओरेंज हैं, जिन्हें नारंजो अमार्गो भी कहते हैं। ये पेड़ 10वीं सदी में अरबों (मूरिश) द्वारा स्पेन लाए गए थे। शुरू में इन्हें महलों, मस्जिदों और आंगनों में सजावट के लिए लगाया गया, क्योंकि ये सदाबहार होते हैं, सालभर हरे रहते हैं, छाया देते हैं और वसंत में अजहार नामक सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू पूरे शहर में फैल जाती है।

साल 2026 में शानदार खगोलीय नजारों का होगा दीदार

वॉशिंगटन। पूरी दुनिया साल 2026 के स्वागत के लिए तैयार है। अलग-अलग देशों में अलग-अलग समय पर लोग नए साल का स्वागत करेंगे। वहीं, दुनियाभर के खगोलविदों के लिए आने वाला साल कुछ खास होगा, जो कई दुर्लभ खगोलीय घटनाओं का दीदार कराने वाला है। साल की शुरुआत सुपरमून से होगी तो दूसरे महीने में सूर्य ग्रहण के दौरान रिंग ऑफ फायर का दुर्लभ नजारा होगा। इसके साथ ही यह साल एस्ट्रोनॉट के लिए बहुत खास होने वाला है और 50 सालों में सबसे ज्यादा अंतरिक्षयात्रियों को अपनी ओर खींचेगा।

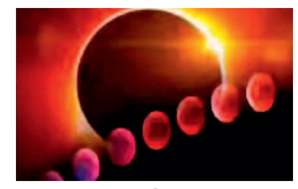

चंद्र ग्रहण और ब्लडमून

साल का पहला चंद्रग्रहण रिंग ऑफ फायर सूर्यग्रहण के दो सप्ताह बाद 3 मार्च को होने जा रहा है। यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा जिसे ब्लड मून कहा जा रहा है। इस दौरान चंद्रमा की सतह 58 मिनट तक लाल रंग की चमकेगी। इससे पश्चिमी उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र से सबसे अच्छे से देखा जा सकेगा।

सूर्य ग्रहण और रिंग ऑफ फायर

साल 2026 में 17 फरवरी को एक वलयाकार सूर्यग्रहण होने जा रहा है। इस दौरान सूर्य और पृथ्वी के बीच में चंद्रमा के आने से सूरज एक चमकीली अंगूठी के रूप में दिखाई देता है। इसे रिंग ऑफ फायर के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि, इसे अंटार्कटिका में कुछ रिसर्च स्टेशन से ही अच्छी तरह देखा जा सकेगा। 12 अगस्त को एक पूर्ण सूर्यग्रहण होने जा रहा है, जो आर्कटिक में शुरू होगा और ग्रीनलैंड, आइसलैंड और स्पेन से होकर गुजरेगा।

हरिभूमि माह दिसम्बर 2025 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
31 दिन	5.00	155.00
	कुल	155.00

हरिभूमि के सुधि पाठक दिसम्बर 2025 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।

व्यवस्थापक

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354I. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Ex-showroom price of Splendor+ in Chhattisgarh.

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोसिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दामुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभोरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहूजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, परोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3ः महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/9993454103, इटपिनाह- कांकेरः अंशु ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुडकुदुः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, साल्हेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

RS/Hero/06/25